THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 333 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.11 2081 सोमवार, 24 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में कांग्रेस का अधिवेशन

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अगला अधिवेशन 8 और 9 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद में होगा। इस बैठक में देशभर से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि आलाकमान के साथ मंच साझा करेंगे। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी है। एआईसीसी सत्र में पार्टी के भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा भी तैयार होगी। केसी वेणुगोपाल ने बयान में कहा कि इस महत्वपूर्ण समागम में देशभर से प्रतिनिधि जुटेंगे, जो बीजेपी की नीतियों से उत्पन्न चुनौतियों और संविधान और उसके मूल्यों पर लगातार हो रहे हमले पर चर्चा करेंगे। साथ ही पार्टी की भावी कार्रवाई का खाका भी तैयार करेंगे।

कुछ नेता विदेशी ताकतों से मिलकर देश-धर्म को कमजोर कर रहे': मोदी

छतरपुर , 23 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में स्थित बागेश्वर धाम में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे। वे यहां बनने वाले कैंसर अस्पताल की नींव रखने आए थे। उन्होंने करीब 35 मिनट जनता को संबोधित किया। इस दौरान विपक्ष पर हमला बोला, धीरेंद्र शास्त्री की तारीफ की और उनकी मां से भी मुलाकात भी की।

पीएम मोदी ने बुंदेलखंडी में बोलकर अपने भाषण की शुरुआत की। मोदी ने कहा कि बहुत ही कम दिनों में मुझे दूसरी बार वीरों की इस धरती बुंदेलखंड आने का सौभाग्य मिला है। इस बार तो बालाजी का बुलावा आया है। ये हनुमान जी की कृपा है कि आस्था का ये केंद्र अब आरोग्य का केंद्र भी बनने जा रहा है। अभी मैंने यहां श्री बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का भूमिपूजन किया है। ये संस्थान दस एकड़ में बनेगा। पहले चरण में ही 100 बेड की सुविधा होगी। मैं इस काम के लिए धीरेंद्र शास्त्री को बधाई देता हूं। भाइयों बहनों नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है, लोगों को तोड़ने में जुटा है। और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती है। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे हुए लोग हमारे मठ, मान्यताओं और मंदिरों पर, संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। ये लोग हमारे पर्व, परंपरा और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है उस पर ये कीचड़ उछालने की हिम्मत दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही उनका मकसद है।

मोदी ने कहा कि मेरे छोटे भाई धीरेंद्र शास्त्री काफी समय से एकता के मंत्र को देकर लोगों को जागरूक करते रहते हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। इस कैंसर संस्थान के निर्माण की जिम्मेदारी। यानी अब यहां बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन तीनों का आशीर्वाद मिलेगा। मोदी ने कहा कि साथियों हमारे मंदिर, हमारे मठ, हमारे धाम ये एक ओर पूजन और साधना के केंद्र रहे हैं तो दूसरी ओर विज्ञान और सामाजिक चिंतन, सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने ही हमें आयुर्वेद का विज्ञान दिया, योग का विज्ञान दिया, जिसका परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है। हमारी तो मान्यता ही है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई। अर्थात दूसरों की सेवा ही धर्म है। इसलिए नर में नारायण, जीव मे शिव, इस भाव से जीवमात्र का सेवा, यही हमारी परंपरा रही है।

महाकुंभ के रूप से प्रेरणा देता रहेगा

आजकल हम देख रहे हैं, महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। महाकुंभ अब पूर्णता की ओर है। अब तक करोड़ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है। संतों के दर्शन किए हैं। अगर इस महाकुंभ की तरफ नजर करें तो सहज भाव उठ जाता है ये एकता का महाकुंभ है। आने वाली सदियों तक 144 वर्ष के बाद हुआ ये महाकुंभ एकता के महाकुंभ के रूप से प्रेरणा देता रहेगा और देश की एकता को मजबूती देने का अमृत परोसता रहेगा

मैं आपकी सबकी तरह गरीब परिवार से निकला हूं। मैंने तकलीफों को देखा है, इसलिए संकल्प लिया कि मैं इलाज का खर्च कम करूंगा और आपकी जेब में ज्यादा से ज्यादा पैसा बचाऊंगा। पांच लाख तक का इलाज बिना किसी खर्च के किसी बेटे को अपने माता-पिता का नहीं करवाना है।

>14

जब पीएम मोदी ने निकाल दी पंडित धीरेंद्र शास्त्री की पर्ची

छतरपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में बालाजी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर का डिजिटल शिलान्यास किया और कैंसर पर बात की। उन्होंने धार्मिक आस्था पर हमला करने वाले नेताओं की आलोचना की। इस दौरान उन्होंने संत-महात्माओं से आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी आग्रह किया। उनके स्वागत में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उन्हें बालाजी की प्रतिमा और सनातन धर्म पर लिखी एक किताब भेंट की। पीएम मोदी ने बागेश्वर धाम में बालाजी के दर्शन भी किए।

पीएम मोदी ने उन नेताओं की आलोचना की जो धर्म का मजाक उड़ाते हैं और पारंपरिक रीति-रिवाजों का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग हमेशा से रहे हैं जो हिंदू आस्था से नफरत करते हैं। प्रधानमंत्री ने संतों और महात्माओं से आयुष्मान भारत योजना के तहत अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी आग्रह किया ताकि जरूरत पड़ने पर वे इसका लाभ उठा सकें।

भाषण के अंत में पीएम मोदी ने कहा, आज मैं हनुमान दादा के चरणों में आया तो मुझे लगा कि धीरेंद्र शास्त्री अकेले पर्ची निकालेंगे या मैं भी निकाल पाऊंगा। मैंने आज पहली पर्ची निकाली। दरअसल पीएम मोदी पं धीरेंद्र शास्त्री की मां से जब मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि मैं पर्ची निकालने आया हूं। मुझे पता है आपके मन में क्या चल रहा है, आपके मन में है कि 'ब्याह होना चाहिए।'

सात परियोजनाओं के लिए मिले 75 करोड़ डॉलर

वित्त मंत्रालय ने कहा- कोई प्रोजेक्ट चुनाव से जुड़ा नहीं

नई दिल्ली , 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) फंडिंग विवाद के बीच वित्त मंत्रालय ने बड़ा खुलासा किया है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अमेरिकी एजेंसी ने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सात परियोजनाओं की फंडिंग की। लेकिन इसमें से कोई भी परियोजना चुनाव या मतदान बढ़ाने से जुड़ी नहीं है।

वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा समय में भारत सरकार के साथ साझेदारी के तहत अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने सात परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की सात परियोजनाओं के तहत एजेंसी द्वारा कुल 97 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 825 करोड़ रुपये) का दायित्व बनाया गया है।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने रिपोर्ट में परियोजनाओं की जानकारी भी दी है। इसके तहत अमेरिकी एजेंसी ने कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जल, सफाई एवं स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं के लिए फंडिंग की। जबकि मतदान बढ़ाने या चुनाव से जुड़ी कोई फंडिंग नहीं की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एजेंसी ने वन एवं जलवायु अनुकूल कार्यक्रम और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण और नवाचार परियोजना के लिए फंडिंग करने का वादा किया है। 1951 में भारत को अमेरिका से मदद मिलनी शुरू हुई थी। यूएसएआईडी की ओर से अब तक भारत को 555 परियोजनाओं के लिए 1700 करोड़ रुपये की मदद मिल चुकी है।

ट्रंप के बयान के बाद खड़ा हुआ विवाद

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर देने की क्या जरूरत है? मुझे लगता है कि वे (बाइडन सरकार) चाहते थे कि चुनाव में किसी और को चुना जाए। हमें इस बारे में भारत सरकार को बताना चाहिए...यह चौंकाने वाला है। भारत के पास पहले से ही काफी पैसा है। वे सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देश हैं।

>14

मॉरीशस में स्पेशल गेस्ट बनेंगे मोदी

नेशनल डे कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री को मिला न्योता

नई दिल्ली , 23 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी अगले महीने मॉरीशस की यात्रा पर जा रहे हैं। इसकी वजह है कि पीएम मोदी को मॉरीशस से फिर न्योता आया है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। संसद को संबोधित करते हुए रामगुलाम ने कहा कि उनके (पीएम मोदी) व्यस्त कार्यक्रम और हाल ही में पेरिस और अमेरिका की यात्राओं के बावजूद ऐसे नेता की मेजबानी करना देश के लिए सम्मान की बात होगी।

पीएम मोदी ने दी सहमति

रामगुलाम ने कहा कि मुझे सदन को यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि मेरे निमंत्रण के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि बनने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा, "यह हमारे देश के लिए सचमुच एक विशेष सम्मान की बात है कि हम ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी कर रहे हैं, जो अपने व्यस्त कार्यक्रम तथा हाल ही में पेरिस और अमेरिका की यात्रा के बावजूद हमें यह सम्मान दे रहे हैं।

रामगुलाम ने कहा कि वह हमारे विशेष अतिथि के रूप में यहां आने के लिए सहमत हुए हैं। मोदी की यह यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। मॉरीशस 12 मार्च को अपना राष्ट्रीय दिवस मनाएगा। पिछले साल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुख्य अतिथि के रूप में मॉरीशस के 56वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया था।

तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन का हिंदी नाम मिटाया

सीएम स्टालिन बोले- केंद्र 10 हजार करोड़ दे तब भी न्यू एजुकेशन पॉलिसी लागू नहीं करेंगे

चेन्नई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच ट्राई लैंग्वेज वॉर जारी है। रविवार को कोयंबटूर के पोलाची रेलवे स्टेशन के बोर्ड पर स्टेशन के हिंदी नाम को डीएमके कार्यकर्ताओं ने काले रंग से मिटाया।

इससे पहले सीएम एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने तमिलनाडु अभिभावक-शिक्षक संघ के कार्यक्रम में कहा कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर साइन करने के लिए केंद्र सरकार 2 हजार या 10 हजार करोड़ ही क्यों न दे दे, मैं साइन नहीं करूंगा।

उन्होंने कहा था कि अगर राज्य ने 2 हजार करोड़ रुपए के लिए अपने अधिकार छोड़ दिए तो तमिल समाज 2 हजार साल पीछे चला जाएगा। मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन कभी ऐसा पाप नहीं करेगा।

स्टालिन ने कहा- द्रविड़ आंदोलन 85 साल से तमिल की रक्षा के लिए लड़ रहा है। पिछले 75 सालों में भारत में 52 भाषाएं खत्म हो गई और अकेले हिंदी पट्टी में 25 भाषाएं विलुप्त हो गई। जिन राज्यों ने हिंदी के वर्चस्व के कारण अपनी मूल भाषाएं खो दी, उन्हें अब सच्चाई का एहसास हो रहा है।

स्टालिन बोले- शिक्षा और स्वास्थ्य को हमारी दो आंखें

स्टालिन ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य को अपनी दो आंखें मानती है। इस साल हमने स्कूली शिक्षा विभाग को 44 हजार करोड़ रुपए और उच्च शिक्षा विभाग को 8 हजार 200 करोड़ रुपए बांटे हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि हम शिक्षा क्षेत्र को कितना महत्व देते हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में तमिलनाडु भारत में दूसरे स्थान पर है। इस उपलब्धि का कारण स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाएं हैं। केंद्रीय वित्त विभाग द्वारा जारी इकोनोमिकल सर्वे में भी इसे मान्यता दी गई है।

>14

दिल्ली सरकार का खजाना खाली, पर पूरे होंगे वादे : सीएम

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा के सत्र से पहले रविवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक हुई. इस बैठक में सोमवार से शुरू हो रही विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई. इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को लेकर हमारी जो कमिटमेंट है, वह पूरी होगी. उन्होंने पूर्व की आप सरकार पर आरोप लगाया कि वर्तमान में दिल्ली सरकार का खजाना खाली है, लेकिन सभी किए गए वादे पूरे होंगे. सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सोमवार को विधानसभा का सत्र शुरू होगा. नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे और अध्यक्ष का चुनाव होगा. यह तीन दिनों का सत्र है. सीएम गुप्ता ने कहा कि तीन दिनों के सत्र के दौरान वे सारे काम, जो दिल्ली के जनता के अधिकार हैं, वहां से शुरुआत होगी. इस सदन में सबसे महत्वपूर्ण बात आने वाली है, पहले ही सदन में सीएजी की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखेंगे.

रेखा गुप्ता ने कहा कि एक-एक रुपए का हिसाब जनता को देना होगा. पहला सदन दिल्ली के लिए नए आयाम लेकर आएगा और फिर बार-बार एक ही काम करना चाहूंगी. दिल्ली के लिए हमारी प्रतिबद्धता पूर्णता खरी और सत प्रतिशत पूरी की जाएगी. रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले चार दिनों में लगातार बैठकें कर रहे हैं. जो स्थिति सरकार ने हमारे सामने छोड़ी है. जब अधिकारियों के साथ बैठकर आज की सरकार की वित्तीय स्थिति देखते हैं तो सारे सरकारी खजाने खाली हैं.

कुतकाणा देहरी खड्ड में मिला जिंदा ग्रेनेड

कांगड़ा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। जिला पुलिस नूरपुर के पुलिस थाना रैहन के अंतर्गत आते क्षेत्र कुतकाणा देहरी खड्ड में रविवार को जिंदा ग्रेनेड मिलने से क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा हो गया। एच-ई 36 मॉडल के उक्त ग्रेनेड की पिन साथ में लगी हुई थी।

जिससे किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

एक स्थानीय युवक ने कुतकाणा खड्ड में एक संदिग्ध लोहे की गोल वस्तु को पड़े हुए देखा। इसी दौरान युवक ने रविवार सुबह इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद जिला पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लेकर गहनता से जांच की तो उक्त लोहे की गोल वस्तु एच-ई 36 मॉडल का एक जीवित ग्रेनेड पाया गया। जिसकी पिन लगी हुई थी। इस दौरान मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस नूरपुर ने संबधित क्षेत्र को सुरक्षित किया।

थरूर बोले-कोई अज्ञानता में खुश हो तो बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। केरल में पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों की तारीफ के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर और पार्टी के बीच अनबन बढ़ गई है। इस बीच थरूर ने शनिवार को सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट करते हुए लिखा बुद्धिमान होना कभी-कभी मूर्खता कहलाती है।

थरूर ने अंग्रेजी कवि थॉमस ग्रे की कविता 'ओड ऑन ए डिस्टेंट प्रॉस्पेक्ट ऑफ ईटन कॉलेज' का एक कोट शेयर किया था। इसमें लिखा था- 'जहां लोगों को अज्ञानता में खुशी मिलती है, वहां बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता है।'

शशि थरूर ने 18 फरवरी को दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पार्टी में किनारे किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे संसद में महत्वपूर्ण बहसों में बोलने का मौका नहीं मिलता।

पार्टी में मुझे इग्नोर किया जा रहा है।' थरूर ने कहा, 'मैं पार्टी में अपनी स्थिति को लेकर असमंजस में हैं। चाहता हूं कि राहुल गांधी मुझे मेरी भूमिका के बारे में स्पष्ट रूप से बताएं।'

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राहुल गांधी ने शशि थरूर की शिकायतों का कोई खास जवाब नहीं दिया। थरूर को यह महसूस हुआ कि राहुल इस मामले में कुछ भी करने को तैयार नहीं थे।

श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

पांच नौकाएं भी जब्त कीं

कोलंबो, 23 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में रविवार को 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं जब्त कर लीं। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया।

बयान में कहा गया कि मछली पकड़ने वाली पांच भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया और 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया। नौसेना ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं को तलाईमन्नार पियर लाया गया, जहां उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए मन्नार के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा।

बयान के मुताबिक, नौसेना ने इस साल अब तक 131 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है।

भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद मुद्दा

मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की है और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया है।

'एआईडीएमके में पन्नीरसेल्वम के लिए कोई जगह नहीं'

अन्नाद्रमुक के महासचिव पलानीस्वामी ने दिए संकेत

चेन्नई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईडीएमके) महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने रविवार को कहा कि पार्टी निष्काषित नेता ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) को वापस नहीं लेगी, जबकि ओपीएस ने कुछ दिन पहले कहा था कि वह पार्टी में वापस आने के लिए तैयार हैं। सोमवार को दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता की 77वीं जयंती मनाई जानी है। इससे पहले, पलानीस्वामी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने पूछा, 'क्या भेड़िया और भेड़ एक साथ रह सकते हैं?' क्या खरपतवार और फसल एक साथ हो सकते हैं? क्या वफादार और गद्दार कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं?'

बिना शर्त पार्टी में शामिल होने के लिए तैयार: ओपीएस

कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम ने कहा था कि वह एआईडीएमके में वापस लौटने के लिए तैयार हैं, लेकिन महासचिव का पद कार्यकर्ताओं द्वारा चुना जाना चाहिए। ओपीएस, जो अब एडीएमके वर्कर्स राइट्स रिट्रीवल कमेटी के प्रमुख हैं, ने कहा कि वह टीटीवी दिनाकरन और शशिकला के साथ पार्टी में बिना शर्त शामिल होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम बातचीत के जरिये मुद्दों को सुलझा सकते हैं।

पलानीस्वामी ने चुनौतियों के बावजूद प्रभावी शासन के लिए दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता की प्रशंसा की। जयललिता ने 2011 में एआईडीएमके को भारी बहुमत से जीत दिलाई और 2016 में भी सत्ता में रहीं। उन्होंने दिसंबर 2016 में अपनी मृत्यु तक सरकार का नेतृत्व किया। एआईडीएमके 2011 से 2021 तक 10 वर्षों तक सत्ता में रही, जो तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि है।

'भारत का अपमान करने के बावजूद चुप्पी क्यों?'

कांग्रेस ने कहा- पीएम मोदी-जयशंकर जवाब दें

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। यूएसएड फंडिंग विवाद के बीच, कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने भाजपा पर 'अमेरिका से झूठी खबरें' फैलाने और 'राष्ट्र-विरोधी कार्य' करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह बताना चाहिए कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का 'अपमान' कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है? हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही राहुल गांधी को 'देशद्रोही' करार देते हुए कहा कि वह वह विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा को झूठे और अनपढ़ लोगों का समूह बताया। साथ ही कहा कि 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर की खबर, जिस पर भाजपा ने हंगामा किया, फर्जी निकली। उन्होंने कहा, 2022 में 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर की खबर भारत में 'मतदान' के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि एलोन मस्क ने फर्जी दावा किया, ट्रंप बांग्लादेश और भारत के बीच भ्रमित हो गए। अमित मालवीय ने झूठ को और फैलाया, फिर भाजपा के बाकी चाटुकारों ने इसका फायदा उठाया।

रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को जवाब देना होगा, डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं और हमारी सरकार इस पर चुप क्यों है? कांग्रेस नेता ने कहा, 'क्या ऐसा है कि अदाणी के लिए दया की भीख मांगने के चक्कर में देश के स्वाभिमान से समझौता किया गया है?'

नागरकुरनूल में 13किमी अंदर फंसे आठों श्रमिक

कई फीट तक भरा कीचड़ बनी बाधा

पीएम मोदी ने सीएम रेवंत से की बात

राहुल गांधी ने हादसे पर चिंता व्यक्त की

जगता खेस
गुमला
झारखंड

संतोष साहू
गुमला
झारखंड

संदीप साहू
गुमला
झारखंड

अनुज साहू
गुमला
झारखंड

श्री निवास
चंदौली
यूपी

मनोज कुमार
यूपी

गुरप्रीत सिंह
तरनतारन,
पंजाब

सन्नी सिंह
जम्मू-कश्मीर

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढह जाने से आठ मजदूर अंदर फंस गए हैं और उन्हें बाहर निकालने के लिए दूसरे दिन भी बचाव अभियान बड़े पैमाने पर जारी है। लेकिन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग में बचाव अभियान को रविवार सुबह बड़ा झटका लगा है। जब राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों के सामने सुरंग के ढह चुके हिस्से तक पहुंचने में बड़ी दिक्कतें खड़ी हो गई।

अंदर जाने के सभी रास्ते बंद

बचाव अभियान की जानकारी देते हुए, एसडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि सुरंग के अंदर जाने का कोई रास्ता नहीं है। छत ढह जाने से अंदर जाने का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है और घुटनों तक कीचड़ भी भरा हुआ है। इसके बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य बचाव दल, सिंगरेनी कोलियरीज के अधिकारियों के साथ सुरंग के ढह चुके हिस्से का निरीक्षण करने के बाद वापस लौट गए। वहीं सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकाले के दूसरे कई प्रयासों पर काम हो रहा है।

मामले में तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन। उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार विशेषज्ञों की मदद ले रही है, जिनमें पिछले साल उत्तराखंड में इसी तरह की घटना में फंसे श्रमिकों को बचाने वाले लोग भी शामिल हैं।

तेलंगाना और आंध्र सब एरिया मुख्यालय और इन्फैंट्री डिवीजन मुख्यालय की तरफ से मामले की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, ताकि सेना, नागरिक अधिकारियों और अन्य बचाव दलों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एसएलबीसी सुरंग में चल रहे बचाव प्रयासों के बारे में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए। रेवंत रेड्डी से बात की। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री को बचाव कार्यों में केंद्र सरकार की ओर से पूरी सहायता का आश्वासन दिया है।

इधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर चिंता जताई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि- उन्हें बताया गया है कि राज्य सरकार बचाव दलों के साथ, फंसे लोगों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि बचाव अभियान जारी है और राज्य सरकार आपदा राहत दलों के साथ फंसे लोगों को बचाने का हर संभव प्रयास कर रही है।

कैसे हुआ हादसा

शनिवार सुबह टनल बोरिंग मशीन के साथ पहली शिफ्ट में 50 से अधिक लोग सुरंग के अंदर गए थे। वे टनल के अंदर 13.5 किलोमीटर तक गए, इसी दौरान पानी के तेज बहाव के चलते सुरंग का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इस दौरान मशीन के आगे चल रहे 2 इंजीनियर समेत छह मजदूर वहां फंस गए, जबकि 42 कर्मचारी सुरंग के बाहरी गेट की ओर भागे और बाहर निकलने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि अचानक पानी के साथ मिट्टी बहकर आने लगी और सुरंग का ऊपरी हिस्सा ढह गया।

श्रमिकों की स्थिति की जानकारी नहीं- एनडीआरएफ

एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडर सुखेंदु ने कहा, कल रात करीब 10 बजे हम स्थिति का विश्लेषण करने के लिए सुरंग के अंदर गए। सुरंग के अंदर 13 किलोमीटर की दूरी में से हमने 11 किलोमीटर लोकोमोटिव पर और बाकी 2 किलोमीटर कन्वेयर बेल्ट पर तय किया। जब हम टीएमनी (टनल बोरिंग मशीन) के अंत में पहुँचे, तो हमने फँसे हुए श्रमिकों से उनके नाम पुकारकर संपर्क स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन हमें कोई आवाज सुनाई नहीं दी। मलबे से 200 मीटर का पैच भरा हुआ है। जब तक इस मलबे को साफ नहीं किया जाता, हम फँसे हुए श्रमिकों का सही स्थान नहीं जान पाएंगे और उन्हें बचा नहीं पाएँगे। सुरंग के 11-13 किलोमीटर के बीच के पैच में पानी भरा हुआ है और जब तक पानी नहीं निकाला जाता, तब तक मलबा साफ करने का काम शुरू नहीं होगा। हमारी पहली टीम कल शाम करीब 7 बजे यहां पहुंची। फंसे हुए श्रमिकों का सही स्थान अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इन राज्यों के लोग सुरंग के अंदर फंसे

इस मामले में राज्य सरकार सेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की भी मदद ले रही है। फंसे हुए लोगों में से दो इंजीनियर, दो ऑपरेटर और चार अन्य मजदूर हैं। ये सभी उत्तर प्रदेश, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। सूत्रों ने बताया कि फंसे हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरंग में सांस लेने के लिए हवा का प्रबंध किया गया है। ईटीएफ विशेषज्ञ इंजीनियरिंग टीमें, सेना चिकित्सा कोर के फील्ड एम्बुलेंस से एक मेडिकल टुकड़ी, कुछ एम्बुलेंस, तीन उच्च क्षमता वाले पंपिंग सेट, बख्तरबंद होज और अन्य सहायक उपकरण से लैस है।

तेलंगाना सुरंग हादसे में अब तक क्या क्या हुआ?

- पानी के तेज बहाव होने से सुरंग का एक हिस्सा ढहा
- सुरंग के अंदर 13.5 किमी अंदर फंसे हैं आठ श्रमिक
- सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात

सरकार की ओर से किए गए ये इंतजाम

मामले में नागरकुरनूल से कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने बताया कि, एनडीआरएफ हैदराबाद से 145 लोग आए हैं। एसडीआरएफ से 120 लोग आए हैं, वे उन्हें बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सुरंग के अंदर ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही है। अंदर पानी है, पानी निकालने के लिए 100 एचपी का पंप आ रहा है और 250 केवी का बड़ा जनरेटर भी लाया जा रहा है। अंदर फंसे लोगों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

13 किमी के बाद ढह गया सुरंग का ढांचा

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुरंग में प्रवेश करने वाली टीमों की मदद के लिए ड्रोन तैनात किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुरंग के अंदर 13 किलोमीटर तक रास्ता साफ है और सुरंग के 14 किमी पर ढांचा ढह गया है। हालांकि, बचाव दल सुरंग की समग्र स्थिति को लेकर आशंकित हैं। वहीं तेलंगाना के मुख्य सचिव के अनुरोध पर सेना ने महत्वपूर्ण बचाव अभियान के लिए अपने इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) को मौके पर भेजा है।

5 साल से जेल में बंद रेप आरोपी को जमानत

बॉम्बे एचसी बोला- लड़की मर्जी से गई, उसे पता था उसके साथ क्या हो रहा है

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के तहत 5 साल से जेल में बंद 24 साल के आरोपी को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि लड़की के साथ जो हुआ उसे इसकी पूरी समझ थी। वह अपनी मर्जी से आरोपी के पास गई थी। जस्टिस मिलिंद जाधव की बेंच ने कहा- मामला भले ही पॉक्सो एक्ट के तहत था और पीड़िता नाबालिग थी। लेकिन लड़की अपने माता-पिता को बताए बिना घर छोड़कर आरोपी के साथ चार दिनों तक रही। मामले के फैक्ट्स को देखने से समझ आ रहा था कि उसे इस बात की पूरी जानकारी थी कि वो क्या कर रही है, उसने अपनी मर्जी से आरोपी के साथ चार दिन बिताए थे।

बॉम्बे हाईकोर्ट से कैसे मिली जमानत

बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बेंच को पुलिस रिपोर्ट और लड़की के बाद में दिए गए बयानों में अंतर दिखा जिसमें मेडिकल जांच के दौरान भी बदलाव था। लड़की ने यह कहा कि वह आरोपी के साथ रिलेशनशिप में थी। होटल मालिक के बयान से यह भी सामने आया कि लड़की के पिता को उनके रिश्ते के बारे में जानकारी थी। आरोपी पक्ष ने कहा- लड़की की सहमति कानूनी रूप से मान्य नहीं है अदालत में आरोपी पक्ष ने तर्क दिया कि चूंकि लड़की नाबालिग थी इसलिए उसकी सहमति कानूनी रूप से मान्य नहीं हो सकती। हालांकि बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि आरोपी का कोई पहले से आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था और उसने पहले ही पांच साल से अधिक जेल में काट लिए हैं। कोर्ट ने कहा- जमानत देने के साथ बाकी पहलुओं पर भी गौर किया गया कोर्ट ने कहा कि जमानत का निर्णय लेते समय यह देखना जरूरी है कि आरोपी मुकदमे के लिए हाजिर रहेगा या नहीं। इसके अलावा अपराध की गंभीरता, आरोपी द्वारा फिर से अपराध करने की संभावना, गवाहों को प्रभावित करने या सबूत से छेड़छाड़ करने की संभावना और आरोपी का आपराधिक इतिहास भी ध्यान में रखना जरूरी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जमानत के दौरान आरोपी को यह ध्यान रखना होगा कि वह कानून का पालन करे और मुकदमे में बाधा डालने का कोई प्रयास न करे।

गोली लगने से नहीं बल्कि दिल का दौरा पडने से गई जान, हर्ष फायरिंग मामले में पुलिस का बड़ा दावा

जालंधर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में जश्न के दौरान गोली चलाए जाने के एक वीडियो में कथित तौर पर गिरते हुए दिखाई दे रहे 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत वास्तव में दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जालंधर के फिल्लौर में चक देसराज गांव की सरपंच के पति परमजीत सिंह 17 फरवरी को शादी से पहले की रस्म जागो के दौरान बेहोश हो गए थे। पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो से ऐसा लग रहा है कि कार्यक्रम में नाच रहे एक अतिथि ने उन्हें गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि उन्हें फगवाड़ा के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जालंधर के गोराया थाने के सहायक उपनिरीक्षक सुरिंदर मोहन ने बताया कि सिंह की पत्नी ने फिल्लौर के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को बताया कि उन्हें कोई गोली नहीं लगी थी,

एयरपोर्ट पर सांप, छिपकलियों-मकड़ियों और कीड़ों से भरे बैग लेकर आए 3 पैसेंजर्स, जांच अधिकारी भी हैरान

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कस्टम विभाग ने दुर्लभ प्रजाति के जीवों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। तीन भारतीय नागरिकों के पास से दुर्लभ विदेशी जीव बरामद किए गए हैं। दरअसल, कस्टम विभाग को जानकारी मिली थी कि 22 और 23 फरवरी रात बैंकॉक से दिल्ली आने वाली फ्लाइट एआई 303 में तीन शख्स दुर्लभ प्रजाति के जीवों को तस्करी कर भारत ला रहे है। इसके बाद कस्टम विभाग ने इस तीनों पैसेंजर्स के बैग की तलाशी ली तो अधिकारियों की आंखें खुली की खुली रह गईं। एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स की बैग की तलाशी में कस्टम विभाग को सांप, छिपकलियों, मकड़ी और कीड़ों की दुर्लभ और विलुप्त होती प्रजाति के कई डिब्बे मिले। जब्त किए गए जीवों में कई दुर्लभ प्रजाति के जीव भी शामिल हैं।

यह पहली बार नहीं है, जब दिल्ली एयरपोर्ट पर वन्यजीव तस्करी का मामला सामने आया है। इससे पहले भी कई बार इस तरह के दुर्लभ जीवों को भारत में अवैध रूप से लाने की कोशिश की गई है। इस बार कस्टम विभाग की सतर्कता के चलते इन वन्यजीवों को बचा लिया गया और यात्रियों को भी हिरासत में ले लिया गया है। फिलहाल कस्टम विभाग ने जब्त किए गए दुर्लभ प्रजाति के जीवों को वन्यजीव और पर्यावरण प्राधिकरण को सौंप दिया है।

डुप्लीकेट सामान की जांच करने दिल्ली से आई टीम, शहडोल में मदन एजेंसी पर हुई कार्रवाई

शहडोल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नगर के मदन एजेंसी में दिल्ली कोर्ट से वकीलों की चार सदस्य टीम पहुंचीं, जहां वह डुप्लीकेट सामान की बिक्री करने पर दबिश देकर जांच पड़ताल शुरू की। सोहागपुर पुलिस ने बताया कि नगर के मदन एजेंसी में अपोलो कंपनी का डुप्लीकेट सामान बिक्री किया जाता था, ऐसी शिकायत अपोलो कंपनी ने दिल्ली कोर्ट में की थी। कोर्ट ने वकीलों की चार सदस्य टीम गठित कर एजेंसी में जांच के लिए शहडोल भेजी है। वकीलों की टीम एजेंसी पहुंचकर डुप्लीकेट सामग्री की जांच व लेनदेन संबंधी दस्तावेज खंगाले हैं। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा मदन एजेंसी में डुप्लीकेट सामान बेचा जा रहा था या नहीं फिलहाल अभी जांच जारी है। जानकारी के अनुसार मदन एजेंसी में अपोलो कंपनी के नाम पर डुप्लीकेट सामग्री की बिक्री करने की शिकायत कंपनी को प्राप्त हुई थी। कंपनी दिल्ली कोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायालय ने सुनवाई करते हुए वकीलों की चार सदस्यीय टीम गठित कर जांच के लिए शहडोल भेजा। टीम शहडोल पहुंचकर पहले संबंधित थाने में इसकी जानकारी दी और एक तीन के गार्ड के साथ एजेंसी पहुंची। टीम एजेंसी में जांच पड़ताल कर डुप्लीकेट सामग्री को खंगालती रही। सोहागपुर पुलिस ने बताया कि दिल्ली कोर्ट ने टीम के एक सदस्य को डुप्लीकेट सामग्री जब्त करने के लिए अधिकृत किया है, जो जांच के बाद एजेंसी से डुप्लीकेट सामग्रियों की जब्ती बनाएगी। सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि हमें आदेश था कि हमें जांच टीम के साथ पुलिस बल देना है, हमने पुलिस टीम भेजी थी,जांच में क्या पाया गया यह जांच टीम ही बता पाएगी, कुछ सामग्री जप्त की गई है,

रिक्शा ड्राइवर ने मंत्री के पोते को पीटा, पोते के दोस्तों ने भी की मारपीट, कोई एफआईआर नहीं

अरवल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के अरवल्ली जिले में मंत्री के पोते के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। अहम बात यह है कि मंत्री के पोते और बेटों ने पुलिस में शिकायत करने की बजाय रिक्शा ड्राइवर को ढूंढ़ा और उसकी जमकर पिटाई की। दोनों घटनाओं का वीडियो सामने आया है, लेकिन पुलिस की तरफ से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि अगर कोई पक्ष शिकायत करने आया तो मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पहले रिक्शा ड्राइवर ने मंत्री के पोते के साथ मारपीट की थी। यह घटना चौराहे में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। इसके बाद मंत्री के पोते ने रिक्शा ड्राइवर को खोजा और उसकी जमकर पिटाई की। पोते के दोस्तों ने मारपीट का वीडियो भी बनाया। हालांकि, इस मामले पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है और ऐसा लग रहा है कि गुजरात में कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी है। घटना अरवल्ली जिले के मोडासा की है। यहां असामाजिक तत्व ने गुजरात सरकार के राज्य मंत्री भीखूसिंह परमार के पोते की पिटाई की। इसके बाद मंत्री के बेटों ने भी जवाबी कार्रवाई की। घटना बीते 17 फरवरी की सुबह करीब 10:30 बजे की है। मंत्री भीखूसिंह परमार के बेटे एक्टिवा से गुजर रहे थे, तभी गलत साइड से आ रहे रिक्शा चालक ने साइड को लेकर मंत्री के पोते से बहस की और मारपीट भी की।

पंजाबी एक्ट्रेस सोनिया मान ने जॉइन की आप, अरविंद केजरीवाल ने दिलाई सदस्यता

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाबी एक्ट्रेस सोनिया मान ने पंजाब में आम आदमी पार्टी ज्वाइन कर ली। उन्हें आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सदस्यता दिलाई। सोनिया मान किसान नेता एस।बलदेव सिंह मान की बेटी हैं। यह जानकारी आप के सोशल मीडिया हैंडल पर दी गई है। पंजाब आप ने ट्वीट किया, "कीर्ति किसान यूनियन नेता एस बदलेव सिंह जी की बेटी और पंजाबी एक्ट्रेस सोनिया मान ने राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ज्वाइन कर ली। उनका आम आदमी पार्टी परिवार में स्वागत है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद आम आदमी पार्टी का ध्यान अब पंजाब पर है जहां दो वर्ष के बाद चुनाव होने वाले हैं। दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सीएम, विधायक और सांसदों को बुलाया था। उनके साथ मीटिंग की थी। आगे की रणनीति पर काम करने के लिए कहा गया था। दिल्ली की सत्ता हाथ से जाने के बाद अब केवल पंजाब में ही आप की सरकार है। 38 वर्षीय सोनिया मान एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वह फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में नजर आई हैं। उनका जन्म उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुआ है और उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई अमृतसर के डीवीए कॉलेज से की है। सोनिया मलयाली फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा हिंदी, मराठी और तेलुगू इंडस्ट्री में भी काम किया है। अब तक 10 फिल्में की हैं और पांच म्यूजिक वीडियो में भी दिखी हैं। इनमें से एक सिद्धू मूसेवाला और एक जस्सी गिल का म्यूजिक वीडियो है। बलदेव सिंह मान वामपंथी विचारधारा के एक्टिविस्ट थे। वह कीर्ति किसान यूनियन के नेता और हीरावाल दस्ता के संपादक थे। उनकी 1986 में हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या तब कर दी गई थी जब वह अपने गांव लौट रहे थे।

कटड़ा से दिल्ली जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस खाई में गिरी, ड्राइवर की मौत; 17 लोग घायल

जम्मू, 23 फरवरी (एजेंसियां)। वैष्णो देवी से दिल्ली जा रही बस शनिवार रात जम्मू के नगरोटा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। 30 फुट गहरी खाई में गिरी बस में चालक समेत कुल 18 लोग थे। हादसे में चालक की मौत हो गई। बाकी के सभी 17 लोग सुरक्षित हैं। उन्हें मामूली चोटें आई हैं और जम्मू जीएमसी में भर्ती हैं। घायलों में उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के लोग शामिल हैं। घायलों में सात युवतियां और महिलाएं भी शामिल हैं।जानकारी के अनुसार एमएस राम दयाल ट्रैवल की बस नंबर (यूके 07 पीए 5640) कटड़ा से दिल्ली जाते वक्त जम्मू के नगरोटा के पास खाई में गिर गई। जम्मू पुलिस, यातायात, एसडीआरएफ, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के कर्मी पहुंचे और घायलों को निकाला। बस चालक हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के राकेश कुमार की मौत हो गई। शव पोस्टमार्टम के लिए जीएमसी के शवगृह में रखा है। बताया जा रहा है कि बस पहले पेड़ से टकराई और फिर खाई में गिर गई। सीधे खाई में जाती तो जानी नुकसान ज्यादा हो सकता था। पुलिस ने बताया कि बस उत्तराखंड की है। अभी तक की जानकारी के हिसाब से ड्राइवर का नाम राकेश है, जो हिमाचल कांगड़ा का रहने वाला है और 22 साल से बस चल रहा है। फिलहाल बचाव का काम चल रहे है अग्निशमन और आपातकालीन सेवा के एक अधिकारी का कहना है कि यहां बचाव अभियान चलाना मुश्किल था क्योंकि बस खाई में गिर गई थी। एसडीआरएफ टीम और अन्य सभी एजेंसियां यहां हैं। अभी बस के अंदर कोई नहीं है, फिर भी हम तलाशी अभियान चलाने के बाद ही इस बारे में कुछ कह पाएंगे। हादसे को लेकर एलजी मनोज सिन्हा ने दुख जताया है और जान गंवाने वाले चालकर के परिवार के प्रति संवेदवाएं व्यक्त की हैं। सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी हादसे में मारे गये बस चालक के परिजनों से संवेदना व्यक्त की है।

मन की बात: महिला दिवस पर पीएम मोदी करेंगे बड़ी पहल

प्रेरणास्रोत महिलाओं को सौंपेंगे अपना सोशल मीडिया अकाउंट

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात के 119 वें एपिसड देश को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने महिला दिवस को लेकर खास चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अगले महीने आने वाले महिला दिवस को लेकर एक खास एलान किया है। अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में पीएम मोदी ने कहा कि, 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। सभी विद्याएं देवी के ही विभिन्न स्वरूपों की अभिव्यक्ति हैं। बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। संविधान सभा में हंसा मेहता जी ने कहा था। इस दौरान संविधान सभा में हंसा मेहता के संबोधन को भी पीएम मोदी ने देश के साथ साझा किया। पीएम मोदी ने कहा कि, साथियों, इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूँ, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स और इंस्टाग्राम के अकाउंट उनको देश की कुछ प्रेरणास्रोत महिलाओं को, एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूँ। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, नवाचार किया है, अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को, वो, अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि, मंच भले ही मेरा होगा, लेकिन वहां उनके अनुभव, उनकी चुनौतियां और उनकी उपलब्धियों की बात होगी। यदि आप चाहते हैं कि ये अवसर आपको मिले, तो, नमो एप पर बनाए गए विशेष फोरम के माध्यम से, इस प्रयोग का हिस्सा बनें और मेरे एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट से, पूरी दुनिया तक, अपनी बात पहुंचाएं, तो आइए, इस बार महिला दिवस पर हम सब मिलकर अद्वय नारी-शक्ति को सेलिब्रेट करें, सम्मान करें, नमन करें।

दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थ गिरोह का किया भंडाफोड़

365 ग्राम हेरोइन और कैश बरामद

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम जिले की ऑपरेशन सेल ने एक बड़े अभियान के तहत हेरोइन तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में 365 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 73 लाख रुपये है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1,88,200 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। डीसीपी के मुताबिक दिल्ली पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों को लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना और पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के नेतृत्व में तेजी से लागू किया जा रहा है। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उत्तर-पश्चिम जिले की ऑपरेशन सेल ने यह बड़ी कार्रवाई की है। डीसीपी ने बताया कि उत्तर-पश्चिम जिले की ऑपरेशन सेल को गुप्त सूचना मिली थी कि वजीरपुर, जेजे कॉलोनी निवासी नितिन बधवान और उसके पिता विजय कुमार ने हेरोइन का बड़ा स्टॉक इकट्ठा किया है। वो हेरोइन को दिल्ली में सप्लाई करने की योजना बना रहा है। दिल्ली पुलिस ने इस सूचना के आधार पर जाल बिछाकर आरोपी नितिन बधवान को धर दबोचा। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपने घर पर हेरोइन छिपाकर रखने की बात कबूल कर ली। उसके घर की तलाशी लेने पर 365 ग्राम हेरोइन भी पुलिस ने बरामद की। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में भारत नगर थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। डीसीपी ने आगे बताया कि पूछताछ के दौरान नितिन ने खुलासा किया कि वह और उसका पिता विजय कुमार पिछले तीन सालों से हेरोइन की सप्लाई के अवैध कारोबार में लिप्त हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

जो इंसान नियम बनाकर
आज का काम आज
करेगा वो इंसान एक दिन
दुनिया पर राज करेगा!

तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए इंजीनियरों के साथ तीन सदस्यीय समिति : भट्टी

बीटीपीएस विकास कार्यों की प्रगति पर डिप्टी सीएम की समीक्षा

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने जेनको के अधिकारियों को भद्राद्रि थर्मल पावर स्टेशन में लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने का निर्देश दिया है। डिप्टी सीएम ने रविवार को प्रजा भवन में जेनको अधिकारियों के साथ भद्राद्री थर्मल पावर स्टेशन की विकास प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में ऊर्जा सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया शामिल हुए। बीएचएल कंपनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एग्रीमेंट के मुताबिक लंबित इलेक्ट्रिकल, सिविल और मैकेनिकल कार्यों को पूरा करने के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करें और उसी के अनुरूप काम करें। भद्राद्रि पावर प्लाट यूनिट-1 ने उत्पादन के संबंध में जले हुए जनरेटर ट्रांसफार्मर की मरम्मत के बारे में जानकारी ली। मुख्य अभियंता पीवी श्रीनिवास ने उपमुख्यमंत्री को समझाया कि मरम्मत कार्य के लिए टेंडर बुलाया गया है और काम प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति होने पर बिजली उत्पादन बाधित न हो इसके लिए स्पेयर के तौर पर एक और जेनरेटर ट्रांसफार्मर खरीदा जा रहा है और इसके लिए भी टेंडर बुला लिया गया है. डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल से संबंधित अतिरिक्त उपकरण उपलब्ध कराने को कहा है।

डिप्टी सीएम ने निदेशक और मुख्य अभियंता अधिकारियों की तीन सदस्यीय समिति को जेनको के तहत बिजली स्टेशनों में तकनीकी समस्याओं के कारण किसी भी घटना की स्थिति में जल्द से जल्द उत्पादन बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि तीन सदस्यीय समिति को बिजली उत्पादन में आने वाली तकनीकी समस्या को हल करने के लिए किए जाने वाले सभी उपायों की समीक्षा करनी चाहिए और एक निश्चित अवधि के भीतर बोर्ड को उचित रिपोर्ट सौंपनी चाहिए, जिसके बाद बोर्ड से अनुमति लेकर बिजली उत्पादन बहाली का काम शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए ताकि कंपनी को किसी भी नुकसान से बचाया जा सके।

उन्होंने बताया कि तीन सदस्यीय समिति बिना देरी किये समय पर सही निर्णय लेने में सहायक होगी।भद्राद्री थर्मल पावर प्लांट के निर्माण के संबंध में बीएचईएल द्वारा किए जाने वाले लंबित कार्य, भद्राद्रि थर्मल पावर प्लांट का प्रदर्शन, बरसात के दौरान कोयला भंडारण के लिए शेड का निर्माण, सिंगरेनी माइनिंग से भद्राद्री पावर प्लांट तक कोयला परिवहन के लिए रेलवे लाइन का निर्माण, स्टाफ छात्रावास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली गई। पावर प्लांट के संबंध में बीएचईएल द्वारा कराए जाने वाले लंबित मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं सिविल कार्यों की इस प्रकार निगरानी की जाए कि उनमें गुणवत्ता मानकों का पालन हो। गुणवत्ता से समझौता न करें। जैसा कि अधिकारियों ने कहा कि जून से सितंबर तक मानसून के मौसम में गीले कोयले से बिजली बनाने से कंपनी को नुकसान होगा, उन्होंने कोयला भंडारण के लिए शेड के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया। उन्होंने सिंगरेनी माइनिंग प्लांट मनुगुरु से भद्राद्री और थर्मल पावर स्टेशन प्लांट तक चल रहे रेलवे लाइन निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 18.67 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन के निर्माण के लिए 201.30 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। रेलवे लाइन के काम की गति बढ़ाने के लिए अधिकारियों को साप्ताहिक समीक्षा करने और कैलेंडर तय करने का आदेश दिया गया। अधिकारियों व कर्मचारियों ने सुझाव दिया कि छात्रावास के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए एक कैलेंडर तय कर लक्ष्य लगाया जाए।

पावर प्लांट के मुख्य अभियंता को भद्राद्री थर्मल पावर स्टेशन में किसी भी छोटी घटना के लिए पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और मामले को तुरंत सीएमडी के ध्यान में लाना चाहिए। इस मामले में देरी हुई तो कार्रवाई की जाएगी। पावर प्लांट में काम करने के लिए आवश्यक गैर-तकनीकी कर्मचारियों को आईटीडीए परियोजना निदेशक द्वारा स्थानीय आदिवासियों से भर्ती करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने बताया कि वे बिजली उत्पादन के लिए इस्तेमाल होने वाले कोयले से निकलने वाली राख को उपयोग में लाने के बारे में सोच रहे हैं।

भट्टी ने बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप नौकरी कैलेंडर का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है कि नौकरी भर्ती कार्यक्रम बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप हो। तेलंगाना विद्युत सहायक अभियंता संघ (टीईएई) के नेताओं ने रविवार को प्रजा भवन में उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की। बातचीत के दौरान, उन्होंने रामागुंडम में एक नया 800 मेगावाट बिजली संयंत्र स्थापित करने की सरकार की पहल के लिए भट्टी विक्रमार्क के प्रति आभार व्यक्त किया, जिसका पूर्ण स्वामित्व जेनको के पास होगा। उन्होंने अक्टूबर 2024 में जेनको में एई से एडीई पदोन्नति के लिए पोस्टिंग आदेशों के साथ-साथ टीजी ट्रांसको और डिस्कॉम कंपनियों में नियुक्तियों और पदोन्नति से संबंधित मामलों के बारे में भी उपमुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। सहायक इंजीनियरों की चिंताओं के जवाब में, भट्टी विक्रमार्क ने उन्हें आश्वासन दिया कि हाल ही में पदोन्नति के संबंध में निर्णय जल्द ही किया जाएगा, और संबंधित आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी बिजली कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि तेलंगाना के लोगों को किसी भी बिजली व्यवधान का अनुभव न हो और बिजली कंपनी में नौकरी एक सेवा-उन्मुख नौकरी हो। तेलंगाना बिजली सहायक अभियंता संघ (टीईएई) के राज्य अध्यक्ष रामकृष्ण रेड्डी, महासचिव बट्टू हरीश, कार्यकारी अध्यक्ष शेख इमरान, एई यादगिरी, समीर, पिल्ली राजू, अनिल रेड्डी, नागराजू, अशोक, मधु और अन्य उपमुख्यमंत्री से मिलने वालों में शामिल थे।

तेलंगाना में कांग्रेस और भाजपा साथ-साथ : केटीआर

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारकरामा राव ने भाजपा पर कांग्रेस के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बचाने का आरोप लगाया और कई घोटालों पर केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए। केटीआर ने एक कड़े राजनीतिक बयान में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कांग्रेस के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के लिए सुरक्षा कवच के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा जानबूझकर तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के तहत भ्रष्टाचार के कई मामलों और घोटालों की अनदेखी कर रही है। केटीआर ने दावा किया कि भाजपा जहां पूरे देश में कांग्रेस पर मुखर रूप से हमला कर रही है, वहीं तेलंगाना में उसके नेता चुपचाप राज्य के कांग्रेस नेतृत्व, खासकर रेवंत रेड्डी को कवर प्रदान कर रहे हैं।

केटीआर के आरोप मुख्य रूप से कई हाई-प्रोफाइल घोटालों पर केंद्रित थे, जिनके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उन्हें बचा रही है। उन्होंने अमृत टेंडर घोटाले और नागरिक आपूर्ति घोटाले की ओर इशारा किया, जिसमें केंद्र सरकार के धन का दुरुपयोग किया गया था और कांग्रेस के सीएम रेवंत रेड्डी के परिवार की संलिप्तता थी, फिर भी, भाजपा की केंद्र सरकार कार्रवाई करने में विफल रही है। केटीआर ने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार को सबूतों के साथ-साथ बार-बार शिकायतों के बावजूद, इन आरोपों के बारे में दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से एक अजीब सी चुप्पी रही है। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक सुविधा के लिए राज्य में भ्रष्ट आचरण को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। केटीआर अमृत योजना घोटाले के बारे में विशेष रूप से मुखर थे, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय शहरी विकास और नगरपालिका निधि से 1,337 करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया। इन निधियों का कथित तौर पर रेड्डी के अपने साले के माध्यम से अपने निजी हितों को लाभ पहुंचाने के लिए दुरुपयोग किया गया था।

महत्वपूर्ण सबूतों सहित घोटाले का पूरा विवरण केंद्र सरकार को सौंपने के बावजूद, केटीआर ने कहा कि भाजपा ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है या कोई कार्रवाई नहीं की है। केटीआर ने कांग्रेस मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर छापेमारी की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, ऐसी रिपोर्टें सामने आई थीं कि ईडी ने मंत्री से बड़ी मात्रा में नकदी और संपत्ति जब्त की थी। निष्कर्षों की महत्वपूर्ण प्रकृति के बावजूद, केटीआर ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से मामले के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा या अपडेट नहीं किया गया है, जिसे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत ऐसे मामलों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली में भाजपा सरकार इन घटनाक्रमों के बारे में चुप क्यों रही और स्थिति पर टिप्पणी करने में विफल रही। इसके अलावा, उन्होंने नागरिक आपूर्ति घोटाले पर प्रकाश डाला, जहां सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए निर्धारित धन को कथित तौर पर व्यक्तिगत लाभ के लिए डायवर्ट किया गया था। केटीआर ने सुंकीशाला परियोजना की घटना का भी संदर्भ दिया, जहां रिटेनिंग दीवार ढह गई, साथ ही हाल ही में एसएलबीसी सुरंग आपदा भी। इन घटनाओं की गंभीरता के बावजूद, केटीआर ने बताया कि भाजपा सरकार प्रतिक्रिया देने या कोई जांच शुरू करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि अतीत में कलेश्वरम परियोजना आपदा के साथ, जिसने केंद्र सरकार से तत्काल प्रतिक्रिया उत्पन्न की थी। केटीआर ने राहुल गांधी द्वारा भाजपा की आलोचना पर भी संदेह जताया और कहा कि कांग्रेस नेता राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा पर लगातार हमला कर रहे हैं, लेकिन यह बेहद विडंबना है कि तेलंगाना में कांग्रेस और भाजपा एक साथ काम कर रहे हैं।

कलाकार संतोष को पुरस्कार

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय वेंट्रिलोक्विज़म कलाकार, टेडएक्स स्पीकर और वॉयस कोच एम. संतोष कुमार 2012 से अंतरराष्ट्रीय वेंट्रिलोक्विज़म सम्मेलन यूएसए में भाग लेने वाले एकमात्र वेंट्रिलोक्विज़म कलाकार हैं। उन्हें कठपुतली और कहानी कहने के क्षेत्र में नींव के वर्षों में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मुंबई में अंतरराष्ट्रीय प्रारंभिक बचपन सम्मेलन में दिया गया। संतोष भारत, अमेरिका, यूएई, यूके और जर्मनी में वेंट्रिलोक्विज़म शो करते रहे हैं। उन्होंने स्वर्गीय पद्मश्री डॉ. नरेला वेणु माधव के मार्गदर्शन में तेलुगु विश्वविद्यालय से मिमिक्री में डिप्लोमा किया। उन्हें जाने-माने सॉफ्ट स्किल ट्रेनर जीवीएन राजू ने मार्गदर्शन दिया।

आप और हम द्वारा श्याम भक्तों का सम्मान समारोह संपन्न

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर हैदराबाद में आप और हम द्वारा भव्य रुप से श्याम भक्तों का सम्मान समारोह संपन्न हुवा। इस संदर्भ में, आप और हम संगठनों के आधिकारिक सूत्रों नुसार, भाग्यनगर हैदराबाद में आप और हम द्वारा भव्य रुप से श्याम भक्तों का सम्मान समारोह संपन्न हुवा।

आप और हम राजस्थानी संगठन एवम् हरियाणा समाज का संगठन द्वारा गौलीगुडा स्थित गुरुद्वारा के सामने श्याम भक्तों के सम्मान समारोह का मंच साझा किया गया था। जिसमें श्री श्याम रथ शोभा यात्रा का, खुला पुष्प द्वारा भक्तों पर रंगबिरंगे फूलों की वर्षा की गयी एवम् मंच द्वारा सभी श्याम भक्तों के लिए पेयजल व कोल्ड ड्रिंक्स की व्यवस्था की गई।जिसमें अंदाजन दो हजार भक्तों ने आनन्द लिया।

इस शुभावसर पर आप और हम द्वारा अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने यात्रा के चेयरमैन इन्द्रकरण अग्रवाल का शाल ओढाकर, पुष्प हार द्वारा स्वागत किया। चेयरमैन इन्द्रकरण अग्रवाल ने अपने संबोधन में आप और हम का आभार प्रकट किया। इस दौरान मंच संचालन पंकज वर्मा ने किया। इस अवसर पर शोभा यात्रा में तत्संबंधित यात्रा के वाईस चेयरमैन अंजनीकुमार अगरवाल, प्रमोद कुमार अगरवाल बडेगांववाले, रामानुज अगरवाल बडेगांववाले, पुरुषोत्तमदास गोयल, रामदेव अगरवाल, जितेन्द्र विजयवर्गीय, दिपक दयाल दादु, मीना सारडा, सुरेश कुमार बोडावड, जोगाराम बाकरेचा, रामकिशोर भड़लीवाल, राणाराम खुदा ल, शंकरलाल मानणिया, भँवरलाल आलोदिया आदि ने श्याम भक्तों में अपनी बेजोड सेवाएं प्रदान की। इस शुभावसर पर, श्याम मंदिर सेवा समिति अध्यक्ष चंद्रकांत डाकोतिया की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

गांजे के साथ चार लोगों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में चार लोगों को पकड़ा और उनके पास से 156 ग्राम गांजा जब्त किया।

पहले मामले में पुलिस ने एक किशोर समेत तीन लोगों को पकड़ा और उनके पास से 56 ग्राम गांजा बरामद किया। पकड़े गए लोगों में बोड्डू भानु प्रसाद (20), ब्यागरी साई किरण (19) और एक किशोर शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से एक बाइक और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए है। दूसरे मामले में पुलिस ने मलकाजगिरी निवासी आर रोहित उर्फ राजा (19) को पकड़ा है। वह आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, वह व्यक्ति शमशाबाद में गांजा बेचता हुआ पाया गया था । सूचना मिलने पर युवक को पकड़कर उसके पास से 100 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

जुबिल हिल्स स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वार्षिक ब्रह्मोत्सव कल से

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबिल हिल्स स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में 5वां वार्षिक ब्रह्मोत्सव 25 फरवरी से 7 मार्च के बीच मनाया जाएगा। मंदिर के डिप्टी ईओ रमेश ने कहा कि ब्रह्मोत्सव 25 फरवरी की शाम को अंकुरार्पणम के साथ शुरू होगा। ब्रह्मोत्सव की शुरुआत 26 फरवरी को ध्वजारोहणम से होगी, जिसमें पुजारी मंदिर के ऊपर गरुड़ की तस्वीर वाला झंडा फहराएंगे। ऐसा माना जाता है कि यह हिंदू देवताओं को उत्सव में शामिल होने का प्रतीकात्मक निमंत्रण है। ब्रह्मोत्सव वेंकटेश्वर मंदिर में मनाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक उत्सव है।

समारोह में हर दिन एक अनूठा कार्यक्रम होगा, जिसके बाद 2 फरवरी को गरुड़ वाहनम, 5 मार्च को राधोत्सवम, 6 मार्च को चक्रस्नानम और 7 मार्च को पुष्पयागम होगा।

CHANGE OF ADDRESS

I, **RADHA DEVI** W/O. RUPARAM, aged about 32 years, R/o.H.No. 4-191/14, Nizampet village, Bachupally Mandal, Medchal - Malkajgiri District, Telangana state., do hereby solemnly affirm and state on oath as follows : I am the deponent herein and as such I am well acquainted with the facts of this affidavit. I am residing at the above mentioned address since 10 years. Hence, I pray before the concerned authority may be pleased to accept this affidavit and issue residential certificate. What was stated in above paras is true and correct to the best of my knowledge and belief. Hence this affidavit.

Sworn and signed before me on 13th February 2025, at Hyderabad.

ATTEST
KISHORE BABU
ADVOCATE & NOTARY
11-77 ALWAL SEC BAD-10
Appointed by State of Telangana, INDIA
My Commission Expires on 11-04-2027

खड़ी बस आग की चपेट में आकर जलकर खाक

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सुरम में एक खुली जगह पर खड़ी एक बस आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कुछ निजी व्यक्तियों की बस सुरम स्थित कट्टा मैसम्मा मंदिर के पास खड़ी थी। रविवार दोपहर को बस से आग की लपटें निकलने लगीं, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सुरराम पुलिस ने दमकल विभाग को सूचना दी और दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुचीं और आग बुझाई। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

CLASSIFIEDS

JOB BEAUTICIAN

Required Female junior & senior Beauticians. walk in interviews. Shivani Herbal Beauty Parlour, 1st floor, Ashoka Scintilla, above Mebaz, Himayat Nagar Main Road. Ph - 9948925111,9948926111.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

व्यक्ति ने मौसी के साथ आत्मदाह किया

सिद्दीपेट, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले के कोंडापाक मंडल के तिम्मारेड्डीपल्ली के बाहरी इलाके में शनिवार रात एक व्यक्ति और उसकी मौसी ने कथित तौर पर आत्मदाह कर लिया। चूंकि यह घटना राजीव राहधारी के बहुत करीब हुई थी, इसलिए पास के एक होटल के कर्मचारियों ने उन्हें देखा और आग बुझा दी। हालांकि, तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। सिद्दीपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराए गए व्यक्ति ने इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। दोनों की पहचान सिरोधाकर लक्ष्मी (55) और उनकी बड़ी बहन के बेटे टिंगलेखर श्रीधर (45) के रूप में हुई है। लक्ष्मी सिद्दीपेट के साईं नगर की रहने वाली थी, जबकि श्रीधर रंगारेड्डी जिले के घाटकेशर मंडल के आदर्श नगर में रहता था। श्रीधर कुछ महीने पहले ही सिद्दीपेट आया था और अपनी मौसी के साथ किराए के घर में रहता था। बाद में वे चेरियल चले गए। श्रीधर को कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, इसलिए उन पर आत्महत्या करने का संदेह था। पुलिस ने घटनास्थल से श्रीधर की मेडिकल रिपोर्ट बरामद की है। मामले की जांच जारी है।

निजामकाल की दो पुलिस इमारतें जल्द ही अपने मूल गौरव में वापस आएगी

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर में 18वीं सदी की दो पुलिस इमारतें जल्द ही अपना मूल गौरव वापस पा लेंगी। दो इमारतों - बहरूपिया गली, पुरानापुल में पुलिस नाका और दूसरी - पुरानापुल रोड पर पुलिस थाना - को बहाल किया जाएगा और उन्हें उनके मूल गौरव में वापस लाया जाएगा। निज़ाम शासन के दौरान, पुलिस नाका (चौकी), पुलिस थाना (पुलिस स्टेशन) और फिर उच्च अधिकारियों के लिए अन्य प्रशासनिक इमारतें थीं । कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण निज़ाम काल में बनी दोनों इमारतों के जीर्णोद्धार कार्यों की देखभाल कर रहा है । हाल ही में, बहरूपिया गली में स्थित पुलिस भवन का इस्तेमाल पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों को रखने के लिए किया जाता था । पिछले हफ़्ते इस जगह की सफाई की गई और मरम्मत का काम युद्धस्तर पर शुरू हुआ।पुरानापुल में बहुरूपिया गली में 'पुलिस नाका'

"यह निज़ाम काल में बनी 18वीं सदी की इमारत है । हमें इमारत के इतिहास के बारे में हाल ही में तब पता चला जब अधिकारियों ने आकर इसका निरीक्षण किया। निवासी इस बात से खुश हैं कि इमारत के विरासत मूल्य को मान्यता मिली है। कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण इमारत के जीर्णोद्धार कार्यों की देखरेख कर रहा है। ठेकेदार को इसकी मौलिकता बनाए रखने के लिए इसे पहले निर्माण के दौरान इस्तेमाल की गई सामग्री का उपयोग करके इसे बहाल करने के लिए कहा गया था। इमारत का निर्माण चूना मोर्टार और पत्थर का उपयोग करके किया गया था।क्यूक्यूएसयूडीए के एक अधिकारी ने बताया, " दो पुलिस इमारतों - पुरानापुल नाका और पुरानापुल थान - का जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया जा रहा है। बहरूपिया गली इमारत में काम पहले ही शुरू हो चुका है और जल्द ही दूसरी इमारत में भी काम शुरू हो जाएगा।" विरासत कार्यकर्ता पुराने पुलिस भवनों के जीर्णोद्धार के लिए राज्य सरकार और हैदराबाद पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हैं। पुरानी हवेली क्षेत्र में पुलिस आयुक्त कार्यालय भवन का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है और जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। हालाँकि, यह भी मांग की जा रही है कि दारुस्सलाम, गौलीपुरा जंक्शन तथा शहर और उपनगरों के अन्य स्थानों पर पुराने पुलिस नाके को भी बहाल किया जाए।

विधायक राजा सिंह को फिर जान से मारने की धमकी मिली

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के गोशामहल विधायक टी राजा सिंह ने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि उन्हें दो अलग-अलग नंबरों से फ़ोन कॉल आए थे, जिसमें उर्दू में बात करने वाले लोगों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। राजा सिंह ने कहा, "फ़ोन करने वाले ने कहा कि मुझे उनसे कोई नहीं बचा सकता। उन्होंने कहा कि जल्द या बाद में वे मुझे मार देंगे।" पुलिस मामले की जाच कर रही है। विधायक को पहले भी इसी तरह के फोन आ चुके हैं, जिसमें फोन करने वालों ने उन्हें धमकी दी थी। जून में एक मामले में पुलिस ने विधायक को धमकाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

पूर्व तट रेलवे

1) निविदा सूचना सं. VSKP-ELG-TL-AC-24-25-13, दिनांक : 13.02.2025
कार्य का नाम: 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए विशाखपट्टनम डिपो में मेल / एक्सप्रेस / सुपरफास्ट / राजधानी प्रकार की ट्रेनों के एसी कोचों में एस्कॉर्टिंग, संचालन और समस्या निवारण के लिए एसी कोच इलेक्ट्रिकल आटेंडेंट की आउटसोर्सिंग।
निविदा मूल्य (₹): 6,60,15,343.20, बिड सिक्योरिटी (₹): 4,80,100.00, निविदा दस्तावेज की लागत (₹): 11,800.00

2) निविदा सूचना सं. VSKP-ELG-TL-AC-24-25-17, दिनांक : 19.02.2025
कार्य का नाम: 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए विशाखपट्टनम कोचिंग डिपो में एलएचबी ट्रेनों के कोचों और पेंट्री कारों में पेंट्री इलेक्ट्रिल उपकरणों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध।
निविदा मूल्य (₹): 42,03,629.04, बिड सिक्योरिटी (₹): 84,100.00
पूरा होने की अवधि : 36 महीने (दोनों निविदा हेतु)
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक : 17.03.2025 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक : 17.03.2025 को 1600 बजे (दोनों निविदा हेतु)।
निविदा दस्तावेज के संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
निविदाकारों को इस निविदा के लिए जारी कोई भी शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट देखना जरुरी है।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G), वाल्टियर
PR-1011/P/24-25

क्या बिना लाउडस्पीकर हो रही अजान चेक करने मस्जिदों में पहुंची पुलिस

संभल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में योगी सरकार के आदेश के बाद पुलिस ने मस्जिदों में लाउडस्पीकर की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई योगी सरकार के उस फरमान के बाद हुई है जिसमें मस्जिदों में लाउडस्पीकर के बिना अजान करने का निर्देश दिया गया था। संभल में पुलिस लगातार सर्च अभियान चला रही और मस्जिदों, धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतार रही है। संभल में हाल ही में हुई हिंसा के बाद योगी सरकार ने सख्त कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने मस्जिदों में लाउडस्पीकर की जांच के लिए टीमें गठित की हैं और उन्हें निर्देश दिया है कि वे मस्जिदों में लाउडस्पीकर के उपयोग की जांच करें और आवश्यक कार्रवाई करें। यह कार्रवाई योगी सरकार के उस आदेश के बाद हुई है जिसमें मस्जिदों में लाउडस्पीकर के बिना अजान करने का निर्देश दिया गया था। सरकार का कहना है कि यह कार्रवाई शांति और सौहार्द को बनाए रखने के लिए की जा रही है। मस्जिदों में लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है, जिसके बाद से कई मस्जिदों में लाउडस्पीकर को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है। धार्मिक स्थलों पर बिना लाउडस्पीकर के अजान हो रही है। ध्वनि प्रदूषण की वजह से इस पर बैन लगाया गया और धार्मिक स्थलों से इन्हें उतरवा दिया गया है। संभल में मस्जिदों में पुलिस ने लाउडस्पीकर चेक किए हैं। पुलिस लाउडस्पीकर से अजान लगाने की हकीकत देखने पहुंची थी। पुलिस टीम ने कई मस्जिदों में लाउडस्पीकर चेक किए। लोगों ने दावा किया कि मस्जिद में बिना लाउडस्पीकर अजान लगाई जा रही है। चौधरी सराय, कोतवाली इलाके और हयातनगर में पुलिस ने की चैकिंग की है।

भागलपुर में गरजेंगे पीएम मोदी तो पूरे बिहार में बनेगा माहौल

किसान रैली से आज चुनाव का शंखनाद करेगी भाजपा

भागलपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में किसान सम्मान जनसभा कर रहे हैं। पीएम मोदी की इस जनसभा में बिहार के कई जिलों के किसान शिरकत करेंगे। भाजपा ने इसे लेकर जोर-शोर से तैयारी की है। पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त भागलपुर की धरती से ही प्रधानमंत्री जारी करने वाले हैं। वहीं इस कार्यक्रम में किसानों का हुजूम उमड़ने की संभावना है। इसका लाभ आगामी बिहार चुनाव में भाजपा उठाना चाहेगी। इस जनसभा में आए किसानों के बीच से पीएम मोदी चलते हुए मंच तक जाएंगे। जिससे जनसभा में आए किसान खुद को पीएम मोदी से कनेक्ट भी कर पाएंगे।

इन जिलों को सीधा साधेगी भाजपा

किसान सभी जातियों के होते हैं जो अन्न उपजाते हैं। यह इलाका भी कृषि बाहुल्य ही रहा है और यहां कृषि विश्वविद्यालय भी है। भागलपुर के ढाई लाख से अधिक किसान पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेते हैं। वहीं आसपास के भी जिलों से किसान आएंगे। राजनीतिक विशेषज्ञों की मानें तो पूर्वी बिहार-कोसी-सीमांचल के 13 जिलों- भागलपुर, बांका, मुंगेर,लखीसराय, जमुई, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार और खगड़िया के सभी विधानसभा क्षेत्रों पर इस किसान सभा का असर पड़ेगा।

किसान सभा से क्या लाभ लेना चाहेगी भाजपा

राजनीतिक मामलों पर नजर रखने वाले बताते हैं कि इस किसान सभा से उन क्षेत्रों में एनडीए की स्थिति और मजबूत हो सकती है जहां उसका पहले से कब्जा है। और जिन सीटों पर एनडीए पिछड़ती है वहां वो अपने लिए जमीन तैयार करने की कोशिश इस जनसभा से कर सकती है। इधर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने भी कहा है कि इस जनसभा से एनडीए और मजबूत होगी। यह चुनाव का शंखनाद है।

भाजपा ने की है पूरी तैयारी

बता दें कि भाजपा महीने भर पहले से इस जनसभा की तैयारी कर रही है। बीजेपी का दावा है कि यह रैली रिकॉर्ड बनाएगी। इस तरह की जनसभा पहले कभी नहीं हुई है। वहीं जनसभा की तैयारियों को देखकर भी ये लग रहा है कि जिस तरह जिलों में भाजपा के दिग्गज सब नेता भी पूरा सक्रिय रहे हैं और जनसभा स्थल पर पंडाल वगैरह तैयार किए गए हैं, उससे जनसभा में भीड़ बेतहाशा जुट सकती है।

मुजफ्फरपुर में 3 घरों में लगी आग

बेटी की शादी के लिए रखा कैश भी जला

मुजफ्फरपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के औराई थाना क्षेत्र के जोकि गांव में रात घूर से लगी आग ने उपेंद्र राय, सोकीन राय और हरिचंद्र राय के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में तीन गाय, दो बछड़े और दो मोटरसाइकिल सहित करीब 9 लाख रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। दरअसल, सोकीन राय की बेटी की शादी 18 मई को होनी थी। शादी की तैयारियों के लिए घर में रखा सारा कैश आग की भेंट चढ़ गया। उनकी बेटी की शादी परसामा के शंकर राय के यहां तय हुई थी। हरिचंद्र राय दूध मापने गए थे, तभी उन्हें घर में आग लगने की सूचना मिली। वापस लौटने पर देखा कि उनकी मोटरसाइकिल और भतीजी की शादी के लिए रखे पैसे जल चुके थे। दूध व्यापारी को देने के लिए रखी रकम भी आग में स्वाहा हो गई।

आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं

फायर ब्रिगेड के कर्मचारी दीपक कुमार के अनुसार, हालांकि आग लगने का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में घूर से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

सपा से खींचतान! अलग रणनीति बनाने में लगी कांग्रेस

एक साथ कई फैसलों ने दिए संदेश

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद अब कांग्रेस उत्तर प्रदेश में भी नई रणनीति के तहत अपने मिशन को धार देने में जुट गई है। राज्य में कांग्रेस अकेले दम पर अपनी ताकत आजमाने की तैयारी में लगी हुई है। राज्य में पार्टी अपनी ताकत को बढ़ाने के साथ ही खुद की बैसाखी पर खड़े होने की तैयारी कर रही है। दिल्ली चुनाव समाजवादी पार्टी ने आम आदमी पार्टी को समर्थन दिया था। अब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस भी सपा के साइकिल की हवा निकालने के लिए अपनी राह अकेले तलाश रही है। जानकारों की माने तो इसके लिए पार्टी खुद को मुस्लिम हितैषी बताकर चलने की कोशिश में लगी हुई है। बीते दिनों कुशीनगर में मदनी मस्जिद की घटना के बाद कांग्रेस ने खुलकर अल्पसंख्यक वर्ग का समर्थन किया है। इसके साथ ही सपा के नगर पंचायत अध्यक्ष की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ये फैसले दे रहे संदेश

कांग्रेस इन फैसलों से सियासी पंडितों की माने तो कांग्रेस अब आगे अपनी रणनीति को इसी तरह धार देने की तैयारी कर रही है। वंचित और अल्पसंख्यक वर्ग के सहारे कांग्रेस अब आगे की रणनीति को तैयार कर रही है। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी में भी कांग्रेस दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने में लगी हुई है। इस बार कार्यकारिणी को बड़ा बनाने की तैयारी है, जिससे हर वर्ग को हिस्सेदारी मिल सके। सूत्रों की माने तो कांग्रेस ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी है। अभी कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारिणी के अलावा जिला, शहर और ब्लाक स्तर के कमेटियों का गठन होने वाला है। कांग्रेस की नई रणनीति में बीएसपी भी टारगेट पर होगी। इसका संदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के रायबरेली में दिए गए बयान से दिख रहा है। यहां राहुल गांधी ने संगठन को हर स्तर पर सक्रिय करने का संदेश दे दिया है।

अपनी कॉपी दिखा एग्जाम हॉल में नकल के लिए बोला तो छात्र ने किया इनकार, बाहर निकलते ही लात-घूंसों से कर दी पिटाई

मुजफ्फरपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दो छात्र गुट लड़ते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच परीक्षा में कॉपी नहीं दिखाने को लेकर मारपीट हुई, जिसके बाद सड़क पर ही छात्र आपस में भिड़ गए। ये वीडियो राम दयालु सिंह कॉलेज के पास का है। वीडियो में एक छात्र की बुरी तरह से पिटाई की जा रही है। दरअसल मुजफ्फरपुर में मैट्रिक परीक्षा के दौरान बीच सड़क पर छात्र के दो गुटों में मारपीट हुई। छात्रों के बीच जमकर लात-घूंसे चल रहे हैं। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर अब तेजी से वायरल हो रहा है। 17 सेकंड के इस वीडियो में एक छात्र को कई छात्र पिटाई करते नजर आ रहे हैं। वीडियो आरडीएस कॉलेज के पास का बताया जा रहा है। इसके बाद जैसे ही परीक्षा खत्म हुई। सभी छात्र परीक्षा केंद्र से बाहर निकले और सड़क पर अपने दोस्तों के साथ मिलकर उस छात्र की पिटाई कर दी। तभी किसी ने इस घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया,

बसपा के मेयर प्रत्याशी से 40.41 लाख की ठगी

शेयर बाजार से लाभ कमाने के चक्कर में फंसे

गोरखपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

बसपा के टिकट पर गोरखपुर में मेयर पद का चुनाव लड़ चुके नवल किशोर नथानी के साथ साइबर अपराधी ने 40.41 लाख की ठगी की है। उन्हें वाट्सएप पर लिंक भेजकर शेयर बाजार के जरिए पैसे दोगुना करने का लालच दिया गया। इसमें नथानी फंस गए और पैसे गंवा बैठे। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नवल किशोर गोरखपुर के प्रतिष्ठित व्यापारी भी हैं। बसपा नेता के मोबाइल पर अभिषेक कुमार उर्फ एके कैपिटल का मैसेज आया था। वह शेयर बाजार से संबंधित बात कर रहा था। उसने उनके एक परिचित के वाट्सएप ग्रुप का लिंक भेजा और उसमें ऐड होने को कहा था। ऐड होने के बाद यूके इंडिया फासट ट्रेडिंग एकाउंट खोला गया और ठगने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

11 बार में भेजे पैसे

पुलिस को दी गई तहरीर में बसपा नेता ने बताया कि वाट्सएप ग्रुप में एक लिंक भेजकर शेयर मार्केट से संबंधित एप डाउनलोड कराया गया। शेयर खरीदने के लिए पैसे भेजने के लिए एक एकाउंट नंबर भी दिया गया। जिसमें 20 दिसंबर 2024 से 14 फरवरी 2025 तक उन्होंने 11 बार में 40 लाख 41 हजार रुपये भेजे। नवल किशोर नथानी ने पुलिस को बताया कि इसके बाद उस खाते में पैसे का ग्रोथ दिखने लगा। पैसे का ग्रोथ देखकर उनका विश्वास बढ़ गया। उन्होंने उसे निकालने की कोशिश की लेकिन पैसे नहीं निकले। पैसे निकालने के लिए 27 लाख रुपये की और मांग की गई। जब यह मांग हुई तो उन्हें ठगे जाने का एहसास हुआ। इसके बाद साइबर थाने में उन्होंने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस एके कैपिटल के नंबर की जांच में जुटी है।

कैमूर में दर्दनाक सड़क हादसा

महाकुंभ से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी गाड़ी ट्रक से टकराई, 3 की मौत

कैमूर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के कैमूर जिले में रविवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली के पास एनएच-19 पर खड़े कंटेनर ट्रक में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टक्कर मार दी। जिससे स्कॉर्पियो सवार एक महिला समेत तीन लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आसपास के लोगों ने कुदरा पुलिस और एनएचएआई को घटना की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची और हादसे में शिकार लोगों को अस्पताल पहुंचाया। कैमूर के कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली के पास यह हादसा हुआ है। जिसमें स्कॉर्पियो सवार महिला सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। पुलिस और एनएचएआई की टीम ने सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरा पहुंचाया, जहां से सभी को सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया गया।

पवन सिंह की फोटो लेकर ज्योति ने संगम में लगाई डुबकी, यूजर ने पूछा- 'इस प्यार को क्या नाम दूं'

प्रयागराज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ को लेकर यूपी के प्रयागराज में इन दिनों संगम में डुबकी लगाने वालों की भीड़ उमड़ी है। आम और खास सभी स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। इस बीच भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह भी महाकुंभ संगम घाट पहुंची, जहां उन्होंने अपने पति की फोटो के साथ संगम में स्नान किया। ज्योति सिंह ने मेले में पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे लेकर उनके चाहने वालों ने मजेदार कमेंट भी किए हैं।

पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने महाकुंभ स्नान का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जिसमें वो अपने पति की फोटो को हाथ में पकड़े हैं और संगम में डुबकी लगा रहीं हैं। चुंकी पवन सिंह उनके साथ नहीं रहते फिलहाल दोनों अलग हैं, इसलिए पत्नी ने पति की फोटो के साथ ही डुबकी लगा ली। पति को लेकर उनकी इस श्रद्धा की लोगों ने तारीफ भी की है। यूजर ने कामना की है कि अगले कुंभ स्नान ये दोनों साथ में करें।

ज्योति सिंह के पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा है, 'इस प्यार को क्या नाम दें। वहीं एक और यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'पवन भैया अब तो मन जाएंगे'। एक यूजर ने तो काफी बहतरीन कामना की है और लिखा है, 'हे गंगा मैया इनके पति अगली बार इनके साथ स्नान करें ऐसी कृपा करें मां'। ज्योति सिंह के इस पोस्ट को हजारों लोगों ने लाइक किया है।

संगम तट पर टेंटों से निकलता गंदा पानी, गड्ढे में किया जा रहा डंप, प्रशासन के दावों की खुली पोल

प्रयागराज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान प्रशासन लगातार दावा कर रहा है कि टेंट से निकलने वाला पानी साफ़ कर गंगा-यमुना में छोड़ा जा रहा है और इससे नदियों को कोई नुकसान नहीं हो रहा। लेकिन रिपोर्ट में पाया गया कि प्रशासन के टेंट से बहने वाला गंदा पानी बिना किसी ट्रीटमेंट के घाट से 20 मीटर दूर एक गड्ढे में डंप किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तरीका सीधे नाली के पानी को नदी में बहाने से भी अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। यह संगम नोज पुलिस चौकी के पास की स्थिति है, जहां प्रशासन के टेंट भी लगे हैं। इन टेंटों से लगातार गंदा, काला पानी रिसकर एक गड्ढे में जा रहा है। यह गड्ढा नदी के तट से मात्र 20 मीटर की दूरी पर स्थित है और इसमें भरे नाले के पानी से तेज दुर्गंध आ रही है। पर्यावरण और जल विशेषज्ञ डॉ। मनु सिंह के अनुसार, इस तरह टेंटों की गंदगी को गड्ढे में डंप करने से खतरनाक केमिकल और दूषित तत्व ज़मीन की सतह से होते हुए सीधे नदी में पहुंच सकते हैं। यह गंगा-यमुना के लिए एक गंभीर खतरा है और सीधे नाली का पानी नदी में बहाने से भी अधिक हानिकारक हो सकता है। हाल ही में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट में भी यह खुलासा हुआ था कि महाकुंभ के चलते संगम का जल बेहद प्रदूषित हो चुका है। सीपीसीबी की वेबसाइट पर उपलब्ध डेटा के अनुसार, जनवरी में संगम तट पर कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर 7,000 से भी अधिक पाया गया था। ऐसे में प्रशासन को सिर्फ़ एक टेंट नहीं, बल्कि सभी टेंटों से निकलने वाले पानी का उचित निस्तारण करना होगा, ताकि गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियां प्रदूषण से मुक्त रह सकें।

एक महीने का बिजली बिल 799 करोड़ रुपये घर के मालिक के उड़े होश; क्या है मामला

आजमगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आपने कई बार ऐसी खबर सुनी होगी कि एक शख्स जिसके घर पर बिजली का कनेक्शन ही नहीं है। उसका बिजली बिल आ जाता है। ऐसे ही कभी छोटे उपभोक्ताओं का बिल लाखों में आ जाता है। अब एक बार फिर से ऐसा ही मामला सामने आया है, लेकिन इस बार एक शख्श का बिल लाखों में नहीं, बल्कि करोड़ों में भेज दिया गया है। शख्स ने बताया कि उसका एक महीने का बिल ही 799 करोड़ का आया है। दरअसल ये मामला उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का है, जहां अराजीबाग के रहने वाले एक डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉक्टर बिजेंद्र राय ने पिछले साल ही नया मकान बनाया है। उन्होंने बताया कि उनका पहले महीने का बिल ही 799 करोड़ का आया, जिसे देखकर बिजेंद्र राय के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत निगम अधिकारियों से की तो उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले महीने तक उनके बिल को सही कर दिया जाएगा। बिजेंद्र राय 799 करोड़ के बिल की शिकायत को लेकर जब वह विद्युत निगम के मुख्य अभियंता के पास गया तो उन्होंने इस बारे में जानकारी न होने की बात कही। मुख्य अभियंता नरेश कुमार ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने बिजेंद्र राय से बिल की एक कॉपी भेजने के लिए बोला और साथ ही कहा कि हम जांच कर बिल को दुरुस्त कराएंगे।

तमंचे के बल पर महिला से दुष्कर्म कर बनाई वीडियो

तीन साल से अलग-अलग होटलों में बुला रहा था आरोपित

मुरादाबाद, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एक कार डीलर ने घर में घुसकर महिला से तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। आरोपित ने दुष्कर्म करते हुए अश्लील वीडियो बना ली। पिछले तीन साल से आरोपित महिला को वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर अलग-अलग होटलों में बुलाकर दुष्कर्म करता रहा। अब महिला ने डीआइजी से पूरे मामले की शिकायत की तो मझोला पुलिस ने आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस क्षेत्र के एक मुहल्ला निवासी महिला का पति तीन साल पहले एक कार लेना चाहता था। उसने बरेली जनपद के एक कार डीलर से कार लेने के लिए संपर्क किया तो डीलर ने एक कार दिखा दी, लेकिन उसे कार पसंद नहीं आई। इसके बाद डीलर लगातार फोन करके महिला के पति को दूसरी कार दिलाने की बात करता रहा।

तीन साल पहले कार डीलर मुरादाबाद पहुंचा और महिला घर पहुंच गया। आरोप है कि आरोपित ने महिला को घर पर अकेला देखकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना ली। तब से लेकर अब वह लगातार महिला को ब्लैकमेल करके तमाम होटलों में बुलाकर दुष्कर्म करता रहा। मझोला पुलिस ने डीआइजी के आदेश पर मझोला पुलिस ने आरोपित नितेश गंगवार निवासी आजाद नगर कालोनी लोधीपुर बहेडी जनपद बरेली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

20 साल की मुस्लिम लड़की ने किया धर्म परिवर्तन, हिंदू प्रेमी से की शादी, परिवार से बताया जान का खतरा

बरेली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के बरेली से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम लड़की ने धर्म परिवर्तन कर लिया है और अपने हिंदू प्रेमी से शादी कर ली है। लड़की ने अपने मां-पिता और परिजनों से जान का खतरा बताया है और वीडियो बनाकर कहा है कि उसने जो भी किया है, वह अपनी मर्जी से किया है। 20 साल की दानिया खान ने अपने परिवार को छोड़कर एक हिंदू युवक से शादी कर ली है और हिंदू धर्म अपना लिया है। दानिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर न सिर्फ अपने परिजनों से गुमशुदगी की रिपोर्ट वापस लेने की अपील की है बल्कि पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती दानिया खान ने वीडियो में कहा कि मेरा नाम दानिया है, मेरी उम्र 20 साल है और मैं बरेली के प्रेमनगर की रहने वाली हूं। कृपया पुलिस केस वापस ले लें। मैं जहां भी हूं, अपनी मर्जी से हूं और खुश हूं। पांच फरवरी को रात आठ बजे मैंने अपनी मर्जी से घर छोड़ा था। दानिया ने अपने अब्बू को संबोधित करते हुए कहा कि गुमशुदगी की रिपोर्ट वापस ले लें। अगर मेरी जान को खतरा होता है तो इसके जिम्मेदार आप लोग होंगे। दानिया ने कहा कि मुझे कुछ भी होने पर इसके जिम्मेदार मेरे माता-पिता और पुलिस अधिकारी (जो मेरे परिवार के साथ मिले हुए हैं) होंगे। एक अन्य वीडियो में दानिया ने अपने परिवार को ट्रोल करने वालों को जवाब देते हुए कहा कि मेरी फैमिली को दोष मत दो। मैंने जो किया, वो मेरी गलती थी, मेरे घरवालों की नहीं। दानिया ने कहा कि उसके माता-पिता ने उसे अच्छी परवरिश दी है। मेरे पिता को इसमें शामिल न करें। वीडियो में वह अपनी मांग में सिंदूर और माथे पर तिलक लगाए हुए नजर आ रही है, जिससे स्पष्ट होता है कि उसने शादी कर ली है। थाना प्रेमनगर पुलिस युवती और उसके पति की तलाश में जुटी हुई है

हम बंदर आदि का चर्चा नहीं करते, बागेश्वर बाबा पर क्यों भड़क गए पप्पू यादव?

प्रयागराज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर महाकुंभ को लेकर बड़ा बयान दिया है। दरअसल, बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री ने दावा किया था कि महाकुंभ में 60 करोड़ लोग अभी तक पहुंचे हैं। अब धीरेन्द्र शास्त्री के इसी दावे पर पप्पू यादव ने उन्हें घेरा है। सांसद ने बाबा पर अटैक करते हुए कहा, हम ऐसे बाबा को बंदर कहते हैं, जो पब्लिक और गरीब के बारे में कुछ भी बोल देता है। इस लिए हम बंदर आदि की चर्चा नहीं करते हैं। पप्पू यादव ने धीरेन्द्र शास्त्री के इस दावे को खारिज कर दिया है। दरअसल, पप्पू यादव बेगूसराय पहुंचे थे जहां उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए नीतीश कुमार पर अपनी बात रखी और उनके प्रति नरम रुख दिखाया। साथ ही बीजेपी पर जमकर हमला बोला।

पप्पू यादव ने बाबा बागेश्वर को घेरा

बेगूसराय में मीडिया से बात करते समय बाबा बागेश्वर के 60 करोड़ लोगों के स्नान करने और हिंदुओं के जागने के दावे पर पप्पू यादव गुस्सा हो गए। उन्होंने कहा, हम को तो समझ में नहीं आता है की आप लोग किस बागेश्वर की बात करते हैं। ये आस्था से जुड़ी चीज है। जब बागेश्वर और उसके मां-बाप पैदा नहीं हुए थे, तब से कुंभ चला आ रहा है। इसको कुंभ का क्या पता, ये लोग तो बंदर है। हम ऐसे बाबा को बंदर कहते हैं, जो पब्लिक और गरीब के बारे में कुछ भी बोल देता है। इस लिए हम बंदर आदि की चर्चा नहीं करते हैं।

60 करोड़ के आंकड़े पर उठाए सवाल

पप्पू यादव ने महाकुंभ में 60 करोड़ लोगों के स्नान करने की बात को लेकर कहा, भारत की आबादी एक सौ चालीस करोड़ की है जिसमें 23 से 24 करोड़ लोग जैन, बुद्ध महावीर, सिख, मुस्लिम और आंबेडकर वादी विचारधारा के लोग हैं। बचे चौरासी करोड़ लोग पांच किलो आनाज खाने वाले लोग हैं जिसके पास पैसा नहीं होता है। उस में से अगर एक करोड़ लोग चले भी गए तो साउथ के लोग आते नहीं है, तो हम इनसे जानना चाहते हैं की जिनकी मौत का पता नहीं चला, जिनके लिए यह बाथरूम और खाने की व्यवस्था नहीं कर पाए उनका क्या। साथ ही उन्होंने कहा, अब ये शुरू हो गया की अब डिजिटल पर कुंभ मेला कर लो, अब डिजिटल में भी कुंभ स्नान होने लगा, इतना बड़ा महापाप और महाझूठ। हम आपसे पूछते हैं की आप ही बताए की कितने लोग गए होंगे? पप्पू यादव ने महाकुंभ में स्नान करने वालों की संख्या को लेकर सवाल पूछे। उन्होंने कहा, कौन है ऐसी कौन सी डिजिटल ताकत है जो लोगों को गिन रही है, किसने लोगों को गिन लिया है। उन्होंने कहा, किसने लोगों को गिना है जिसको लोगों की मौत का पता नहीं चला।

ये बईमानी है सनातन पहले से ही मजबूत है सनातन धर्म पूरी दुनिया को आकर्षित करता है। सनातन अगर बदनाम हुआ है इन्हीं बाबाओं के आतंक की वजह से और पॉलिटिशीयन के झूठ के और सनातन को बेचने की वजह से हुआ है।

जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़, एएसआई समेत दो आरोपी काबू लाखों की नगदी बरामद

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बटाला पुलिस ने अमेरिका स्थित गुरदेव जस्सल द्वारा चलाए जा रहे एक बड़े जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि 4 फरवरी को जस्सल के साथियों ने कलानौर स्थित व्यवसायी के पेट्रोल पंप पर गोलीबारी की थी। लगातार धमकी भरे कॉल और 1 करोड़ की मांग के बाद व्यवसायी ने आखिरकार 11 फरवरी को 50 लाख का भुगतान किया। जांच के आधार पर, एएसआई सुरजीत सिंह और अंकुश मैनी को जबरन वसूली के धन के संग्रह और वितरण में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जस्सल का गिरोह धमकियों और भुगतान के लिए विदेशी नंबरों का इस्तेमाल करता था और सुनिश्चित करता था कि जबरन वसूली के पैसे कई बिचौलियों के माध्यम से भेजे जाएं।

जम्मू कश्मीर के विधायकों से नाराज हुए विधानसभा अध्यक्ष

चेतावनी भरे लहजे में कहा- विशेषाधिकार का हनन न करें

जम्मू, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने विधायकों को फटकार लगाई है। उन्होंने कहा है कि व्यावसायिक नोटिस का अनावश्यक प्रचार विशेषाधिकार हनन के समान है। जम्मू कश्मीर के कुछ विधायकों ने बजट सत्र से पहले सदन के कामकाज के नोटिसों का प्रचार किया था। इसे गंभीरता से लेते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से विशेषाधिकार हनन से दूर रहने को कहा है। विधानसा अध्यक्ष ने कहा कि सदन के कामकाज से जुड़े सवालों, विधेयकों, प्रस्तावों और इसी तरह के अन्य मामलों के नोटिसों को अनुचित प्रचार देना अनुचित है।

तीन मार्च से शुरू हो बजट सत्र

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र तीन मार्च से शुरू होने वाला है। विधानसभा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने आगामी बजट सत्र के दौरान सदन के कामकाज के संबंध में विधायकों द्वारा दिए गए नोटिसों के हाल ही में अनुचित प्रचार को गंभीरता से लेते हुए इस प्रथा पर नाराजगी व्यक्त की है और कहा है कि यह संसदीय प्रथाओं, परंपराओं और स्थापित नियमों के खिलाफ है।

बयान में क्या कहा?

बयान में अध्यक्ष के हवाले से कहा गया है, संसदीय परंपरा, उपयोग और स्थापित परंपरा तथा इस सदन के प्रचलित नियमों के अनुसार सदन के कामकाज से जुड़े प्रश्नों, विधेयकों, प्रस्तावों और इसी तरह के अन्य मामलों की सूचनाओं को अनावश्यक प्रचार देना अनुचित है। बयान में कहा गया है कि विधानसभा अध्यक्ष ने ऐसे प्रचार के लिए जिम्मेदार सदस्यों के खिलाफ नाराजगी जताई, जो निर्धारित नियमों के अनुसार विशेषाधिकार हनन के समान है और सदस्यों को भविष्य में इस तरह की प्रथा से दूर रहने का निर्देश दिया।

बिजली चोरी के आरोपों का जवाब नहीं दे पाए संभल के सांसद जिया उर्रहमान बर्क, सात मार्च तक का मिला अल्टीमेटम

संभल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिजली चोरी के मामले में अब सांसद को सात मार्च तक अपना जवाब दाखिल करना होगा। विभाग की ओर से सांसद के अधिवक्ता द्वारा दिए गए पत्र पर उन्हें राहत देते हुए यह समय सीमा दी गई है। मालूम हो कि बिजली चेकिंग अभियान के दौरान 19 दिसंबर को सांसद जिया उर्रहमान के यहां बिजली चोरी की बात सामने आयी थी। इस मामले में विभाग की ओर से सांसद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए 1.91 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। इस प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी सांसद की ओर से विभाग में कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया। इस पर विभाग की ओर से उन्हें नोटिस जारी किया गया, लेकिन इसके बाद भी उनके द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया।

चंडीगढ़ नगर निगम झेल रहा वित्तीय संकट

राजस्व बढ़ाने के लिए मेयर ने निकाला यह उपाय

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ़ नगर निगम ने अपनी आय में वृद्धि की योजना के तहत गोलचक्करों से कमाई कराने की प्लानिंग की है। दरअसल, इन गोलचक्करों पर लगाई जाने वाली होर्डिंग के लिए वार्षिक विज्ञापन फीस तय की जाएगी। यह प्रस्ताव चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को भेजा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक नगर गम के साथ हुए मौजूदा समझौते के तहत सभी गोलचक्करों के रखरखाव का काम प्राइवेट कंपनियां करती हैं और अपने नाम के साथ विज्ञापन वाले बोर्ड लगाती हैं। हालांकि अब नगर निगम इन विज्ञापनों के लिए वार्षिक रूप से 4-5 करोड़ रुपये वसूलने जा रही है।

कटारिया से मंजूरी के बाद बढ़ाया जाएगा काम

चंडीगढ़ की मयर हरप्रीत कौर बाबला और कुछ पार्षदों ने आय बढ़ाने की यह योजना बनाई है। जिसके तहत वे शहर के सभी गोलचक्करों के विज्ञापन के अधिकार से पैसे बनाएंगे। सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि नगर निगम ने गोलचक्करों को एक तय राशि के लिए आउटसोर्स करने का प्लान बनाया है और चारों दिशाओं में जमीन से डेढ़ फुट ऊंचे विज्ञापन को लगाने की मंजूरी दी जाएगी। केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक की मंजूर मिलने के बाद हम इस प्रस्ताव को आगे ले जाएंगे।

बनाए जाएंगे ये नियम

नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि मंजूरी मिलने के बाद गोलचक्करों को नीलामी के लिए लगाया जाएगा जबकि मौजूदा फर्म नई फीस देकर काम जारी रख सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अन्य क्षेत्रों में आय बढ़ाने के लिए विज्ञापन की नीतियां बनाई जा रही हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि चंडीगढ़ नगर निगम वित्त की कमी से जूझ रहा है जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।आर्थिक संकट इस स्तर पर पहुंच गया है कि कुछ दिनों में ही स्टाफ को सैलरी देने में दिक्कत होने लगेगी। ऐसे में विज्ञापन से आय बढ़ाने के कदम से नगर निगम पर वित्तीय बोझ कम होगा और सड़क संरचना के रखरखाव में मदद मिलेगी।

कैदी ने परिवार के साथ मिलकर अदालत में ही पुलिस पर किया हमला, गालियां भी दीं, मामला दर्ज

ठाणे, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत में सुरक्षाकर्मियों के एक दल के साथ दुर्व्यवहार करने और उस पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने एक विचाराधीन कैदी और उसके परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शांति नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब आरोपी समेत विचाराधीन कैदियों के एक समूह को सुनवाई के लिए आधारवाडी जेल से भिवंडी की एक अदालत में लाया गया था। अदालती कार्यवाही के बाद जब विचाराधीन कैदियों को वापस जेल ले जाया जा रहा था तो आरोपी ने शौचालय जाने की अनुमति मांगी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसे शौचालय जाने की अनुमति तो दे दी लेकिन उसे दरवाज़ा खुला रखने और उसे अंदर से बंद न करने का निर्देश दिया जिससे आरोपी भड़क गया और उसने पुलिसकर्मियों को अपशब्द कहे। पुलिस ने बताया कि जब आरोपी को पुलिस वैन की ओर ले जाया जा रहा था तो आरोपी ने पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर फिर अपशब्द कहे और वहां मौजूद अपने परिवार के सदस्यों को उन पर हमला करने को कहा। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पत्नी, बहन और एक अन्य पुरुष रिश्तेदार ने पुलिसकर्मियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की। पुलिस में दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, पुलिस वैन में बैठते समय आरोपी ने एक महिला कांस्टेबल के खिलाफ कथित तौर पर अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया और अनुचित व्यवहार किया। आरोपी और उसके परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को बनाया गया नेता प्रतिपक्ष

आप विधायक दल की बैठक में हुआ फैसला

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने आज पार्टी मुख्यालय पर विधायक दल की बैठक बुलाई है जिसमें नेता प्रतिपक्ष के नाम पर मुहर लग गई है। आम आदमी पार्टी ने एलान किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी इस बैठक में शामिल हुए। रविवार को पार्टी मुख्यालय पर हुई बैठक में सभी विधायकों ने आतिशी को विधायक दल का नेता चुना। जिसके बाद अब साफ हो गया है कि दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभाएंगी। बता दें कि 24 फरवरी यानी कल सुबह 11 बजे से दिल्ली विधानसभा सत्र शुरू होगा। पहले विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर में विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा। 27 फरवरी को अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि होने के कारण सत्र नहीं बुलाया गया है।

पक्ष-विपक्ष में नोकझोंक के आसार

सत्र का तीसरा दिन यानी 27 फरवरी को पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हो सकती है। सदन में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण पर बहस होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सदन में जवाब देंगी। माना जा रहा है कि विपक्ष पर सत्ता पक्ष सीएजी की रिपोर्ट को आधार बनाकर भ्रष्टाचार का आरोप मढ़ेगा। इसमें हर विभाग से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं का लेखा-जोखा होगा। इधर, आप नेताओं के अनुसार चुनाव के दौरान जितने भी वादे भाजपा ने किए हैं, उन्हें पूरा करने के लिए दबाव बनाया जाएगा। सदन में सवाल पूछे जाएंगे।

एक्स-गर्लफ्रेंड के नए रिलेशनशिप से था नाराज, किडनैप कर दोस्तों से कराया गैंगरेप

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक सनकी आशिक ने अपनी पूर्व गर्लफ्रेंड से बदला लेने के लिए उसे किडनैप करवाया और साथ ही चार दोस्तों को बुलाकर उसका गैंगरेप भी करवाया है। दिल दहला देने वाली यह घटना भिवंडी में हुई है। पुलिस ने घटना में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। टीआईओ की रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता की उम्र 22 वर्ष है। इस संबंध में भिवंडी की शांतिनगर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस छह लोगों के खिलाफ अपहरण और गैंगरेप का केस किया है। इनमें से चार ने उसका रेप किया और दो ने इस अपराध में साथ दिया था। पुलिस ने बताया कि लड़की और उसका एक्स-बॉयफ्रेंड एक ही गांव के रहने वाले हैं। दोनों कुछ वर्षों से रिलेशनशिप में थे।

सामूहिक विवाह में फर्जीवाड़ा, 28 युवतियां शादी के लिए पहुंचीं

आयोजक हो गए गायब; सभी से लिए गए थे पैसे

राजकोट, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट के रेलनगर क्षेत्र में आयोजित सर्वधर्म सामूहिक विवाह में बड़ा विवाद हो गया। इस विवाह समारोह में जब वर और वधू के परिवार शादी करने पहुंचे, तो आयोजक ही मौके पर नहीं थे, जिसके कारण शादी का आयोजन बीच में ही रुक गया। लोग इस घटना से काफी गुस्से में थे और उनके बीच हंगामा मच गया। मामला बढ़ने पर तुरंत पुलिस को सूचित किया गया और स्थिति को नियंत्रण में किया गया। इस विवाह कार्यक्रम का आयोजन ऋषि वंशी समाज सेवा संघ द्वारा किया गया था, जिसमें कुल 28 युवतियों की सामूहिक शादी होनी थी। यह आयोजन बुरी तरह से विफल हो गया क्योंकि आयोजक मौके पर मौजूद नहीं थे। विवाह के लिए पहुंचे परिवारों और मेहमानों के बीच काफी गुस्सा देखने को मिला। विवाह के आयोजकों में चंद्रेश छत्रोला, दिलीप गोहेल और दीपक हिरानी का नाम सामने आया है। आयोजक विवाह के दिन ही फरार हो गए, जिसके कारण लोग बुरी तरह से परेशान हो गए। कुछ परिवार निराश होकर वापस घर लौट गए, जबकि अन्य लोगों को भवदेव द्वारा शादी की रस्में कराई गईं। इस घटना में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है कि आयोजक चंद्रेश छत्रोला पर पहले भी धोखाधड़ी के आरोप लग चुके हैं। उन्होंने पहले भी लोगों से पैसे लेकर शादी का आयोजन करने का वादा किया था, लेकिन फिर उन्हें धोखा दे दिया। डीसीपी (जोन-1) सज्जनसिंह परमार ने इस मामले पर बड़ा बयान दिया और कहा कि चंद्रेश छत्रोला ने पिछले साल भी ऐसे ही धोखाधड़ी की थी।

मैरिज रजिस्ट्रेशन और डोमिसाइल को लेकर फैली झूठी अफवाह, गृह विभाग ने दूर किया कंफ्यूजन

देहरादून, 23 फरवरी (एजेंसियां)। समान नागरिक संहिता को लेकर प्रचारित तथ्यों पर गृह विभाग ने सख्ती दिखाई है। गृह विभाग ने कहा है कि यह बात बिल्कुल गलत है कि समान नागरिक संहिता के अंतर्गत विवाह का पंजीकरण करने वालों को निवास प्रमाण पत्र मिल जाएगा। इसमें विवाह या अन्य पंजीकरण का राज्य के निवास प्रमाणपत्र से कोई संबंध नहीं है। संहिता में भी किसी व्यक्ति को विवाह या अन्य पंजीकरण के आधार पर उत्तराखंड का निवास प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने का कोई प्रविधान नहीं है। समान नागरिक संहिता के विभिन्न प्रविधानों को लेकर इस समय इंटरनेट मीडिया के माध्यम से कई भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। इस पर गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि अफवाह फैलाना, भ्रामक या झूठी जानकारी प्रसारित करना एक कानूनी अपराध है। ऐसा कोई व्यक्ति या समूह जो भ्रामक सूचना प्रचारित अथवा प्रसारित करेगा, उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गृह विभाग ने आमजनता से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें। साथ ही किसी भी तरह की अफवाह फैलाने से बचें। यदि किसी को समान नागरिक संहिता से संबंधित किसी भी प्रविधान पर संदेह या स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो, तो वे गृह विभाग, उत्तराखंड सरकार से आधिकारिक माध्यमों पर संपर्क कर सकते हैं। राज्य सरकार ने लोकायुक्त की नियुक्ति की दिशा में कदम आगे बढ़ा दिए हैं। इस कड़ी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लोकायुक्त व इसके सदस्यों के चयन के लिए हुई बैठक में पहले एक चयन समिति बनाने का निर्णय लिया गया।

पंजाब में 235 लॉ अफसरों का इस्तीफा

एजी ऑफिस में बड़े फेरबदल की तैयारी, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद पंजाब सरकार लगातार एक्शन मोड में दिखाई दे रही है। पंजाब एडवोकेट जनरल ऑफिस में बड़ा फेरबदल सामने आया है। पंजाब सरकार के कहने पर 232 लॉ अफसरों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रशासन से लेकर कानूनी गलियारे में चर्चा है कि अब इन 232 लॉ अफसरों पर नई नियुक्ति होगी। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने भी एजी ऑफिस में हुए अचानक हुए इस बदलाव पर पंजाब सरकार को घेरा है। नेता प्रतिपक्ष बाजवा ने पंजाब सरकार पर आरोप लगाए हैं कि दिल्ली के विधि अधिकारियों को अब पंजाब लाने की तैयारी की जा रही है। वहीं इस बारे में पंजाब के एडवोकेट जनरल (एजी) गुरमिंदर सिंह का कहना है कि यह सब कुछ एक तय प्रक्रिया का हिस्सा है। क्योंकि इन अधिकारियों की नियुक्ति एक साल के लिए होती है। फरवरी माह में भी इनकी नियुक्ति समाप्त हो रही है। बता दें इससे पहले मान सरकार ने पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के चीफ डायरेक्टर के पद पर फेरबदल करते हुए मुक्तसर के डीसी को निलंबित किया। इसके बाद पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे कांस्टेबल से इंस्पेक्टर रैंक तक के 52 पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किया। उसके बाद सात जिलों के एसएसपी सहित 21 आईपीएस अधिकारियों को बदला गया और अब एजी ऑफिस में बड़ा फेरबदल किया गया है।

दिल्ली के विधि अधिकारियों को पंजाब लाने की तैयारीः बाजवा

पंजाब के महाधिवक्ता के कार्यालय से जुड़े 235 कानून अधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के बाद पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) प्रताप सिंह बाजवा ने शनिवार को आप सरकार पर आप की पिछली दिल्ली सरकार के कानून अधिकारियों को पंजाब एजी कार्यालय में लाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब एजी कार्यालय के पुनर्निर्माण की आड़ में आप दिल्ली में पार्टी के करीब कई कानून अधिकारियों को रखने के लिए जमीन तैयार कर रही है। बाजवा ने कहा कि दिल्ली के विधि अधिकारी दिल्ली में पिछली आप सरकार के पेरोल पर थे। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में अपनी हार के बाद आप उन्हें पंजाब में लाने पर लग गई है। बाजवा ने कहा कि यह पंजाब के 236 कानून अधिकारियों के साथ अन्याय है और पंजाब कांग्रेस इसकी कड़ी निंदा करती है। इससे पहले रेरा प्रमुख और पीएसईबी अध्यक्षों को दिल्ली से नियुक्त किया गया था। वे आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के करीबी भी माने जाते थे।

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, स्नैचिंग और खतरनाक अपराधों का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आय दिन दिल्ली पुलिस अपराध को बढ़ावा देने वालों के हाथों में हथकड़ी पहनाती है। अपराध चाहें लूट-पाट, साइबर क्राइम, स्नैचिंग की हो या फिर चोरी-डकैती की। एक बार फिर दिल्ली पुलिस ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नीरज बवानिया गैंग का करीबी सदस्य दीपक शर्मा को गिरफ्तार कर लिया आरोपी दीपक शर्मा पर पर स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं के तहत मामले दर्ज थे। हालांकि आरोपी दीपक शर्मा को कोर्ट के द्वारा भगोड़ा घोषित भी किया गया था, इसके बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम यूनिट को लंबे समय से इस अपराधी की तलाश थी। दरअसल 19-20 फरवरी 2025 की मध्यरात्रि में, जब एसआई सतेंद्र सहारावत, एएसआई कुलदीप मान हरिनगर इलाके में भगोड़ा अपराधियों की गुप्त जानकारी जुटाने के लिए मौजूद थे, तभी एसआई सतेंद्र को सूचना मिली कि कुख्यात नीरज बावानिया गैंग से जुड़ा एक आरोपी, जो पुलिस स्टेशन उत्तम नगर में आर्म्स एक्ट के एक मामले में भगोड़ा अपराधी घोषित किया गया है, अपने साथियों से हरिनगर क्षेत्र में मिलने वाला है। इस सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की एक टीम बताई गई जगह पर छापा मारा। इस ऑपरेशन के दौरान फरार अपराधी दीपक शर्मा उर्फ पप्पू को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी दीपक शर्मा का संबंध नीरज बावानिया गैंग के सक्रिय सदस्य राकेश उर्फ जसवंत उर्फ सनी से है। कोर्ट के द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले में भगोड़ा अपराधी घोषित किया गया था। दीपक शर्मा पहले भी अपराधों में संलिप्त रहा है और उसके खिलाफ द्वारका जिले के विभिन्न थानों में स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन से संबंधित कुल 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मुस्लिम शख्स और हिंदू गर्भवती महिला पर वकीलों ने किया हमला

मैरिज रजिस्ट्रेशन के लिए कोर्ट पहुंचा था कपल

रीवा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक मुस्लिम व्यक्ति और उसकी 21 वर्षीय गर्भवती हिंदू साथी पर वकीलों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला कर दिया, जिसके बाद अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कोर्ट परिसर में शुक्रवार को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी जोड़े को सुरक्षित स्थान पर ले जाते हुए देखा जा सकता है। महिला ने कहा कि उसने 28 जून, 2023 को इस्लामिक रीति-रिवाजों के अनुसार रजीब खान से शादी की और वह तीन महीने की गर्भवती है। महिला ने कहा, शुक्रवार को भीड़ ने मुझे अदालत परिसर में दो बार जमीन पर गिरा दिया। शहर के पुलिस निरीक्षक ने हमें अपने चार पहिया वाहन में सुरक्षित स्थान पर ले जाकर हमारी जान बचाई। मुझे नहीं पता कि ये लोग हम पर हमला क्यों कर रहे हैं, जबकि मेरे माता-पिता को हमारी शादी से कोई आपत्ति नहीं है।

2021 से रजीब खान के संपर्क में है महिला

महिला ने कहा कि वह 2021 में रजीब खान के संपर्क में आई थी, जब उसने गलती से उसका नंबर डायल कर दिया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। उसने कहा कि हम एक ही पुलिस थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से हैं। रजीब खान ने कहा कि वह और महिला अदालत परिसर में आए थे, क्योंकि उनके वकील चाहते थे कि वे अपनी शादी को पंजीकृत कराने के लिए कुछ कागजात पर हस्ताक्षर करें। रजीब खान ने कहा कि वकील के कक्ष में वकीलों के एक समूह ने मेरी पिटाई की। मुझे चोटें आईं और मैंने दर्द निवारक दवा ली है। समूह ने हमारे साथ दुर्व्यवहार किया और मेरी पत्नी को कोसा और कहा कि उसे मर जाना चाहिए। अधिवक्ता शारदा सिंह, एक महिला वकील और कुछ दोस्तों ने हमें बचाया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

इन वकीलों द्वारा स्थानीय अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित करने और खान और उनके साथी की सुरक्षा की मांग करने के बाद जोड़े को पुलिस स्टेशन ले जाया गया। रीवा जोन के कार्यवाहक महानिरीक्षक साकेत पांडे ने बताया कि खान की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सिविल लाइंस थाने के प्रभारी कमलेश साहू ने कहा कि आरोपियों पर मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है।

कुवांरी बेटी के गर्भवती होने पर हैवान बनी मां, दबा दिया लड़की का गला, छोटी बहन ने पकड़े थे पैर

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई से सटे नालासोपारा में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। यहां एक कुंवारी बेटी के गर्भवती होने पर मां ने उसकी हत्या कर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने की जांच में सामने आया है कि इस हत्या की घटना को अंजाम के लिए छोटी बहन ने मदद की थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। जिससे इस पूरे मामले को खुलासा हो पाया। लड़की गर्भवती है। ये पता चलते ही मां ने गुस्से में आकर अपनी बड़ी बेटी अस्मिता दुबे (20) क गला घोंटकर हत्या कर दी।

पुलिस को लड़की की मां ने फोन करके बताया कि उनकी बेटी ने खुदखुशी कर ली है। मामले की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और उन्होंने तुरंत शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने जे जे हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि मृतक की मां के हाथ सूजे हुए थे। साथ ही हाथ पर काटने के निशान भी थे थे। पुलिस को युवती की हत्या का संदेह हुआ। पुलिस मामले में जांच कर ही रही थी कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई।

रिपोर्ट में पता चला कि यह आत्महत्या नहीं हत्या है। हत्यारोपी ममता दुबे (43) अपनी 2 बेटी और पति के साथ नालासोपारा के पश्चिम यशवंत गौरव फेज की विजय नगर में रहती थी।

पति गांव गए हुए थे। इसी बीच मां को जैसे ही पता चला की बड़ी बेटी गर्भवती है उसने गुस्से में आकर अपनी बेटी का गाला दबा कर हत्या कर डाली। पुलिस ने की जांच में सामने आया है कि इस हत्या को अंजाम देने के लिए छोटी बेटे ने उसका साथ दिया था। मां जब गला दबा रहीथी। इस दौरान छोटी बेटी ने पैर पकड़े हुए थे। हत्या का खुलासा होते ही पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है।

'अब कभी ऐसा काम नहीं करूंगा'

जिस मंदिर में चोरी की उसी मंदिर में नाक रगड़कर मांगी माफी

नीमच, 23 फरवरी (एजेंसियां)। धार्मिक स्थलों पर भगवान के आभूषण, दानपात्र की चोरी की वारदातें पहले भी होती रही। वारदातों के खुलासे भी हुए, इसके बाद मामले न्यायालय में चलते रहते हैं। लेकिन ऐसा पहली बार देखने को मिला है जब पकड़े गए बदमाशों को न केवल उस मंदिर ले जाया गया जहां उन्होंने चोरी की, बल्कि नाक रगड़वाकर उनसे माफी भी मंगवाई गई। यही नहीं बरामद मुकुट-मुखौटे और आभूषण भी मंदिर के पुजारी को सौंप दिए गए। दरअसल, बीते दिनों नीमच जिले के हरकियाखाल बालाजी मंदिर के ताले तोड़कर बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इस मंदिर पर देशभर के राजनेता, राज्यपाल, कई मंत्रीगण, उद्योगपति और तमाम वीवीआइपी दर्शन के लिये आते हैं। बदमाशों ने सोने की परत चढ़े मुकुट- मुखोटे, चांदी के छत्र, पादुकाएं, गदा सहित भगवान के लाखों रुपये कीमती आभूषण और दानपात्र से रुपये चुराए थे। प्रसिद्ध मंदिर में हुई वारदात को पुलिस ने चुनोती के रूप में लिया। वारदात के 4-5 दिन के भीतर ही पुलिस ने आरोपियों का न केवल पता लगाया बल्कि चोरी किया माल भी बरामद कर लिया। इस वारदात में राजस्थान के 6 आरोपियों का पेशेवर गिरोह शामिल था। जिनमें से 4 को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि 1 आरोपी गुजरात में चोरी करते पुलिस के हत्थे चढ़ गया। एक आरोपी फरार है।

इन आरोपियों को लेकर आज नीमच एसपी अंकित जायसवाल और पुलिस टीम हरकियाखाल बालाजी मंदिर पहुंची। जहां आरोपियों को बालाजी के सामने पेश कर नाक रगड़वाकर माफी मंगवाई गई। इसके बाद मंदिर पुजारी और ग्रामीणों ने एसपी सहित पूरी पुलिस टीम का सम्मान किया। साथ ही एसपी द्वारा मंदिर से चोरी हुए आभूषण भी औपचारिक कार्रवाई कर मंदिर के पुजारी को सौंप दिए।

अभद्र टिप्पणी पर एडवाइजरी

अपनी अश्लील टिप्पणियों से चर्चा में यूट्यूबर वीर रणवीर इलाहाबादिया की एक अभद्र टिप्पणी ने सारे यूट्यूबरों की जान सांसत में डाल दी है। उनकी टिप्पणी से पैदा हुए विवाद को देखते हुए केंद्र सरकार की ओर से ओटीटी प्लैटफॉर्म्स के लिए जो एडवाइजरी जारी की है उसने स्वाभाविक ही सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। फिर भी सरकार इस मामले में अपनी तरफ से काफी संयम बरतती दिखाई दे रही है। उसके इस कदम के पीछे सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख को जोड़कर देखा जा रहा है। इसके बाद भी इस सरकारी कदम ने कई सवालों को जन्म दे दिया है। देखा जाए तो भारत जैसे पारिवारिक मूल्यों वाले समाज में इलाहाबादिया जैसे संवेदनहीन टिप्पणी सामने आने के बाद विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। उसकी टिप्पणी के बाद इलाहाबादिया के खिलाफ कई राज्यों में एफआईआर दर्ज होने लगी। जाहिर है यह कदम काफी हद तक इन विवादों का स्वाभाविक परिणाम माना जा रहा है। लेकिन इस एक शो में हुई टिप्पणी के आधार पर अभिव्यक्ति की आजादी जैसे अहम मसले को बहस के दायरे में ले आना कितना उचित है और कितना आवश्यक, यह जरूर देखने वाली बात होगी। जाहिर है सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियों के मद्देनजर ही ओटीटी प्लैटफॉर्म्स के लिए जरूरी एडवाइजरी जारी की। सरकार की एडवाइजरी में सभी संबंधित कानूनों के मौजूदा प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने की सलाह ही दी गई, कुछ नया नहीं जोड़ा गया है। इस बाबत किसी तरह की चूक होने पर भी वह स्वनियामक प्रणाली के इस्तेमाल को प्राथमिकता देती दिख रही है। ध्यान देने की बात यह है कि अपने देश की न्यायपालिका नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर शुरू से ही संवेदनशील रही है। सत्तर के दशक के मध्य में लागू हुई इमर्जेंसी की छोटी सी अवधि को छोड़ दें तो जब भी अधिकार को बाधित या सीमित करने की जानी-अनजानी कोशिश हुई है तो सुप्रीम कोर्ट इसके बचाव में खुलकर डटा रहा है। इसलिए, इस मान्यता को लेकर सर्वसम्मति बनी रही कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत मिली अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं भी संविधान के ही अनुच्छेद 19 (2) ने तय कर दी है। इन सीमाओं का विस्तार करने का कोई भी बहाना उचित नहीं माना जाएगा। विवादस्पद टिप्पणी से जुडे रणवीर इलाहाबादिया के मौजूदा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी से राहत जरूर दी, लेकिन न केवल इन टिप्पणियों पर सख्त नाराजगी जताई है बल्कि इन यूट्यूबर्स के कोई भी विडियो अपलोड करने या शो करने पर अगले आदेश तक के लिए रोक भी लगा दी है। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि क्या इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में शीर्ष अदालत अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे को पुनर्परिभाषित करने की जरूरत महसूस कर रही है। बहरहाल, आने वाले दिनों में कोर्ट का रुख देखकर ही इस बारे में कोई अंतिम राय बनाने की कोशिश की जा सकेगी।

अर्थव्यवस्था को भारतीय ही बने रहने दें

रघु ठाकुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फणनवीस ने मुंबई में विश्व हिंदू आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा था कि हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर को हिंदू ग्रोथ रेट कहा जाता है। उन्होंने कहा कि अभी तक इसे चीटी की गति से चलने वाला माना जाता था। अब यह दुनिया में राह दिखाने वाला ग्रोथ रेट होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था के शोषण मिट जायेंगे लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था शोषण के लिये नहीं थी। हमने देने वाले राजा को बड़ा माना है, शोषण करने वाले को नहीं। इसे हिंदू विकास मॉडल कहा जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुये भारत की गति बढ़ाने, मानव संसाधन में बदलने की तारीफ की। उन्होंने बड़ी जनसंख्या को मानव संसाधन में तब्दील किया है और स्व. अटल जी को उन्होंने इस विकास की नींव रखने वाला बताया। श्री देवेन्द्र फणनवीस का यह भाषण कई प्रश्न उठाता है-1. भारत एक सर्व समावेशी देश है जिसमें विभिन्न धर्मावलंबी रहते हैं और भारत की अर्थव्यवस्था कुछ सुधरी है तो मेरी राय से नहीं सुधरी है। श्री देवेन्द्र फणनवीस की राय से सुधरी है तो यह प्रश्न पूछा जाना चाहिये कि क्या इस अर्थव्यवस्था के सुधारने में देश के सिख, जैन, बुद्ध, मुस्लिम, ईसाई, फारसी आदि धर्मावलंबियों का कोई योगदान नहीं है? और यह हिंदू अर्थव्यवस्था का शब्द क्यों गढ़ा गया है। अभी तक अर्थव्यवस्था देश की होती थी, अब हिंदू अर्थव्यवस्था जुमला फेंककर एक नये प्रकार के मानसिक विभाजन का खेल शुरू हुआ है। श्री देवेन्द्र फणनवीस को यह जानकारी नहीं है कि जब देश में खाद्यान्न का संकट था और भारत विदेशों से खाद्यान्न आयात करता था तब इस खाद्यान्न के संकट से ऊबारने के लिये सबसे अहम भूमिका पंजाब के सिख भाईयों की थी, जिन्होंने अनाज की पैदावार को बहुत बढ़ाकर देश को खाद्यन्न के मामले में संपन्न बनाने में महत्ती योगदान दिया था। तब न तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी थे न ही मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस थे। जो मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी है जिसे देश की आर्थिक राजधानी माना जाता है क्या उसमें फारसी और बोहरा समाज की कोई भूमिका नहीं है। अडानी और अंबानी तो अभी हाल के, भाजपा, कांग्रेस नीतियों की पैदावार है, परंतु जमशेदजी टाटा जिन्होंने 18वीं सदी के अंत और 19वीं सदी के आरंभ में स्टील का कारखाना लगाया। मुंबई की बिजली और पानी की व्यवस्था को संभाला। देश के औद्योगिकीकरण की आधारशिला रखी, क्या उनका कोई योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में नहीं है? यह हिंदू अर्थव्यवस्था की चर्चा देश के औद्योगिकीकरण और बाजार को बांटने वाली होगी और यह मानसिक विभाजन देश के लिये नये प्रकार के खतरे पैदा करेगा। 2. आज दुनिया एकांकी या अकेले किसी एक देश के आधार पर नहीं चल रही बल्कि आज दुनिया अनेक अर्थों में परस्पर अर्थव्यवस्था पर आश्रित है। दुनिया का एक देश खाद्यान्न तेल का निर्यात करता है, तो दूसरा देश कच्चे तेल का निर्यात करता है, अन्य तो एक देश तकनीक का निर्यात करता है, दूसरा देश हथियार का निर्यात करता है। और ये सभी देश हिंदू धर्मावलंबी देश नहीं हैं, तो क्या देवेन्द्र फणनवीस, तो क्या नरेन्द्र मोदी ऐसे भारत की रचना कर सकते हैं कि जो अकेले ही हर क्षेत्र में समर्थ हो। महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज में ऐसे भारत की कल्पना की थी जहाँ गाँव आत्मनिर्भर हो, स्वाबलंबी हो, परंतु आज दुनिया का कोई भी देश यह दावा नहीं कर सकता है कि वह अपनी पूर्ति केवल अपनी क्षमता से कर सकता है। यहां तक कि चीन, अमेरिका भी जो आज विश्व आर्थिक शक्ति के बड़े प्रतिस्पर्धी हैं वे भी दावा नहीं कर सकते हैं। फिर अगर दुनिया में आर्थिक आधार पर अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा तो यह नहीं भूलना चाहिये कि विश्व के स्तर पर दुनिया में सबसे बड़ी आबादी ईसाई की है, फिर मुस्लिम की है, फिर बुद्ध की है और हिंदू में अगर सभी जातियों को हिंदू मान लिया जाये तो भी वह तुलनात्मक रूप से चौथे नंबर पर आयेगा। आज दक्षिण अफ्रीका के कई देशों में भारतीय उद्योगपतियों की पूंजी लगी है, उन्होंने वहाँ कारखाने स्थापित किये हैं, बड़ी-बड़ी जमीनें खरीदी हैं, वे देश कोई हिंदू देश नहीं हैं तो क्या श्री नरेन्द्र मोदी, श्री देवेन्द्र फणनवीस इन देशों से भारतीयों के कारखाने और पूंजी को वापिस लायेंगे? 3. श्री फणनवीस, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आंकड़े को ही दोहरा रहे हैं कि उन्होंने देश की 25 प्रतिशत आबादी को गरीबी की सीमा रेखा से बाहर निकाल दिया है परंतु क्या यह सच है? अगर सच है तो भारत सरकार 85 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज क्यों बांट रही है? देश के सभी राजनैतिक दल अपने-अपने राज्य सरकारों के क्षेत्र में महिलाओं और बहिनों के लिये हजार दो हजार रुपये की खैरात क्यों दे रहे हैं? करोड़ों बच्चियों की शादी मुख्यमंत्रियों के कन्यादान योजना के नाम पर क्यों कराई जा रही हैं? देश के महानगरों से लेकर कस्बों और गाँव तक करोड़ों लोग भीख मांगने को लाचार क्यों हैं? देश के तमाम लोग अपना ईलाज नहीं करा सकते या केंद्र की आयुष्मान योजना या राज्यों की योजना पर निर्भर क्यों हैं? दरअसल इस 25 प्रतिशत गरीब आबादी को गरीबी से बाहर निकालने का जुमला केवल आंकड़ों की बाजीगिरी है तथा यह जमीनी सत्य नहीं है। श्री फणनवीस 11 जनवरी 2025 का भास्कर पढ़ लें, जिसमें प्रथम पृष्ठ पर समाचार है कि महाराष्ट्र की लड़कियों को 90 हजार में बेचा जा रहा है जबकि मप्र में भैंस की कीमत 1 लाख रुपये है। फणनवीस जी इन बेचे जाने वाली महाराष्ट्र की लड़कियों को बचा लें। मैं नहीं मानता हूं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने देश के करोड़ों लोगों को मकानों का मालिक बनाया है परंतु लोगों को यह भी याद रखना चाहिये कि श्रोटी-कपड़ा और मकान-मांग रहा है हिंदुस्तान्य का नारा कोई संघ, जनसंघ, भाजपा का नहीं था बल्कि देश के समाजवादियों का था। महिलाओं के लिये ग्रामीण शौचालय, नदियों की सफाई, तीर्थस्थल का विकास ये कार्यक्रम 1960 के दशक में यानि आज से 80 साल पहले डॉ. लोहिया ने उसी बनारस में देश के सामने रखना शुरू किये थे, जहां प्रधानमंत्री श्री मोदी लगभग 70 वर्षों के बाद चुनाव लड़ने गये थे। इतिहास के तथ्यों को मिटाने के प्रयास कभी भी सफल नहीं होंगे। कुछ समय को इतिहास की सच्चाइयों पर परदा डाला जा सकता है परंतु सत्य-सत्य रहेगा और पुनरू वापिस लौटेगा। 4. श्री देवेन्द्र ने अपने भाषण में राजाओं की उदारता की प्रशंसा करते हुये फिर से एक बार राजतंत्र को महिमा मंडित करने का प्रयास किया है पर वे भूल गये कि राज्यों के बड़े-बड़े महल बनाने वाले कारीगर उनके किले में चट्टानों को ले जाने वाले मजदूर, राजतंत्र से शोषित और लाचार थे। क्या किसी राजतंत्र के व्यक्ति ने एक ईंट भी लगाई है? राजतंत्र सदैव राजा के द्वारा आमजन के शोषण का तंत्र होता है परंतु श्री फणनवीस के भाषण से ऐसा लगता है कि अब संघ के इशारे पर भाजपा राजतंत्र और सामंती युग को वापिस लाना चाहती है। शायद पेशवाई राज्य वापिस लाना चाहते हैं जो जाति और सामंतवाद-अंधविश्वास और शोषण व हिंसा के चार खंभों पर टिका होगा। 5. श्री फणनवीस ने वर्तमान विकास की नींव रखने का श्रेय स्व. अटलजी को दिया है, वे भूल गये कि जब स्व. नरसिम्हा राव (पूर्व प्रधानमंत्री) स्व. मनमोहन सिंह (पूर्व वित्त मंत्री) ने डब्लूटीओ पर हस्ताक्षर किये थे तो उनकी मातृ संस्था संघ और भाजपा स्वदेशी का नारा लगा रहे थे और इस समझौते के खिलाफ गांव-गांव जाकर लोगों को इसके खिलाफ बोल रहे थे। अगर यह विकास का मूल है तो फिर तो, इसका श्रेय स्व. नरसिम्हा राव और स्व. मनमोहन सिंह को देना होगा। स्व. अटल जी तो इस खेल के पाँचवे खिलाड़ी थे, उनके पहले श्री एच डी देवगौड़ा, स्व. गुलजार इस समझौते को आगे बढ़ा गये थे। हालांकि मैं ऐसा मानता हूं कि वैश्वीकरण, विश्व व्यापार संगठन और उसके द्वारा शुरू किये टैक्स से देश के आम बजट में राशि तो बढ़ी है परंतु यह टिकाऊ नहीं है। यह दबाव का मोटापा है जो देर तक नहीं टिकेगा। क्या श्री फणनवीस को पता है कि देश के ऊपर आज कितना विदेशी कर्ज है?

बहुतायत वायरस चीन से ही क्यों फैलते हैं?

अशोक भाटिया

चीन में कोरोना की तरह एक और वायरस मिला है। इसके जानवर से इंसान में फैलने का खतरा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के वुहान इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के रिसर्चर्स ने इस नए वायरस को खोजा है। इसी लैब से कोरोना वायरस के दुनिया में फैलने के आरोप लगे हैं। जानना हरूरी है कि यह वायरस भी इंसानी सेहत के लिए यह कितना बड़ा खतरा हो सकता हैः इस वायरस का नाम एचकेयू5-सीओवी-2 है। यह वायरस उन्हीं प्रोटीन का इस्तेमाल कर कोशिकाओं यानी सेल्स में घुसता है, जो कोविड-19 फैलाने वाले सार्स-सीओवी-2 वायरस में थे। इस वायरस को चीन में चमगादड़ों में पाया गया है। भले ही इस वायरस में इंसानों को संक्रमित करने की क्षमता हो, लेकिन अभी यह साफ नहीं हुआ है कि यह जीवों से सीधे इंसान में पहुंच सकता है या नहीं। यह वायरस मेरबेकोवायरस सब-ग्रुप से आता है, जिसमें एमईआरएस वायरस भी शामिल है, जिसने मिडिल ईस्ट में महामारी फैलाई थी। बताया जाता है कि चीनी वैज्ञानिकों को रिसर्च में पता चला है कि नए वायरस से कोरोना की तरह ही मानव कोशिकाएं संक्रमित हो सकती हैं। यह न सिर्फ चमगादड़ बल्कि इंसानों समेत कई जानवरों को भी संक्रमित कर सकता है। स्टडी में भी पता चला है कि इस नए वायरस के चमगादड़ से इंसानों में फैलने का खतरा काफी ज्यादा है। हालांकि इसके इंसान से जुड़ने की क्षमता कोरोना वायरस से कम है। यह वायरस मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (एमईआरएस) के कारण बनने वाले कोरोनावायरस परिवार से बेहद नजदीक है। फिलहाल इस खतरे की आशंका को देखते हुए चीनी वैज्ञानिक चौकन्ना हो गए हैं और अपनी निगरानी बढ़ा दी है। इसके जानवरों से इंसानों में फैलने की संभावना को लेकर चिंताएं बढ़ सकती हैं।इस खोज के बाद एक बार फिर से कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर बहस तेज हो गई है। हाल ही में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने दावा किया था कि कोविड-19 महामारी प्राकृतिक नहीं थी। बल्कि यह वायरस लैब से लीक हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस वायरस को "चीनी वायरस" कहकर संबोधित करते रहे हैं। हालांकि, चीन इन सभी दावों को नकारता रहा है और यह दावा करता है कि वायरस की उत्पत्ति प्राकृतिक रूप से हुई थी। कोविड-19 के 5 साल बाद चीन में फिर एक बार नए वायरस का संक्रमण फैला था। इसके लक्षण भी कोरोना वायरस की तरह ही थे। इस नए वायरस का नाम ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) था। वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा गया था। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए थे। इसके लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना और गले में घरघराहट शामिल था। एचएमपीवी के अलावा इन्फ्लुएंजा ए, माइकोप्लाज्मा निमोनिया और कोविड-19 के केस भी सामने आए थे। दुनिया भर में कई ऐसे कोरोनावायरस हैं, जो जानवरों को संक्रमित करते हैं, लेकिन नए खोजे गए वायरस में जानवर से इंसान में फैलने की क्षमता है, ठीक उसी तरह जिस वायरस के कारण कोविड-19 के समय हुआ था। हालांकि, अभी तक नए कोरोनोवायरस की पहचान सिर्फ लैब में की गई है और अब तक मनुष्यों में इसका पता नहीं चला है। इस बात में कोई शक नहीं है कि दुनिया के कई खतरनाक वायरस चीन की धरती से ही फैले हैं। भले ही आपको लगता हो कि चीन से फैलने वाली सबसे खतरनाक बीमारी कोरोना है। लेकिन ऐसा नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन से उभरने वाली सबसे विनाशकारी महामारी प्लेग या ब्लैक डेथ थी जिसने 1346 से 1353 तक अफ्रीका, एशिया और यूरोप को तबाह कर दिया था। अनुमान है कि इसमें 75 से 200 मिलियन लोगों की जान चली गई थी। छठी, 14वीं और 19वीं शताब्दी में दुनिया को तबाह करने वाली प्लेग की बड़ी लहरें चीन से ही शुरू हुई थीं। वहीं, पिछले 100 सालों की बात करें तो चीन से 1918, 1957, 2002 और 2019 में महामारी फैल चुकी है। 1957-1959 के बीच भी दुनिया में एक भयानक तबाही आई थी। इस महामारी का नाम 'एशियन फ्लू' रखा गया। क्योंकि यह चीन से पूरी दुनिया में फैला था। इस महामारी के प्रकोप का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महज 2 साल के भीतर ही इस फ्लू से दुनिया भर में करीब 20 लाख लोगों की मौत हुई थी। 1918 में एक महामारी आई थी जिसे 'स्पेनिश फ्लू' के रूप में जाना जाता है। हालांकि, ये महामारी ऐसे समय में आई थी जब दुनिया में पहले विश्व युद्ध की चर्चा थी। ऐसे में तमाम सेंसरशिप के कारण ये स्पष्ट नहीं है कि आखिर ये महामारी दुनिया में कैसे फैली। लेकिन तमाम रिपोर्ट में दावा किया जाता है कि इसकी उत्पत्ति भी चीन में हुई थी। बता दें कि 1918 की महामारी को सदी की सबसे घातक महामारी बताया गया है। इस महामारी के चलते वैश्विक स्तर पर 20 मिलियन से 50 मिलियन लोग मारे गए थे। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स इस आंकड़े को 100 मिलियन के करीब बताती हैं। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, लगभग 500 मिलियन लोग, यानी उस समय दुनिया की लगभग 30% आबादी इस महामारी की चपेट में थी। इसी तरह 2002 में फैली सार्स नामक महामारी ने भी तबाही मचाई थी और ये भी चीन से ही फैला था। सवाल यह है कि आखिर चीन से ही क्यों फैलता है वायरस ? तो बताया जाता है कि दुनिया की कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन से ही वायरस फैलने के पीछे उसकी घनी आबादी है, जो जानवरों की कई प्रजातियों के साथ खुले तौर पर संपर्क में है। जबकि वहां स्वच्छता को लेकर भी काफी समस्या है। इकोहेल्थ एलायंस के अध्यक्ष डॉ। पीटर दासजक ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि दक्षिण मध्य चीन वायरस के लिए एक 'मिक्सिंग वेसल' है। वहां स्वच्छता में भारी कमी और लचीली निगरानी के साथ बड़े पैमाने पर पशु पालन होता है। उन्होंने बताया था कि किसान अक्सर अपने पशुओं को 'वेट मार्केट' में लाते हैं जहां वे सभी प्रकार के विदेशी जानवरों के संपर्क में आ सकते हैं। रिपोर्ट बताती हैं की चीन के सांस्कृतिक कारण भी वहां वायरस फैलने के लिए जिम्मेदार हैं। दरअसल, चीन में ताजे मीट की खपत कहीं ज्यादा है। चीनी लोगों का मानना है कि ताजे मीट फ्रोजन की तुलना में ज्यादा स्वादिष्ट हैं। यहां खुले में मीट काटना आम है, जिससे हमेशा वायरस फैलने का खतरा बना रहता है। वहीं, चीन के लोगों की एक और आम आदत है। यहां जब कोई शख्स बीमार होता है तो ज्यादातर लोग पहले पारंपरिक चीनी चिकित्सा (टीसीएम) की तलाश करते हैं। जहां लोगों को इलाज के नाम पर एक्यूपंक्चर या अप्रभावी हर्बल के साथ ही जानवरों से जुड़े उपाय बताए जाते हैं। इससे ज्यादा संख्या में जानवर भी मारे जाते हैं और साथ ही लोगों में वायरस फैलने का खतरा भी बढ़ता है।

तापमान में बढ़ोतरी का दिखने लगा है खेती किसानी पर नकारात्मक असर

डॉ. राजेन्द प्रसाद शर्मा

जलवायु परिवर्तन का असर खेती किसानी पर साफ दिखाई देने लगा है। कहा जा रहा था कि 2024 की फरवरी सर्वाधिक गर्मी वाला माह रहा है पर 2025 में जनवरी में जिस तरह से तापमान में बढ़ोतरी देखी गई है और फरवरी में ही देश के अधिकांश हिस्सों खासकर उत्तरी भारत में तापमान में लगातार तेजी देखी जा रही है वह चिंतनीय होती जा रही है। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में फरवरी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 30 डिग्री को छूने को बेताब हो रहा है। देश के कई हिस्सों में दिन का तापमान 29 डिग्री को पार कर रहा है। यह कोई हमारे देश के ही हालात नहीं है अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में जलवायु परिवर्तन का असर साफ-साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ता तापमान बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण परिस्थिति तंत्र प्रभावित हो रहा है। बीमारियां तो फैल ही रही है संपूर्ण तंत्र पर ही नकारात्मक प्रभाव पड़ता जा रहा है। चिंतनीय यह है कि एक और हम निरंतर घटते भूजल स्तर से प्रभावित हो रहे हैं तो ग्लेसियरों के तेजी से पिघलने का असर दिखाई दे रहा है। असमय अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तूफान, जंगलों में आग आदि आदि सीधा असर दिखाई दे रहा है। जहां तक खेती-किसानी का प्रश्न है मौसम के अप्रत्याशित बदलाव से फसल चक्र पर नकारात्मक असर दिखने लगा है। फसल वपन का एक सिस्टम होता है। बुआईं से लेकर फसल के पक कर तैयार होने का चक्र होता है। दर असल हो यह रहा है कि जिस समय फसल में फल फूल आने का समय होता है उस समय तापमान बढ़ने से फल फूल का विकास रुक जाता है और फसल पकने लगती है, इससे फसल में खराबे और उत्पादन में कमी होना स्वाभाविक हो जाता है। दिसंबर, जनवरी की सर्दी और फरवरी में औसत तापमान से फसलों का सही ढंग से विकास संभव हो पाता है। एक अन्य चिंतनीय कारण यह भी बनता जा रहा है कि मावठ के समय मावठ नहीं होती, सर्दियों की बरसात के समय बरसात नहीं होती और जिस समय तापमान में बढ़ोतरी होनी चाहिए उस समय आंधी, तूफान और बरसात आकर फसल को चौपट करने में कोई कमी नहीं छोड़ती। इसका सीधा सीधा असर खाद्यान्न संकट के रुप में देखा जा सकता है। प्रायः देखा जाने लगा है कि जब फसल की कटाई का समय होता है उस समय आंधी तूफान या ओला-बरसात होकर फस्ल को चौपट करने में कमी नहीं छोड़ती। इसी तरह से जनवरी-फरवरी में जब तापमान में गिरावट की आवश्यकता होती है उस समय तापमान में बढ़ोतरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जलवायु परिवर्तन के हालात यही रहे तो कुछ खाद्य वस्तुओं के भावों में कई गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आलू, टमाटर, दालों, तिलहनों और अनाज के भावों में बढ़ोतरी साफ तौर से देखी जा सकती है। कृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को मानना है कि तापमान की असामयिक उतार-चढ़ाव के चलते कृषि पैदावार पर सीधा सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खाद्य वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीधा असर हमें महंगाई के रुप में देखने को मिलेगा। मजे की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के देशों में तेजी से बंजर होती भूमि को लेकर चिंता तो जताई जा रही है पर अभी तक इन हालातों से निपटने का ठोस आधार तैयार नहीं किया जा सका है। आज दुनिया के देश आसन्न खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित है। इसके लिए बड़े बड़े सम्मेलनों में चिंतन मनन हो रहा है। विश्व खाद्य संगठन सहित दुनिया की संस्थाएं इससे आसन्न संकट को लेकर तो परेषान है ही उनकी चिंता का कारण यह भी होता जा रहा है कि पोष्टिक भोजन नहीं मिलने से करोड़ो लोक कुपोषण के शिकार है। खाद्यान्नों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। दुनिया के देश खेती किसानी के महत्व को कोरोना काल में अच्छी तरह से समझ चुके हैं। कोरोना में मानवता को संबल देने में खेती किसानी ने प्रमुख भूमिका निभाई और सबकुछ बंद होने पर खेती किसानी ही लोगों का पेट भरने में सहायक रही।जलवायु परिवर्तन का असर जब साफ साफ सामने आने लगा है तो उस हालात में मौसम विज्ञानियों और कृषि विज्ञानियों के सामने बड़ी चुनौती आ गई है। एक और जलवायु परिवर्तन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारकों का कोई ना कोई विकल्प खोजना ही होगा। होता यह है कि हम जिसे आज बेहतर विकल्प बताते है कुछ समय बाद ही उसमें भी खामियां नजर आने लगती है। जलवायु को नियंत्रित करने वाले जंगलों का स्थान कंक्रिट के जंगल लेते जा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि इलेक्ट्रोनिक उत्पादों व नई नई खोजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है पर उसके साइड इफेक्ट तेजी से असर दिखाने लगे हैं।

दुर्दिन के बीहड़ से अच्छे दिन की डगर

हरीश शिवनानी

पिछला सप्ताहांत कॉरपोरेट क्षेत्र के दिग्गजों, टेलीकॉम सेक्टर के विशेषज्ञों, आर्थिक मामलों के जानकारों के साथ इस विषय में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए खासा हैरानी भरा रहा 1 शनिवार को जब दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बरसों से घाटे में चल रही बेदम, सुस्त-पस्त और थकी-मांदी सरकारी दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के लाभ में आने की घोषणा की तो यह कोई सामान्यतः रूटीन में की जाने वाली घोषणा मात्र नहीं थी। यह पूर्व में भारत के एक दिग्गज रहे सार्वजनिक क्षेत्र को संजीवनी मिलने जैसी घोषणा थी । बीते सत्रह बरसों में बीएसएनएल साल-दर-साल इस कदर घाटे में चला आ रहा था कि दूरसंचार और आर्थिक मामलों के जानकारों, वित्तीय विशेषज्ञों, लेखकों, पत्रकारों ने इसके निकट भविष्य में अवसान होने के अनुमान लगाते हुए इसके लिए मर्सिए (शोक-गीत) पढ़ने शुरू कर दिए थे, इसलिए जब इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में 262 करोड़ रुपए कमाने की घोषणा हुई तो सहसा किसी को विश्वास नहीं हुआ । दरअसल भारत की पहली सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के लिए पिछले करीब दो दशक दुर्दिनों की दास्तां है तो शोक-गीत से मंगल-गान तक लौटने की एक गाथा भी 1 यह इसके दुर्दिन की बीहड़ से निकल कर अच्छे दिन की डगर पर आने की गाथा भी है. थोड़ा अतीत की ओर झांकें तो इस गाथा की गुत्थी को समझा जा सकता है । बीएसएनएल के पतन की गाथा के बीज 1990 में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण के साथ ही दूरसंचार क्षेत्र में निजी कंपनियों की एंट्री से ही शुरू हो गई थी। 19 अक्टूबर 2002 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लखनऊ से जब बीएसएनएल की मोबाईल सेवा की शुरुआत की तो उस समय इसकी ग्राहक संख्या देश मे सर्वाधिक 1.78 लाख थी । महज डेढ़-दो वर्षों में यह संख्या बढ़कर रिकॉर्ड 52.54 लाख तक पहुंच गई । वित्तीय वर्ष 2001-2 के 'टेलिफोन युग' में इसका लाभ 747 करोड़ से 2005 के 'मोबाईल युग' में लम्बी छलांग लगाकर 5976 करोड़ रुपए तक पहुंच गया था । 2006-7 तक ग्राहक और राजस्व के मामले में बीएसएनएल देश की सबसे बड़ी कंपनी थी । इस दौर में बीएसएनएल का राजस्व 41,200 करोड़ और लाभ 8, 240 करोड़ था । बावज़ूद इन तथ्यों के, भारतीय टेलीकॉम सेक्टर में प्राइवेट कंपनियां तेजी से विस्तार करती जा रही थीं । बीएसएनएल की प्रतिस्पर्धा भारती एयरटेल, आर कॉम, हच, वोडाफोन जैसी कम्पनियों से थी । 2007-8 में सबसे ज़्यादा राजस्व और उपभोक्ताओं पर पकड़ होने के बावज़ूद बीएसएनएल हांफने लगा । इस कालखंड में यूपीए गठबंधन की डॉ. मनमोहनसिंह सरकार में स्पेक्ट्रम आवंटन हुआ, बीएसएनएल को बीडब्ल्यूए (ब्रॉडबैंड वायरलेस एक्सेस) मिला ज़रूर लेकिन तब तक प्राइवेट कम्पनियां अपनी आक्रामक बाजार रणनीति से पेशेवर तौर-तरीकों से ग्राहकों तक अपना प्रभाव बढ़ाती जा रहीं थीं । इधर रहस्यमय तरीके से सरकार का अपनी ही कंपनी के प्रति उपेक्षा और उदासीनता का रवैया बढ़ता ही जा रहा था । गौरतलब है कि अपने स्वर्णिम दौर में बीएसएनएल 40 हज़ार करोड़ रुपए का आईपीओ लाने की भी तैयारी कर चुका था 1 बोर्ड की मंज़ूरी भी मिल चुकी थी, स्वीकृति मिलनी थी तो सिर्फ़ सरकार से । इस समय दूरसंचार मंत्री डीएमके के ए.राजा थे. इस आईपीओ के ज़रिए बीएसएनएल अपनी दस प्रतिशत हिस्सेदारी बेचना चाहती थी । भारतीय मुद्रा में इसका वैल्यूएशन 4 लाख करोड़ रुपए का था । आज की दर से अनुमानित तौर पर यह 12 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा वैल्यूएशन वाली कंपनी होती । बीएसएनएल के आईपीओ को यूपीए सरकार से मंज़ूरी न मिलने का रहस्य आज भी बना हुआ है 1

सोशल मीडिया के साये में

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सोशल मीडिया के भव्य महल में हर दिन नई महफिल सजती है। यहाँ का हर कोना कनेक्टेड है, और वहाँ का हर मेहमान अपनी रेटिंग और लाइक की गिनती करता है। वहाँ बैठे लोग, जिनका चेहरा स्क्रीन पर चमकता है, मानो वे डिजिटल देवता हों। हर सुबह जब सूरज उगता है, तो लोग नहीं, बल्कि उनके स्मार्टफोन होते हैं जो आँखें खोलते हैं। किसी ने सही कहा है, "आधुनिकता में समर्पण का नाम ही है।" एक दिन, महल में एक उत्सव मनाने का फैसला किया गया—"लाइक्स का महोत्सव।" हर कोई इस महोत्सव के लिए खासतौर पर तैयार हुआ। कुछ ने अपने कपड़े बदलने में दिन गुजारा, जबकि कुछ ने अपने चेहरे की फोटोशॉपिंग में समय लगाया। महोत्सव का उद्देश्य केवल एक थाः अपनी तस्वीरें पोस्ट करना और अनगिनत लाइक्स हासिल करना। "क्या लाइक्स सच में जीवन का लक्ष्य हैं?" यह सवाल वहाँ हर किसी की जुबान पर था, लेकिन कोई भी उत्तर देने का साहस नहीं जुटा पाया। महोत्सव में आए मेहमान इस तरह से बैठे थे जैसे वे किसी गंभीर कॉन्फ्रेंस में हों। लेकिन असल में वे केवल अपने मोबाइल फोन में छिपे हुए थे। एक ने तो अपने फोन के सामने मुंह बंद कर रखा था, जैसे कोई पवित्र ग्रंथ पढ़ रहा हो। अब चर्चा में वही था—"मैंने इस हफ्ते कितने पिक्स सेल्फी ली हैं?" दूसरे ने जवाब दिया, "बस पाँच, लेकिन मैंने उनकी ब्राइटनेस बढ़ा दी थी। इससे लाइक्स की बारिश हुई!" इसके बीच में, एक प्रौद्योगिकी विद्वान ने कहा, "लाइक्स का असली मतलब क्या होता है? ये केवल एक आंकड़ा हैं जो हमें ध्यान भंग करने के लिए बनाए गए हैं। लेकिन हमें तो बस दिखाना है कि हम कितने व्यस्त हैं!" तभी एक और मेहमान ने बोला, "अरे, अपने पालतू जानवरों की तस्वीरें डालना मत भूलना! वे हमारी सोशल लाइफ के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके बिना हम अधूरे हैं।" हाँ, वास्तव में, यहाँ पालतू जानवरों की तुलना में कोई दूसरा विषय नहीं था। किसी ने एक कुत्ते की तस्वीर पोस्ट की, और तुरंत उसके नीचे सैकड़ों कमेंट्स आने लगे, "वाह, कितना क्यूट है!" और "क्या खूबसूरत मुस्कान है!" समय बीतता गया, और महोत्सव का मुख्य आकर्षण आ गया। "सबसे बड़े लाइक पाने वाले को पुरस्कार मिलेगा!" जैसे ही यह घोषणा हुई, हर कोई उत्सुकता से अपने फोन की स्क्रीन पर नजरें गड़ाए हुए था। कुछ ही पलों में, पुरस्कार का विजेता घोषित हुआ—"मोदी भाऊ," जो हमेशा अपनी तस्वीरों में एक खास प्रकार का चश्मा पहने रहता था। जब उसका नाम पुकारा गया, तो वह खड़ा हुआ और अपने पालतू कुत्ते को गोद में उठाकर कहने लगा, "यह पुरस्कार मेरे कुत्ते के बिना संभव नहीं था।

वनवास के समय माता सीता ने 14 वर्ष तक पहनी थी एक ही साड़ी क्यों नहीं हुई थी गंदी

रामायण की कहानी के अनुसार 14 वर्ष के वनवास काल में माता सीता ने एक ही साड़ी पहनी थी। हैरान करने वाली बात यह है कि माता सीता की वो साड़ी न तो गंदी होती थी और न ही फटी थी। सीता जी ने 14 वर्ष तक उसी साड़ी को पहनकर रखा। आइए जानते हैं आखिर ऐसी क्या वजह थी जो माता सीता की साड़ी कभी गंदी नहीं होती थी?

हिंदू धर्म में रामायण एक ऐसा ग्रंथ है जिसे घर में रखना शुभ माना गया है। रामायण में कई ऐसे किस्से व कहानियां हैं जो कि लोगों को आज भी एक सीख देती हैं। फिर चाहें वो भगवान राम का अपने पिता के वचन का पालन करना हो या फिर लक्ष्मण जी द्वारा अपने भाई का साथ देना हो। रामायण में कई ऐसे किस्से मिलते हैं जो कि आपको चौंका देंगे। वाल्मिकी रामायण के अनुसार जब भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास मिला तो देवी सीता और भाई लक्ष्मण उनके साथ गए। इस दौरान तीनों ने संन्यासियों के वस्त्र धारण किए थे।

मां सीता ने 14 वर्ष तक पहनी एक ही साड़ी

कथाओं के अनुसार वनवास के दौरान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी ऋषि अत्रि के आश्रम में गए थे। जहां उनकी भेंट देवी अनुसूया से हुई थी। देवी अनुसूया ने माता सीता को पत्नी धर्म से जुड़ी कुछ शिक्षाएं दी और साथ ही एक साड़ी भी भेंट की। यह कोई साधारण साड़ी नहीं थी, बल्कि दिव्य साड़ी थी। देवी अनुसूया को वह साड़ी अग्नि देव ने दी थी और इसकी विशेषता थी कि यह साड़ी न जल सकती थी, न फट सकती थी और न ही कभी गंदी हो सकती थी। इसलिए यह साड़ी कभी मैली नहीं हुई और देवी अनुसूया की भेंट की हुई इस दिव्य साड़ी में माता सीता ने 14 वर्ष का पूरा वनवास निकाल दिया।

प्रेम या मोह: राधा-कृष्ण से सच्चे प्रेम की पहचान कैसे करें?

प्रेम और मोह, अपने आप में दो ऐसे शब्द है, जो अक्सर एक दूसरे के लिए इस्तेमाल होते हैं, परन्तु दोनों में बहुत बड़ा भेद है। प्रेम जो निस्वार्थ होता है, जो बिना किसी अपेक्षा के किया जाता है।

वहीं, मोह जिसमें स्वार्थ छिपा होता है, जिसमें व्यक्ति अपनी इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे व्यक्ति का उपयोग करता है।

अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु श्री प्रियदर्शी जी महाराज द्वारा रचित, अभूतपूर्व ग्रंथ 'श्रीकृष्ण चरित मानस' (रसायन महाकाव्य) में श्री राधा-कृष्ण के प्रेम का यथार्थ उदाहरण देखने मिलता है। भगवान श्री राधा-कृष्ण ने बिना किसी शर्त के एक दूसरे से प्रेम किया था। उन्होंने राधा की सुंदरता, उनकी सादगी और उनके निश्छल प्रेम को देखकर उनसे प्रेम किया था। उसी क्रम में राधा ने भी कृष्ण से प्रेम किया, उन्होंने कृष्ण की बुद्धिमत्ता, उनकी वीरता और उनके प्रेम रस को देखकर उनसे प्रेम किया था।

हमें राधा-कृष्ण के प्रेम में कोई स्वार्थ नहीं नजर आता। उन्होंने एक दूसरे को बिना किसी अपेक्षा के प्रेम किया, एक दूसरे के सुख-दुख में साथ दिया, एक दूसरे के लिए सब कुछ त्याग दिया।

लेकिन कलयुग के प्रेम में, हमें मोह का अधिक प्रचलन देखने मिलता है। लोग एक दूसरे से प्रेम नहीं, बल्कि अपनी जरूरतें पूरी करने का एक माध्यम समझते है। ऐसे प्रेम में, स्वार्थ, धोखा और बेवफाई राज करती है। वह प्रेम, प्रेम नहीं होता। सच्चे प्रेम की पहचान करने के लिए, हमें राधा-कृष्ण के प्रेम से प्रेरणा लेनी चाहिए। अपने प्रेम में निःस्वार्थता, त्याग और समर्पण को महत्व देना चाहिए।

साथी को बिना किसी शर्त के प्रेम करना चाहिए। श्री राधा-कृष्ण की भांति हमें भी सच्चे प्रेम की पहचान करने के लिए कुछ भाव मदद करते है :-

निःस्वार्थता

प्रेम निस्वार्थ भाव का प्रतीक है। जिसमें व्यक्ति अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के बजाय, दूसरे व्यक्ति की खुशी के बारे में सोचता है।

त्याग

एक सच्चा प्रेम त्याग मांगता है। जिसमें व्यक्ति अपने साथी के लिए कुछ भी त्याग करने को तैयार होता है।

समर्पण

प्रेम एक प्रकार का समर्पण है। जिसमें व्यक्ति अपने साथी के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है।

विश्वास

सच्चा प्रेम विश्वास पर आधारित होता है। जिसमें व्यक्ति अपने साथी पर पूरी तरह से विश्वास करता है।

सम्मान

प्रेम में सम्मान की भावना होती है। जिसमें व्यक्ति अपने साथी का सम्मान करता है।

यदि आपके प्रेम में ये सभी गुण हैं, तो आप निश्चिन्त हो सकते हैं कि आपका प्रेम श्री राधा-कृष्ण की भांति पवित्र है।

यमुना कैसे बनीं श्रीकृष्ण की पत्नी यमराज की बहन कांलिदी की कहानी

पौराणिक कहानियों में यमुना नदी को एक देवी का रूप कहा गया है। यमुना का एक नाम कांलिदी भी है। यमुना को मृत्यु के देवता यमराज की बहन माना जाता है। देवी यमुना भगवान कृष्ण की पत्नी भी है। आइए, विस्तार से जानते हैं देवी यमुना और श्रीकृष्ण के विवाह की कहानी।

यमुना नदी की पौराणिक कहानी

यमुना नदी इन दिनों सुर्खियों में है। नई दिल्ली सरकार ने यमुना की सफाई का संकल्प लिया। सरकार बनने के बाद से ही दिल्ली में यमुना की सफाई का अभियान जोरों पर चल रहा है। यमुना नदी भारत की पांचवीं सबसे लंबी नदी है। यमुना नदी उत्तराखंड के उत्तरकाशी के यमुनोत्री से निकलती है। पौराणिक कहानियों में यमुना को एक देवी माना गया है। यह भी कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण का विवाह देवी यमुना के साथ हुआ था। आइए, जानते हैं यमुना की पौराणिक कहानी।

कौन हैं देवी यमुना

पौराणिक कहानियों में देवी यमुना को यमी, कांलिदी जैसे नामों से भी जाना जाता है। यमुना देवी सूर्यदेव पुत्री हैं। यमुना मृत्यु के देवता यमराज और न्यायधीश शनिदेव की बहन भी हैं। पौराणिक कहानी के अनुसार देवी यमुना के बारे में कहा जाता है कि यमुना भगवान विष्णु से प्रेम करती थी। यमुना देवी ने कई जन्मों से भगवान विष्णु को पाने के लिए तपस्या की थी। तपस्या से प्रसन्न होकर देवी यमुना को भगवान विष्णु ने वरदान दिया कि द्वापर युग में कृष्ण अवतार में देवी यमुना उन्हें प्राप्त कर लेंगी।

देवी यमुना ने कृष्ण के बाल रूप में सबसे पहले स्पर्श किए थे उनके चरण

भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को जब भगवान कृष्ण का जन्म काल कोठरी में हुआ था। कंस की बहन देवकी और उनके पति वासुदेव जानते थे कि अगर उन्होंने अपने पुत्र को कहीं और नहीं भेजा, तो कंस उनके अन्य पुत्रों की तरह इस बालक का भी वध कर देगा। इस कारण से वासुदेव यमुना नदी को पार करके कृष्ण को गोकुल गांव में छोड़ने के लिए गए थे। भारी तूफान और बारिश के बीच वासुदेव ने बालक को एक टोकरी में लिटाकर अपने सिर रखा था। नटखट कृष्ण इस टोकरी से पैर कभी बाहर निकालते, तो कभी अंदर करते। कृष्ण के चरण स्पर्श करने की कामना में यमुना बार-बार अपने उफान पर आती लेकिन कृष्ण अपना पैर जल्दी से टोकरी के अंदर कर लेते थे। कृष्ण की चंचलता को आखिरकार यमुना ने अपनी इच्छाशक्ति से जीत ही लिया और कालिंदी ने उनके चरणस्पर्श कर लिए।

इस तरह कृष्ण ने किया देवी यमुना से विवाह

एक पौराणिक कथा के अनुसार एक बार कृष्ण और अर्जुन वन में घूम रहे थे। इतने में श्रीकृष्ण को प्यास लगी। कृष्ण ने पानी की तलाश में अर्जुन के साथ आगे बढ़े। कृष्ण जैसे-जैसे वन में आगे बढ़ते जा रहे थे, उन्हें एक तरह की शीतलता का अनुभव हो रहा था। जब कृष्ण कुछ चले, तो एक सुंदर स्त्री भगवान विष्णु का नाम लेकर ध्यान कर रही थी। कृष्ण ने जब इस स्त्री से परिचय पूछा- तो उन्होंने विष्णु जी को प्राप्त करने की इच्छा की बात कही। देवी यमुना ने कहा कि अब द्वापर युग आ गया है, ऐसे में अगर अब भी मुझे विष्णु जी वर के रूप में प्राप्त नहीं हुए, तो मैं सदा यहीं पर तपस्या करती रहूंगी। देवी यमुना की बात सुनकर कृष्ण ने यमुना को अपना परिचय दिया और उनसे विवाह कर लिया। विवाह के बाद कृष्ण ने देवी यमुना को पूजनीय होने का वरदान दिया। कृष्ण ने कहा- हे यमुने! तुम्हारी तपस्या संपूर्ण मानवजाति के लिए एक प्रेरणा है, मेरे भक्त निश्चित रूप से तुम्हारी कृपा भी पाएंगे।' कृष्ण से विवाह करने के बाद देवी यमुना फिर से अपनी धारा में समा गईं।

विजय एकादशी पर राशि अनुसार करें ये दान

छू भी नहीं पाएगी आर्थिक तंगी

एक साल में 24 एकादशी के व्रत रखे जाते हैं। हर महीने में 2 बार एकादशी व्रत किया जाता है। एक कृष्ण तो दूसरा शुक्ल पक्ष में। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

साथ ही सभी मनोकामना पूरी होती है। इस दिन किया गया व्रत अनेक फल की प्राप्ति कराता है। वहीं, इस बार फाल्गुन माह की पहली एकादशी 24 फ़रवरी को आ रही है, जिसे विजया एकादशी कहा जाता है। विजया एकादशी पर किन राशि अनुसार उपायों से कौन से लाभ ले सकते हैं...

मेष राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को भगवान विष्णु को लाल रंग का फूल अर्पित करें।

वृषभ राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को हरि विष्णु भगवान को सफेद चीजों का भोग लगाए।इससे सुख-समृद्धि मिलती है।

मिथुन राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातक को हरे रंग के वस्त्र भगवान विष्णु को अर्पित करें। तो साल भर विष्णु भगवान हर कार्य मे विजय प्रदान करेंगे।

कर्क राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को खीर का भोग अर्पित करें।

सिंह राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को पीले रंग का वस्त्र भगवान विष्णु को अर्पित करें और खुद भी पहनें।

कन्या राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को सफेद मिठाई और केसर अर्पित भगवान को करे, इससे आर्थिक तंगी दूर होती है।

तुला राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को सफेद चीजों का दान करें, इससे वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है।

वृश्चिक राशि— विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को गुड़ का दान करना चाहिए, इससे नौकरी-व्यापार में तरक्की मिलती है।

धनु राशि— विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को पीले वस्त्र और पीले चंदन का भगवान को भोग लगाना चाहिए। साथ ही पीले फल का भी दान करें।

मकर राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को हरि विष्णु भगवान को दही और इलायची का भोग अर्पित करें।

कुंभ राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातकों को पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएं। तो साल भर लक्ष्मी नारायण की कृपा बनी रहेगी।

मीन राशि- विजया एकादशी के दिन इस राशि के जातको को गरीबों की सेवा करें और मिश्री का भोग लगाएं।

महाकुंभ की समाप्ति के मौके पर आसमान में क्या नजारा होने वाला है

महाकुंभ का समापन बेहद खास होने वाला है। इस दिन आसमान में ग्रहों की परेड दिखाई देगी। ये दुर्लभ नजारा सालों बाद देखने को मिलेगा। इस दिन आकाश में कौन से ग्रह दिखेंगे जानें।

26 फरवरी 2025 को महाकुंभ का समापन हो रहा है। इस दिन महाशिवरात्रि पर कुंभ मेले में आखिरी शाही स्नान किया जाएगा। महाकुंभ के समापन पर धरती ही नहीं बल्कि आसमान में भी दुर्लभ नजारा देखने को मिलेगा।

महाकुंभ के आखिरी हफ्ते में आसमान में ग्रहों की परेड नजर आएगी।

भारत में सोलर सिस्टम के सभी सात ग्रह आकाश में दिखाई देंगे। ब्रह्मांड में होने वाली ये खगोलीय घटना आमजन खुले और ऊंचे स्थान से देख पाएंगे

महाकुंभ के समापन पर 28 फरवरी 2025 को बुध, शुक्र, शनि, बृहस्पति, यूरेनस और नेपच्यून सभी सात ग्रह सूरज के एक तरफ लाइन से दिखाई देंगे।

फरवरी 2025 में ग्रहों की इस परेड का शुभ असर मिथुन, तुला, कर्क और मकर राशि पर पड़ेगा। इन राशि वालों की किस्मत चमक सकती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार सौर मंडल में ऐसा दुर्लभ नजारा सालों में एक बार ही देखने को मिलता है। महाकुंभ के समापन के बाद ग्रहों की ऐसी परेड अब 2040 में देखी जाएगी।

आपको आसमान पर सबसे खूबसूरत और ग्रह की साफ तस्वीर दो बार नजर आएगी, सूरज ढलने के बाद और सूरज उगने से पहले।

60 साल बाद महाशिवरात्रि पर बन रहा दुर्लभ संयोग

क्लेश कष्ट, दुख एक झटके में करें दूर, कई गुना मिलेगा पुण्य

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का बेहद खास महत्व होता है। इस दिन सभी शिवालय में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। हर-हर महादेव, बोल बम के नारे गूंजते हैं। माना जाता है कि महाशिवरात्रि पर जो भक्त व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की विधि विधान के साथ पूजा करता है, उसकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। जीवन में कष्ट, दुख, रोग सभी समस्या समाप्त होती है।

वैसे तो महाशिवरात्रि बेहद खास है, लेकिन इस बार 60 साल के बाद महाशिवरात्रि पर दुर्लभ संयोग बन रहा है। देवघर के पागल बाबा आश्रम स्थित मुद्गल ज्योतिष केंद्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने लोकल 18 को बताया कि इस साल महाशिवरात्रि का व्रत 26 फरवरी को रखा जाएगा। इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह भी संपन्न हुआ था।

1965 में बना था ऐसा संयोग

इस दिन भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग की पूजा की प्रधानता है। वहीं, इस साल 60 साल के बाद बेहद दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। साल 2025 महाशिवरात्रि के दिन धनिष्ठा नक्षत्र, परिघ योग, शकुनि कारण और चंद्रमा मकर राशि पर रहने वाले हैं। यह संयोग बेहद शुभ माना जाता है। पिछली बार 1965 में ऐसा दुर्लभ संयोग बना था।

कैसे लें इस दुर्लभ संयोग का लाभ?

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि 1965 के बाद इस साल बेहद खास संयोग महाशिवरात्रि पर बनने जा रहा है। ऐसे में महाशिवरात्रि पर शिवलिंग का रुद्राभिषेक अवश्य करना चाहिए। साथ ही 108 राम नाम लिखा बेलपत्र अगर भगवान शिव के शिवलिंग पर अर्पण करते हैं तो भगवान भोलेनाथ बेहद प्रसन्न हो जाएंगे। भगवान शिव की कृपा से मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। दुख, कष्ट, क्लेश दूर होंगे। जीवन की नैया पार हो जाएगी।

पहली बार साथ नजर आए ऋतिक रोशन और सलमान खान, फैंस ने दिया रिएक्शन

सलमान खान और शाहरुख खान को साथ देखने के लिए फैंस उतावले रहते हैं। वहीं, तीनों खान (सलमान, शाहरुख और आमिर) को परदे पर साथ देखने को भी फैंस तरस रहे हैं। लेकिन, बात अगर सलमान खान और ऋतिक रोशन के साथ आने की हो तब? तब भी संभव है कि दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने लायक हो। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में सलमान खान और ऋतिक रोशन को एक विज्ञापन में साथ देखा गया और दोनों के फैंस क्रेजी हो गए हैं।

दोनों सितारों को साथ देख क्रेजी हुए फैंस

सलमान खान और ऋतिक रोशन को हाल ही में एक सॉफ्ट ड्रिंक के विज्ञापन में साथ देखा गया है। यह विज्ञापन एक्शन से भरपूर है और सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसे देखने के बाद यूजर्स की तरह-तरह की प्रतिक्रिया आ रही है। अधिकांश यूजर्स दोनों को साथ में फिल्म देखने की इच्छा जाहिर कर रहे हैं। यहां तक कि निर्माता-निर्देशक एटली को सलाह दे रहे हैं कि साउथ में अगर कोई नहीं मिल रहा हो तो सलमान खान के साथ ऋतिक रोशन को ले लिया जाए।

दर्शकों की हसरत हुई पूरी

यशराज फिल्म्स (YRF) के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'टाइगर' में सलमान खान और 'कबीर' में ऋतिक रोशन नजर आ चुके हैं। मगर, अब तक दोनों का किसी फिल्म में क्रॉसओवर नहीं हुआ। फिल्म में दोनों को साथ देखने के लिए उतावले दर्शकों की हसरत किसी फिल्म से भले पूरी न हुई हो, लेकिन इस एक विज्ञापन से जरूर पूरी हो गई है। यूजर्स लिख रहे हैं, 'टाइगर वर्सेज कबीर'।

सलमान की फिल्म में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुके हैं ऋतिक

ऋतिक और सलमान खान को इससे पहले कभी साथ नहीं देखा गया है। हालांकि, साल 1995 में आई फिल्म 'करण अर्जुन' में ऋतिक रोशन ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था। इसमें शाहरुख खान और सलमान खान लीड रोल में नजर आए। फिल्म का निर्देशन राकेश रोशन ने किया था।

क्या बोले यूजर्स?

फिलहाल इस विज्ञापन पर यूजर्स के कमेंट काफी रोचक हैं। एक यूजर ने लिखा, 'टाइगर और कबीर को अब साथ में एक फिल्म करनी चाहिए'। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, ' यह किसी फिल्म से बड़ा विज्ञापन है'। सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस साल वे फिल्म 'सिकंदर' में नजर आएंगे, जो ईद पर रिलीज होगी। वहीं, ऋतिक रोशन फिल्म 'वॉर 2' पर काम कर रहे हैं।

अभिनेता अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा 2 में जथारा सीक्वेंस सीन की बताई कहानी

हाल के कुछ महीनों पहले 'पुष्पा 2' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें अल्लू अर्जुन के शानदार अभिनय ने खूब सूर्खियां बटोरी थी। अभिनेता ने फिल्म गंगम्मा जथारा सीक्वेंस के बारे में बात की, जिसमें वह साड़ी के करदार में दिखे थे। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने इस सीन को लेकर क्या कहा

सीन के बारे में सुन डर गए थे अल्लू अर्जुन

'पुष्पा 2' अभिनेता अल्लू अर्जुन ने हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बात की, जिसमें उन्होंने फिल्म में गंगम्मा जथारा सीक्वेंस को लेकर बात किया। फिल्म के इस सीन में एक्टर ने साड़ी, चूड़ियां और गहने पहन रखे थे। एक्टर ने रिपोर्टर को बताया कि शुरू में जब निर्देशक सुकुमार ने उन्हें इस सीन के बारे में समझाया, तो वह डर गए थे। फिर उन्हें पता चला की यह फिल्म का सबसे महत्वपूर्ण दृश्य होगा। हमने एक शानदार फोटोसूट कराया था, जिसपर निर्देशक ने कहा कि यह ठीक नहीं है। इस पर निर्देशक ने बोला, 'मैं चाहता हूं कि तुम एक साड़ी पहनो, एक महिला की तरह कपड़े

पहनो।' फिर उस दृश्य का एक स्केच बनाया गया, जिसे हमने देखा। फिर इस सीन को फिल्माया गया, जिसे अभिनेता ने बखूबी तरीके से निभाया था।

साड़ी पहनने का बाद भी दिखना था डैशिंग

अल्लू अर्जुन ने इस सीन को फिल्माने में कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा यह सीन थोड़ा अजीब लगा, लेकिन पता चला कि एक अभिनेता के लिए यह फिल्म की सबसे खास सीन वाली है। इसे करने से आप एक अलग एक्टर उभर कर निकलेंगे। साड़ी, चूड़ियां, मेकअप करने के बाद भी उन्हें मर्दाना लुक देना था, जिससे अल्फा-नेस ना खोने पाए।

'पुष्पा 2' फिल्म के बारे में

सुकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'पुष्पा 2- द रूल' में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आई थी। इस फिल्म ने कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1799 करोड़ रूपये की कमाई की थी। यह फिल्म 'पुष्पा- द राइज' का दूसरा भाग था।

स्टाइल के मामले में आज भी लाजवाब भाग्यश्री

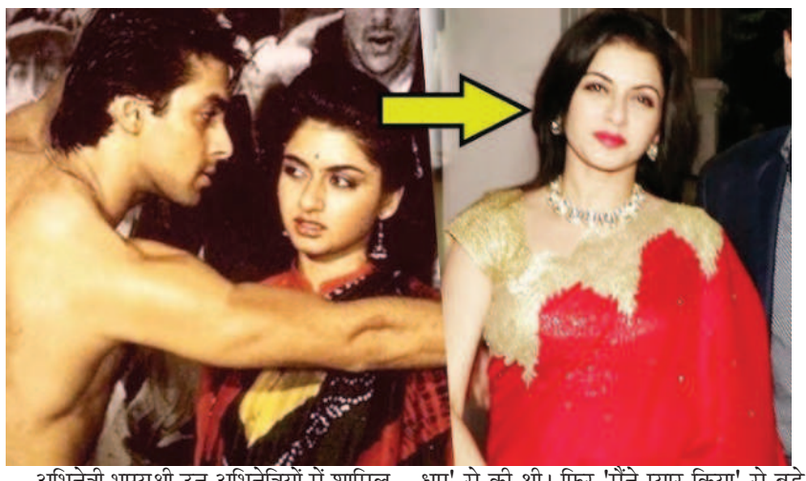

अभिनेत्री भाग्यश्री उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिनकी किस्मत का सूरज पहली ही फिल्म से चमक उठा। फिल्म थी, 'मैंने प्यार किया'। भाग्यश्री ने अपना फिल्मी डेब्यू बॉलीवुड के दबंग सलमान खान के साथ किया। फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई और साथ ही दोनों की जोड़ी खूब पसंद की गई। स्टारडम का स्वाद चखने वाली भाग्यश्री हालांकि, बहुत ज्यादा फिल्मों में नजर नहीं आईं। उन्होंने बहुत कम उम्र में डेब्यू किया और कम ही समय में ब्रेक भी ले लिया।

शाही परिवार में जन्म, छोटे परदे से डेब्यू

भाग्यश्री का जन्म 23 फरवरी 1969 को महाराष्ट्र के सांगली के शाही परिवार में हुआ। उनके पिता विजय सिंहराव माधवराव पटवर्धन सांगली के राजा हैं। तीन बहनों में भाग्यश्री सबसे बड़ी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अमोल पालेकर के सीरियल 'कच्ची धूप' से की थी। फिर 'मैंने प्यार किया' से बड़े परदे पर दस्तक दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहली ही फिल्म के लिए भाग्यश्री ने सलमान खान से तीन गुना ज्यादा फीस ली थी।

19 की उम्र में की शादी

पहली ही फिल्म के बाद भाग्यश्री बिजनेसमैन हिमालय दासानी के साथ शादी के बंधन में बंध गईं और शादी के बाद उन्होंने सिर्फ तीन फिल्मों में ही काम किया। भाग्यश्री ने महज 19 साल की उम्र में शादी करने का फैसला कर लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक महज 24 साल की उम्र में उन्होंने फिल्मों से ब्रेक ले लिया। हालांकि एक दशक बाद भाग्यश्री ने फिल्मों में फिर से किस्मत आजमाने की सोची, लेकिन वह कामयाब नहीं रहीं।

दूसरी पारी में इन फिल्मों में किया काम

साल 2003 में उन्होंने फिल्म संतोषी मां से बड़े परदे पर वापसी की। इसके बाद वह अक्षय कुमार की फिल्म 'हमको दीवाना कर गए' में नजर आईं। वहीं, 'रेड अलर्ट' और 'द वॉर विदइन' में भी नजर आईं। उन्होंने दोबारा फिल्मों से ब्रेक ले लिया। साल 2014 में भाग्यश्री ने टीवी की दुनिया में वापसी की और 'लौट आओ तृषा' में नजर आईं। भाग्यश्री साल 2014 में फिल्म '2 स्टेट्स' में दिखीं। इसके बाद उन्होंने 2021 में कंगना रनौत की फिल्म 'थलाइवी' और प्रभास की फिल्म राधे श्याम में भी काम किया। साल 2022 में एक्ट्रेस ने अपने पति हिमालय दासानी के संग स्टार प्लस के शो स्मार्ट जोड़ी में एंट्री ली थी।

स्टाइल के मामले में आज भी लाजवाब

भाग्यश्री ने हिंदी के अलावा भोजपुरी, मराठी और तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है। पर भाग्यश्री वो चार्म नहीं बिखेर पाईं, जो उनकी पहली फिल्म में दिखा। फिलहाल भाग्यश्री फिल्मों में भले ही कम दिखती हैं लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अपने प्रशंसकों के लिए तस्वीरें साझा करती रहती हैं। स्टाइल के मामले में वे बॉलीवुड की टॉप अदाकाराओं को टक्कर देती हैं। उन्हें देख यह कह पाना मुश्किल है कि उनकी उम्र 55 पार हो चुकी है। बता दें कि भाग्यश्री के दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और एक बेटी है। अभिमन्यु भी बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुके हैं। भाग्यश्री की बेटी अवंतिका वेब सीरीज मिथ्या से एक्टिंग में डेब्यू कर चुकी हैं।

मुश्किल में उदित नारायण, किसिंग विवाद के बीच पहली पत्नी ने दायर किया नया केस

बॉलीवुड के मशहूर गीतकार उदित नारायण इन दिनों कानूनी मामलों में फंस गए हैं। उनकी पहली पत्नी रंजना झा ने उन पर भरण पोषण का केस दर्ज कराया है। रंजना झा ने उन पर अपने अधिकारों का हनन करने और उनकी संपत्ति हड़पने का इल्जाम लगाया है। शुक्रवार को उदित नारायण सुपौल फैमिली कोर्ट में उपस्थित हुए। यहां उन्होंने किसी भी समझौते पर राजी होने से इंकार कर दिया।

एनबीटी की एक खबर के मुताबिक उदित नारायण ने इल्जाम लगाया कि रंजना झा उनसे पैसा ऐंठ रही हैं। इससे पहले भी रंजना ने बिहार महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों पार्टियां इस मामले पर समझौता करने के लिए पहुंची थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उदित नारायण पहले अपनी पत्नी रंजना झा को 15 हजार रुपये महीना दे रहे थे। साल 2021 में इसे बढ़ा कर 21 हजार कर दिया।

उदित के साथ रहना चाहती हैं रंजना

रंजना ने अपने वकील के जरिए कहा कि बिगड़ती सेहत की वजह से वह बुढ़ापे में अपने पति उदित नारायण के साथ रहना चाहती हैं। उन्होंने इच्छा जताई कि वह अपनी बाकी बची जिंदगी अपने पति के साथ गुजारना चाहती हैं। सुनवाई के बाद रंजना ने मीडिया से बताया कि गीतकार ने उन्हें नजरअंदाज किया और जमीन बेचने के बाद उनके 18 लाख रुपये रख लिए। उन्होंने बाद में बताया कि जब भी वह मुंबई जाती हैं तो उनके घर पर गुंडे भेजे जाते हैं।

कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' क्या उनकी एक पुरानी फिल्म से है इंस्पायर?

कमल हासन दक्षिण भारतीय और हिंदी दोनों ही फिल्मों में अपने उम्दा अभिनय के लिए जाने जाते हैं। जल्द ही उनकी एक साउथ फिल्म 'ठग लाइफ' रिलीज होगी। इस फिल्म को मणिरत्नम निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म को लेकर कमल हासन काफी एक्साइटेड हैं। अपनी नई फिल्म 'ठग लाइफ' की स्टोरी लाइन को वह अपनी एक पुरानी फिल्म से कनेक्ट भी करते हैं। तो क्या उनकी नई फिल्म, पुरानी फिल्म से इंस्पायर है।

सेम थीम को एक्सप्लोर करती हैं फिल्में

साल 1987 में मणिरत्नम निर्देशित फिल्म 'नायकन' में भी कमल हासन ने अभिनय किया था। इसी फिल्म का जिक्र करते हुए कमल हासन बताते हैं कि इसके हीरो को लेकर दर्शकों के मन में सवाल रहता है कि क्या वह अच्छा आदमी है या नहीं? इस कॉन्सेप्ट को लेकर फिल्म 'ठग लाइफ' भी बनी है। अपकमिंग फिल्म में भी दर्शकों को लीड कैरेक्टर को देखकर लग सकता है कि क्या वह अच्छा है? या वो बुरा आदमी है?

पुरानी फिल्म में बने थे गैंगस्टर

फिल्म 'नायकन' में कमल हासन एक गैंगस्टर बने थे। वहीं नई फिल्म भी एक गैंगस्टर एक्शन ड्रामा फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म में त्रिशा कृष्णन और अली फजल जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। अली फजल तो कमल हासन के साथ काम करके काफी खुश हैं।

अमेरिका से एआई का कोर्स करके आए कमल

पिछले दिनों कमल हासन अमेरिका गए थे। वहां एक नामी संस्थान से उन्होंने एआई का कोर्स किया है। 69 साल के हो चुके कमल हासन इस उम्र में भी नई टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं। आने वाले समय में वह इसका इस्तेमाल शायद अपनी फिल्मों में कर सकते हैं। वह अपनी फिल्मों में नए-नए एक्सपेरिमेंट करने के लिए जाने जाते हैं।

बॉलीवुड की प्रेम कहानियों ने विवाह परंपरा को बर्बाद कर दिया... 'मिसेज' विवाद पर कंगना ने लोगों से की ये भावुक अपील

हाल ही में सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म 'मिसेज' ओटीटी पर रिलीज हुई, जिसको लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। फिल्म में अरेंज मैरैज की चुनौतियों को दिखाया गया है। इसे लेकर अभिनेत्रा कंगना रनौत ने संयुक्त परिवार का बचाव किया है और उन्हें दोषी ना ठहराने की बात कही है।

'मिसेज' फिल्म में महिलाओं की घर में चुनौतियों के बारे दिखाया गया है। इसकी कहानी को लेकर विवाद भी हो रहा है, इस बीच एक्ट्रेस कंगना रनौत ने संयुक्त परिवारों का बचाव किया है। साथ ही बुजुर्गों को भी भला बुरा ना कहने की बात कही है। इस पूरी बात को उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

घर की महिलाओं की तुलना मजदूरों से ना करें

बीते दिन बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर किया, जिसमें वह बड़े-बुजुर्गों को बुरा ना समझने की बात कही है। साथ ही कहा कि घर की महिलाओं को वेतनभोगी मजदूर ना कहें।

संयुक्त परिवार के बारे में अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आजतक ऐसी महिला नहीं देखी, जो अपने घर पर हुक्म ना चलाती हो। इस बात पर अभिनेत्री ने कहा कि महिलाएं ही तय करती हैं कि कब खाना है, कब सोना है आदि।

अपनी जिम्मेदीरा को निभाते हुए आगे बढ़िए

शादी पर अभिनेत्री ने अपने स्टोरी पर लिखा कि शादियां वैसी ही होनी चाहिए जैसे इस देश में पहले से होता आया है। धर्मों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उसमें यह लिखा है कि आप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते जाएं और आगे बढ़ते रहें। यह जीवन बहुत छोटा है।

आजकल की शादियों के बारे में विचार को बर्बाद करने में बॉलीवुड फिल्मों की प्रेम कहानियां सबसे मुख्य कारण हैं। साथ ही उन्होंने तलाक को लेकर कहा कि इसका समर्थन नहीं करना चाहिए। हालांकि, इस स्टोरी को शेयर करते हुए कंगना ने कहीं भी 'मिसेज' फिल्म का जिक्र नहीं किया है।

क्या है मिसेज फिल्म को लेकर विवाद?

सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म 'मिसेज' को सोशल मीडिया पर बहुत तारीफें मिल रही हैं। यह फिल्म एक नवविवाहित महिला रिचा के बारे में है, जो एक डांसर है।

यह महिला घर में आने के बाद आने वाली चुनौतियों से निपटती है, जिसमें पितृसत्तात्मक एंगल डाला गया है। इसे लेकर महिलाओं और पुरुषों की तरफ से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जिस कारण इस समय फिल्म विचारों को लेकर विवादों में फंसी नजर आ रही है।

बिग बॉस-17 विनर मुनव्वर फारुकी के खिलाफ शिकायत

धार्मिक भावनाओं को आहत करने और अश्लीलता फैलाने के आरोप

शो हफ्ता वसूली बैन करने की मांग हुई

पॉपुलर कॉमेडियन और बिग बॉस 17 के विनर रहे मुनव्वर फारूकी के खिलाफ एडवोकेट अमिता सचदेव ने शिकायत की मांग करते हुए नई दिल्ली पुलिस को ई-मेल भेजा है। उन्होंने कॉमेडियन पर अश्लीलता फैलाने और धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने के आरोप लगाए हैं।

एडवोकेट अमिता सचदेव ने X प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर शिकायत की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है। मुनव्वर फारूकी के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। मैंने उस आदतन अपराधी मुनव्वर फारूकी के खिलाफ उसके शो हफ्ता वसूली जो जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है के लिए शिकायत दर्ज करवाई है।

हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 299 और 353 के तहत शिकायत की मांग की है, साथ ही अश्लीलता फैलाने, कई धर्मों का मजाक बनाने, कल्चरल वैल्यूज का मजाक उड़ाने और लोगों के दिमाग में गंध भरने से जुड़ीं आईटी की धाराएं लगाने की भी मांग की है। शिकायतकर्ता अमिता ने बताया है कि उन्होंने ये शिकायत मेल के जरिए नई दिल्ली पुलिस को दी है, वो सोमवार को खुद इसकी कॉपी को सबमिट करेंगी। अमिता ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अगर मुनव्वर के खिलाफ एक्शन नहीं लिया जाता तो वो कोर्ट जाकर न्याय की मांग करेंगी।

सोशल मीडिया पर हुई शो हफ्ता वसूली बैन करने की मांग

बीते कुछ समय से शो के कई क्लिप जमकर वायरल हो रहे हैं, जिनमें मुनव्वर फारूकी अपशब्दों का प्रयोग करते और अश्लील टिप्पणी करते नजर आए हैं। कई लोग शो की आलोचना करते हुए इसे बैन करने की मांग भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, हिंदुओं की भावनाओं पर हमला किया जा रहा है। सीरियल अपराधी मुनव्वर फारूकी का हिंदू कल्चर और देवताओं पर अटैक करने का ट्रेक रिकॉर्ड है। जियो हॉटस्टार से अपील है कि हिंदू भावनाओं का सम्मान करते हुए हफ्ता वसूली शो को बंद कर दिया जाए।

वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है, हम हफ्ता वसूली को तुरंत बैन करने की अपील करते हैं, जो जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है। इस शो में मुनव्वर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहा है, जो जनता के नजरिए से अस्वीकार्य है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए।

इन वजहों से विवादों से घिर चुके हैं मुनव्वर-

बीते साल एक स्टेंड-अप कॉमेडी शो के दौरान मुनव्वर फारूकी ने कोंकणी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। BJP नेता ने मुनव्वर को पीटने वाले को 1 लाख रुपए देने की घोषणा तक कर दी। विवाद बढ़ने पर कॉमेडियन ने वीडियो जारी कर माफी मांगी थी।

बीते साल मुंबई के एक हुक्का पार्लर में हुई रेड में मुनव्वर को हिरासत में लिया गया था। हालांकि, पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया था।

इंदौर के कैफे में मुन्नवर फारूकी को बुलाया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन के नेताओं ने उसकी यू-ट्यूब पर जारी धार्मिक भावनाएं भड़काने और हिंदू धर्म पर की गई कॉमेडी को देखते हुए टिकट लेकर शो में शामिल हुए थे। इस शो में स्टेंडअप कॉमेडी के लिए प्रियम ने ही शहर के आराध्य देव के बारे में उटपटांग कॉमेडी करना शुरू कर दी। जैसे ही शो शुरू हुआ हिंदू संगठन हिंद रक्षक के नेताओं ने कॉमेडियन मुन्नवर सहित सभी कॉमेडियन को वहीं पीट दिया और थाने ले आए। जिसके बाद सभी को जेल भेज दिया गया और शिकायत दर्ज की।

बताते चलें कि हफ्ता वसूली एक न्यूज बुलेटिन फॉर्मेट वाला कॉमेडी रोस्ट शो है। इस शो में मुनव्वर के साथ साकिब सलीम भी नजर आ रहे हैं। शो को 14 फरवरी से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जा रहा है। 2022 में मुनव्वर ने कंगना रनोट के रियलिटी शो 'लॉक अप' में पार्टिसिपेट किया था। वो इसके सीजन 1 के विनर भी रहे थे। इसके बाद वो पिछले साल 'बिग बॉस 17' के भी विनर बने।

फराह खान पर हिंदुस्तानी भाऊ ने दर्ज कराया केस

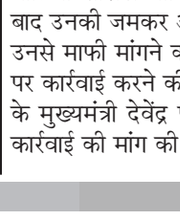

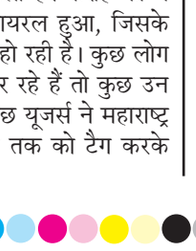

टीवी शो में होली को कहा था छपरियों का त्योहार, धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

फिल्म डायरेक्टर फराह खान के खिलाफ क्रिमिनल केस का मामला दर्ज हुआ है। फराह खान पर ये केस हिंदुस्तानी भाऊ के नाम से मशहूर इंफ्लुएंसर विकास पाठक की तरफ से किया गया है। फराह पर खार पुलिस स्टेशन में हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान करने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज कराई गई है।

विकास के वकील एडवोकेट अली काशिफ खान देशमुख का कहना है कि होली के त्योहार को 'छपरी' त्योहार बताकर फराह ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान किया है। कंप्लेन में कहा गया है कि 20 फरवरी, 2025 को पॉपुलर शो 'सेलिब्रेटी मास्टरशेफ' में एक्यूज्ड ने होली को 'छपरियों' का त्योहार बताया। आमतौर पर छपरी शब्द का इस्तेमाल अपमानजनक शब्दों के साथ किया जाता है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, ये पूरा विवाद 'सेलिब्रेटी मास्टरशेफ' शो के एक एपिसोड से शुरू हुआ है। फराह इस शो की जज हैं। शो के एक एपिसोड में उन्होंने होली को लेकर कमेंट किया था। उन्होंने कहा कि सारे छपरी लड़कों का पसंदीदा त्योहार होली है। फराह का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना हो रही है। कुछ लोग उनसे माफी मांगने की मांग कर रहे हैं तो कुछ उन पर कार्रवाई करने की मांग। कुछ यूजर्स ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तक को टैग करके कार्रवाई की मांग की।

कम पैसों में शुरू करें शानदार कमाई वाले बिजनेस

ऐसे में अगर आप भी कमा में माहिर है तो इसकी शुरूआत कर सकते हैं और अच्छी कमाई कर सकते हैं ! इस तरह के काम में रूम डेकोरेट , खिलौना , वाल पेंटिंग या त्योहार में बनने वाली रंगोली आती हैं, जिसकी डिमांड हमेशा से ही मार्केट में रही है ! आज के समय में कला का बिजनेस काफी बड़े स्तर पर विस्तारवादी और पूंजीवादी बन चुका है ! कम लगत में इन्हीं बिजनेस को शुरू कर लोग सफल हो रहे हैं, तो चलिए आपको भी बताते हैं कि ऐसे कुछ बिजनेस के बारे में जिसे शुरू कर आप अच्छा पैसा कमाया सकते हैं !

दीवारों पर पेंटिंग करने का कारोबार

समय के साथ-साथ अब घर की साज-सजावट में भी काफी बदलाव देखे को मिल रहे हैं ! लोग अपने घरों को बेहद ही अलग तरीके से सजाना पसंद करते हैं ! जहां दिवारों पर अलग तरह के रंग और डिजाइन बनाए जाते हैं ! इसके अलावा अब तक घरों की छतों पर भी काफी खूबसूरत डिजाइन बनाए जाने लगे हैं ! ऐसे में लोग घर की साज-साजावट के लिए इंटीरियर डेकोरेशन का सहारा लेते हैं ! साथ ही इसके लिए काफी सारी चीजों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दीवारों की पेंटिंग का क्रेज एक अलग ही लेवल पर है !

खिलौने का बिजनेस

वहीं अब धीरे-धीरे भारत में बाहर से सामना आना बंद ही हो चुका है ! ऐसे में देश के पीएम मोदी भी देश के लोगों को स्वदेशी खिलौने बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, तो ऐसे में अगर आप खिलौने का बिजनेस शुरू करते हैं तो ये आपके लिए एक बेहद ही शानदार बिजनेस हो सकता है ! हर बच्चे को खिलौना बहुत पसंद होता है ! वहीं आजकल घर को डेकोरेट करने के लिए भी खिलौने का

इस्तेमाल किया जाने लगा है ! इसलिए अगर आप खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते है तो ये बिजनेस आपके लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है क्योंकि ये कम बजट में शुरू किया जा सकता है, जिसके लिए अलग से दुकान की जरुरत नहीं होगी !

इंटीरियर डेकोरेटर

आखिर में बात करते हैं इंटीरियर डेकोरेटर के बारे में ! आज भी हम डेकोरेशन की बात करें तो हमें पुरानी चीजे ज्यादा प्रभावित करती हैं ! थोड़ा बहुत शुभ-अशुभ भी माना जाता है ! साथ ही अपने घर को सजाने में आवाजों और रोशनी को हमेशा ध्यान में रखा जाता है कि वो कहा से आती हैं और कैसे आपके घर के माहौल को प्रभावित करती है या अलग-अलग रंगों की बात करें तो वो मन मस्तिष्क को

सफलता की पहली सीढ़ी है 'आत्मविश्वास'

प्रतिभा, योग्यता, सफलता के बीज प्रत्येक मानव के अंदर छुपे होते हैं । जरूरत है उन्हें अंकुरित करने, पुष्पितपल्लवित करने की। इसके लिए जो कला आवश्यक है, वह है परिश्रमशीलता और आत्मविश्वास ।

यदि हमें खुद पर विश्वास है तो हम जरूर मंजिल तक पहुंच सकते हैं । कोई काम कितना भी कठिन क्यों न हो, दृढ़ आत्मविश्वास से पूरा किया जा सकता है। जीवन में कामयाब होने के लिए सबसे जरूरी है कि हमें अपने आप पर भरोसा होना चाहिए।

जिनके पास आत्मविश्वास है, वे विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं । से बड़ी चुनौती का सामना करके सफलता की बुलंदियों को छू सकता है। दुनिया के महान से महान कार्य साधारण व्यक्तियों ने अपने आत्मविश्वास के बल पर ही पूरे किए हैं। के शिक्षकों की आइंस्टीन राय उनके बारे में बहुत अच्छी न थी, लेकिन तमाम कमियों, तीखी टिप्पणियों के बावजूद आइंस्टीन निराश नहीं हुए। जीवन के प्रति उनमें आशा बनी रही क्योंकि उन्होंने अपना आत्मविश्वास नहीं खोया । उन्होंने किसी टीचर की टिप्पणी से आहत होकर आत्महत्या नहीं की, बल्कि अपने परिश्रम और अपनी प्रतिभा आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्ति बड़ी से नोबेल पुरस्कार तक प्राप्त किया।

हेयर स्टाइलिंग में शानदार करिअर

ब्यूटी और ग्रूमिंग उद्योग

भारत जैसे देश में, जहां बेरोजगारी एक चुनौती बनी हुई है, वहां वोकेशनल ट्रेनिंग कार्यक्रम उम्मीद की किरण है। ब्यूटी और ग्रूमिंग इंडस्ट्री में बढ़ोतरी के साथ, ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में करिअर बनाना भारतीय युवाओं के लिए एक प्रैक्टिकल ऑप्शन बन गया है।

ब्यूटी और ग्रूमिंग इंडस्ट्री, जिसमें हेयर स्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री, स्पा ट्रीटमेंट और सैलून मैनेजमेंट जैसी सर्विसेज शामिल हैं। इसमें करिअर संवारने के साथ ही कमाई और अपनी क्रिएटिविटी को निखारने का भी बहुत स्कोप है।

कोर्सेस और संस्थान

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में करिअर शुरू करने के लिए डिग्री, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएशन और यहां तक कि डॉक्टरेट (कॉस्मेटोलॉजी में) तक के कोर्सेज उपलब्ध हैं।

इन कोर्सेज को बालों की देखभाल, त्वचा की देखभाल, मेकअप, स्पा ट्रीटमेंट, सैलून मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारत के कुछ मशहूर संस्थान जो ब्यूटी और हेयर स्टाइलिंग कोर्सेज

कराते हैं-

शहनाज हुसैन ब्यूटी अकेडमी

लक्मे अकादमी (पॉवर्ड बाय एप्टेक)

जावेद हबीब हेयर एंड ब्यूटी एकेडमी

क्रिस्टीन वाल्मी इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ ब्यूटी

वीएलसीसी इंस्टीटूशन ऑफ़ ब्यूटी एंड न्यूट्रीशियन

ब्लॉसम कोचर कॉलेज ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स एंड डिजाइन

कमाई का स्कोप

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में कमाई एक्सपीरियंस, एक्सपर्टीज, प्लेस और कस्टमर्स की डिमांड के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। शुरुआती स्टेज में 15,000 रुपए से 25,000 रुपए प्रति माह आमदनी हो सकती है। एक्सपीरियंस के बाद कमाई बढ़ने लगती है। ट्रेंड प्रोफेशनल, सैलून मालिक और हेयर स्टाइलिस्ट हर महीने 50,000 रुपए से लेकर कई लाख रुपए तक कमा सकते हैं।

स्पेशलाइजेशन

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में कई स्पेशलाइजेशन मुमकिन हैं। इनमें व्यक्ति अपनी रुचि और विशेषज्ञता के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कुछ लोकप्रिय विशेषज्ञता में हेयर कटिंग और स्टाइलिंग, हेयर कलरिंग, ब्राइडल मेकअप, स्पा थैरेपी, सैलून मैनेजमेंट, स्किनकेयर और नेल आर्ट शामिल हैं।

किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करके, पेशेवर अपने लिए एक जगह बना सकते हैं और एक विशिष्ट ग्राहक वर्ग को पूरा कर सकते हैं, जिससे उनकी कमाई की क्षमता और पेशेवर विकास में वृद्धि होती है।

प्रोफेशन का दायरा

ब्यूटी और ग्रूमिंग उद्योग का विकास केवल सैलून सेवाओं तक ही सीमित नहीं है। यह फिल्म और टेलीविजन, फैशन और शादी उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है। भारत सांस्कृतिक और सिनेमाई विविधता का केंद्र होने के साथ ये क्षेत्र कुशल पेशेवरों के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

उदाहरण के लिए संध्या शेकर, मिकी कॉन्ट्रैक्टर, आरती नय्यर आदि जैसे देश के प्रसिद्ध मेकअप कलाकार हैं तो वही बियांका लॉज़ादो, श्रद्धा लूथरा, ओजस रजनी इत्यादि देश के प्रसिद्ध ब्राइडल मेकअप कलाकार हैं। उनकी विशेषज्ञता और प्रतिभा ने उन्हें उनके संबंधित क्षेत्रों में पहचान और सम्मान अर्जित किया है।

ये वास्तविक जीवन के उदाहरण सौंदर्य उद्योग में उपलब्ध असीम क्षमता और अवसर दिखाते हैं। रोजगार के अवसर प्रदान करने के अलावा सौंदर्य सेवाओं और हेयर स्टाइलिंग में अनेक लोग अपना सफल उद्यम भी शुरू करते हैं। यदि आप कम प्रारंभिक निवेश से कोई व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं तो यह एक अच्छा व्यवसाय है।

नौकरियों के मिल रहे कई अवसर, ये नई तकनीक पैदा कर रही है रोजगार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलॉजी, संधारणीय ऊर्जा और डिजिटल फाइनें उभरते क्षेत्र न केवल नए अवसर पैदा कर रहे हैं, बल्कि उद्योग जगत को नया आकार भी दे रहे हैं। इसीलिए फ्रेशर्स और कॉलेज के छात्र लगातार ऐसे अवसरों की खोज में रहते हैं, जो भारत में उभरते कॅरिअर ट्रेंड के साथ मेल खाते हों। ऐसे में इन क्षेत्रों में कॅरिअर बनाकर आप नवाचार, वास्तविक समस्याओं को सुलझाने और नई तकनीक सीखने में बाकियों से चार कदम आगे रहेंगे। इसके अलावा उभरते हुए क्षेत्रों में नौकरी करना आपकी रचनात्मकता, जिज्ञासा, शोध और कौशल को दर्शाती है। ऐसे कुछ बेहतरीन क्षेत्र हैं, जिनके विशेषज्ञों की मांग दुनिया भर में है।

वीआर और एआर

वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) दो सबसे आशाजनक तकनीकें हैं, जिनकी मांग दुनिया में सर्वाधिक है।

गेमिंग और मनोरंजन क्षेत्रों से लेकर 3डी मॉडलिंग और सोशल नेटवर्किंग तक, एआर और वीआर हर जगह अपनी जगह बना रहे हैं। यूआई और यूएक्स डिजाइनर इंजीनियर,

वीआर गेम इंजीनियर, वर्चुअल रियलिटी डिजाइनर आदि के रूप में आप अपना कॅरिअर बना सकते हैं।

कंप्यूटर फोरेंसिक

कंप्यूटर फोरेंसिक विशेषज्ञ का कार्य डिजिटल साक्ष्य ढूंढना और तैयार करना है, जिसका उपयोग किसी भी अदालती कार्यवाही, परीक्षण और आपराधिक जांच में किया जा सकता है।

कंप्यूटर फोरेंसिक के क्षेत्र में जाने के लिए कंप्यूटर विज्ञान, साइबर सुरक्षा, आपराधिक न्याय या अन्य क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री होना जरूरी है। कंप्यूटर फोरेंसिक से संबंधित कई ग्लोबल इंफॉर्मेशन एश्योरेंस सर्टिफिकेशन (जीआईएसी) कोर्स हैं, जिसे आप निजी संगठनों और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी जैसी सरकारी संस्थाओं से कर सकते हैं।

इसके बाद विभिन्न शोध संस्थानों, सीबीआई, एनआईए आदि सरकारी विभागों में नौकरी के रास्ते खुल जाते हैं।

एनएलपी इंजीनियर

एनएलपी इंजीनियर मशीनों को मानव भाषा की पहचान करने, व्याख्या करने और उत्पन्न करने में बनाते होते हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, डाटा साइंस या कंप्यूटर साइंस जैसे क्षेत्र में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। एनएलपी इंजीनियर बनकर आप अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, आईबीएम जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी कर सकते हैं।

फिनटेक

फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी या फिनटेक शब्द का उपयोग आर्थिक क्षेत्र में विकसित की जा रही नई तकनीकों के लिए किया जाता है। इसमें पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं में नई और तेज सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। फिनटेक पेशेवर वित्त उद्योग को नया आकार देने के लिए डिजिटल भुगतान, ब्लॉकचेन और वित्तीय विश्लेषण में नवाचार करते हैं। आप एक्सेंचर, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज आदि में वेब डेवलपर, ब्लॉकचेन डेवलपर और एनालिस्ट के रूप में कॅरिअर बना सकते हैं।

आईटीआई के बाद रोजगार के कई अवसर, ये ट्रेड बन रहीं युवाओं की पसंद

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान. यह एक कोर्स है, जिसे करने के बाद आप सरकारी या प्राइवेट क्षेत्र में नौकरी पा सकते हैं। आईटीआई में 6 महीने से लेकर 2 साल तक की डिप्लोमा कोर्स होते हैं। एडमिशन के लिए, योग्यता परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जाती है। आईटीआई करने के बाद, आपको कई तरह की नौकरियों के लिए मौका मिल सकता है, जैसे कि भारतीय रेलवे, भारतीय सेना, पीडब्ल्यूडी सिचाई विभाग, और टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट। इसमें प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास है। हर राज्य में ढेरों आईटीआई संस्थान मौजूद हैं।

इंटीरियर डिजाइनर

इंटीरियर डिज़ाइनर के तौर पर, आपको लेआउट, फर्नीचर, रंग योजनाओं, बनावट, और अन्य तत्वों को डिजाइन करना होता है। आप ग्राहक की जरूरतों और नजरिए से मेल खाने वाली जगह बनाते हैं। यह कोर्स इन दिनों युवाओं को काफी भा रहा है। यह एक गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम है।स तरीका सिखाया जाता है।

मार्केटिंग एग्ज़ीक्यूटिव

मार्केटिंग एग्ज़ीक्यूटिव में डिप्लोमा कोर्स करने के लिए, 10वीं पास होना चाहिए। एक वर्षीय इस पाठ्यक्रम में कुल 18 क्रेडिट होते हैं। कंपनी के उत्पादों और सेवाओं को लक्षित दर्शकों तक पहुंचाना, टेलीविज़न स्पॉट या पत्रिका में विज्ञापन करना, डिजिटल मार्केटिंग के ज़रिए विपणन करना, विज्ञापन और संचार अभियान का आयोजन करना, प्रदर्शनियां और प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन करना, बाज़ार अनुसंधान और विश्लेषण करना आदि करना होता है।

मैकेनिक एग्रीकल्चर मशीनरी

कृषि उपकरण मैकेनिक, कृषि उपकरणों की मरम्मत, रखरखाव, और सर्विसिंग से जुड़े काम करते हैं। कृषि मशीनरी, जैसे कि ट्रैक्टर, कंबाइन, स्प्रेयर, हार्वेस्टर, वगैरह को कुशलतापूर्वक और प्रभावी तरीके से चलाने के लिए कृषि उपकरण मैकेनिक ज़िम्मेदार होते हैं। ये दो वर्षीय वोकेशनल कोर्स है।

डेस्कटॉप पब्लिशिंग ऑपरेटर कोर्स

यह एक साल का कोर्स है और इसे सीटीएस के तहत पढ़ाया जाता है। यह कोर्स एनएसटीआई और आईटीआई के नेटवर्क के जरिए देश भर में पढ़ाया जाता है। डीटीपी कोर्स में, ग्राफ़िक्स जैसे कि विज़िटिंग कार्ड, पत्रिकाएं, लोगो, कार्टून, और समाचार पत्र वगैरह को डिज़ाइन करने का

रेडियोलॉजी टेक्नीशियन

यह कोर्स दो साल का डिप्लोमा कोर्स होता है। इस कोर्स में थ्योरी के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज में भी ट्रेनिंग कराई जाती है। इस कोर्स में एंजियोग्राफ़ी, फ़्लोरोस्कोपी, एमआरआई, एक्स-रे, पीईटी, और सीटी स्कैन जैसी तकनीकों के बारे में पढ़ाया जाता है। रेडियोलॉजी टेक्नीशियन को रेडियोलॉजिक टेक्नोलॉजिस्ट भी कहा जाता है।

कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग

आईटीआई में कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क मेंटेनेंस कोर्स, एनसीवीटी द्वारा संचालित किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद, आप कंप्यूटर हार्डवेयर तकनीशियन, हार्डवेयर इंजीनियर, डेस्कटॉप/लैपटॉप सपोर्ट तकनीशियन, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, नेटवर्क सपोर्ट तकनीशियन जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक

आईटीआई इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक कोर्स की अवधि दो साल की होती है, जिसमें 4 सेमेस्टर होते हैं। इस कोर्स के दौरान छात्रों को कई विषयों से परिचित कराया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक मरम्मत, मैकेनिकल इंस्ट्रूमेंट्स, इंडिकेटर इत्यादि जैसे विषय। इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक एक इंस्टालेशन, समस्या निवारण और इंस्ट्रूमेंटेशन की मरम्मत करने वाला व्यावसायिक ट्रेड है।

गेल में एग्जीक्यूटिव ट्रेनी की भर्ती सैलरी 1 लाख 80 हजार

गेल इंडिया लिमिटेड ने एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट gailonline.com पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 18 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स :

एग्जीक्यूटिव ट्रेनी (केमिकल) : 21 पद

एग्जीक्यूटिव ट्रेनी (इंस्ट्रूमेंटेशन) : 17 पद

एग्जीक्यूटिव ट्रेनी (इलेक्ट्रिकल) : 14 पद

एग्जीक्यूटिव ट्रेनी (मैकेनिकल) : 08 पद

एग्जीक्यूटिव ट्रेनी (बीआईएस) : 13 पद

कुल पदों की संख्या : 73

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : बीई, बीटेक, केमिकल/पेट्रोकेमिकल/केमिकल टेक्नोलॉजी/पॉलीमर साइंस में बीएससी इंजीनियरिंग की डिग्री

बीई, बीटेक के साथ एमई, एमटेक की डुएल डिग्री होल्डर्स भी आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिट :

अधिकतम : 26 वर्ष

आयुसीमा की गणना आवेदन की आखिरी तारीख के आधार पर की जाएगी।

एससी, एसटी को 5 साल की छूट दी जाएगी।

ओबीसी (NCL) को 3 साल की छूट दी जाएगी।

सैलरी :

60,000 से 1,80,000 रुपए प्रतिमाह।

सिलेक्शन प्रोसेस :

GATE मार्क्स के बेसिस पर इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन

ऑफिशियल वेबसाइट gailonline.com पर जाएं।

होम पेज पर जाकर करियर ऑप्शन पर क्लिक करें।

अप्लाई नाउ लिंक पर क्लिक करें।

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करके आवेदन करें।

डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके फीस का भुगतान करें।

फॉर्म डाउनलोड करें और प्रिंटआउट लेकर रखें।

यूपीपीएससी पीसीएस भर्ती 2025 के लिए आवेदन शुरू; 200 पदों पर भर्ती, ग्रेजुएट्स करें अप्लाई

यूपीपीएससी पीसीएस भर्ती 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के साथ-साथ यूपीपीएससी ने सहायक वन संरक्षक और क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा भर्ती परीक्षा (UPPSC ACF RFO) के लिए आवेदन की शुरुआत की है। असिस्टेंट फॉरेस्ट कंजर्वेटिव के इसमें 10 पद शामिल हैं।

आवेदन में करेक्शन की आखिरी तारीख 2 अप्रैल 2025 तय की गई है। इस भर्ती के लिए परीक्षा 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित जाएगा। परीक्षा के माध्यम से एसडीएम, डीएसपी सब रजिस्ट्रार ट्रांसपोर्ट सहित अन्य पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :

न्यूनतम : 21 साल

अधिकतम : 40 साल

राज्य के आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :

अनारक्षित : 125 रुपए

अनुसूचित जाति, जनजाति : 65 रुपए

दिव्यांग : 25 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :

प्रीलिम्स एग्जाम

मेन्स एग्जाम

इंटरव्यू

सैलरी :

असिस्टेंट फॉरेस्ट कंजर्वेटर : 15,600 - 39,100 रुपए प्रतिमाह

रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर : 9300 - 34,800 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाएं।

होम पेज पर दिए गए वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।

मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।

अब डिटेल दर्ज कर फॉर्म भरें और डाक्यूमेंट्स अपलोड करें।

फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट कर दें।

सोमवार, 24 जनवरी-2025 वित्त-वाणिज्य स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

देश के 8 दिग्गजों पर भारी पड़े मुकेश अंबानी 14,500 करोड़ रुपए से किया बड़ा खेल

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर करोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज पिछले हफ्ते देश की 8 दिग्गज कंपनियों पर भारी पड़ती हुई दिखाई दी।रिलायंस इंडस्ट्रीज जो देश की सबसे बड़ी कंपनी है ने अपने मार्केट कैप में सबसे ज्यादा 14500 करोड़ रुपए का इजाफा किया।वैसे एक कंपनी और रही जिसके मार्केट कैप में तेजी देखने को मिली।

बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 384 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली।खास बात तो ये है कि इन कंपनियों के मार्केट कैप में इजाफा ऐसे वक्त में देखा गया, जब शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है.दूसरी ओर देश की 8 कंपनियों के मार्केट कैप में करीब 1.66 लाख करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली है।जिसमें सबसे ज्यादा नुकसान देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को हुआ है।कंपनी के मार्केट कैप में 53 हजार करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली है।वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल के मार्केट कैप में 44 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है।आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और एलआईसी के मार्केट कैप में भी गिरावट देखने को मिली है।आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी को कितना नुकसान और कितना फायदा हुआ है।

देश के टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप की स्थिति

पिछले हफ्ते देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 53,185.89 करोड़ रुपए घटकर 13,69,717.48 करोड़ रुपए रह गया।

देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में शुमार भारती एयरटेल का मार्केट कैप 44,407.77 करोड़ रुपए घटकर 9,34,223.77 करोड़ रुपए पर आ गया।

देश का दूसरा सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 18,235.45 करोड़ रुपए घटकर 8,70,579.68 करोड़ रुपए रह गई।

देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 17,962.62 करोड़ रुपए घटकर 5,26,684.38 करोड़ रुपए पर आ गया।

देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 17,086.61 करोड़ रुपए घटकर 7,53,700.15 करोड़ रुपए रह गया।

देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनी आईटीसी की बाजार हैसियत 11,949.42 करोड़ रुपए घटकर 5,01,750.43 करोड़ रुपए पर

देश का सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक की 2,555.53 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 12,94,152.82 करोड़ रुपए रह गई।देश का सबसे बड़ा सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 401.61 करोड़ रुपए घटकर 6,43,955.96 करोड़ रुपए पर आ गया।

इस रुख के उलट देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 14,547.3 करोड़ रुपए बढ़कर 16,61,369.42 करोड़ रुपए पर पहुंच गया.देश की बड़ी कंपनियों में शुमार बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 384.33 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,20,466.75 करोड़ रुपए रही।

यूपी से 6,436 दिल्ली से 1,343, महाकुंभ के लिए इन राज्यों में चली इतनी ट्रेनें

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं।ऐसे में भारतीय रेलवे ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है।रेलवे ने महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए 14,000 से अधिक ट्रेनें चलाईं।महाकुंभ दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है।इसमें लगभग 3.6 करोड़ श्रद्धालुओं ने रेलवे की सेवाओं का इस्तेमाल किया है.

ये ट्रेनें शामिल

इन ट्रेनों में 92 प्रतिशत मेल, एक्सप्रेस, सुपरफास्ट, पैसेंजर और एमईएमयू सेवाएं शामिल थीं।इसके अलावा 472 राजधानी और 282 वंदे भारत ट्रेनें भी चलाई गईं।भारत के अलग-अलग राज्यों से श्रद्धालु रेलवे के माध्यम से कुम्भ क्षेत्र पहुंचे।इनमें सबसे अधिक ट्रेनें उत्तर प्रदेश से चलीं, जो कुल ट्रेनों का लगभग 50 प्रतिशत थीं।दिल्ली से 11 प्रतिशत, बिहार से 10 प्रतिशत और महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से 3-6 प्रतिशत ट्रेनें चलीं.

इतने श्रद्धालु ने किया यात्रा

ट्रेन से 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु यात्रा कर रहे थे।इस भीड़-भाड़ को संभालने के लिए भारतीय रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेनें चलाईं और यातायात को नियंत्रित किया, ताकि किसी भी प्रकार की भीड़-भाड़ और समस्याएं न हों।महाकुंभ के आयोजन के दौरान 13,667 ट्रेनें प्रयागराज और आसपास के स्टेशनों पर पहुंचीं।इनमें से 3,468 विशेष ट्रेनें कुम्भ क्षेत्र से, 2,008 अन्य स्थानों से और 8,211 नियमित सेवाएं थीं।प्रयागराज जंक्शन ने अकेले 5,332 ट्रेनों को संभाला है.रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड के वार रूम का दौरा किया और वहां से प्रयागराज से चलने वाली विभिन्न ट्रेनों की जानकारी ली।उन्होंने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष-सह-सीईओ, सत्येश कुमार को यात्रियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।प्रयागराज जंक्शन ने अकेले 5,332 ट्रेनों को संभाला है।472 राजधानी और 282 वंदे भारत ट्रेनें भी चलाई गईं.

गौतम अडानी ने हर घंटे दिया 6.63 करोड़ का टैक्स

बना दिया ये इतिहास

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी के ग्रुप ने टैक्स देने को लेकर बड़ा इतिहास रचा है।अडानी ग्रुप की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में 58 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का टैक्स जमा किया है।इसका मतलब है कि ग्रुप की ओर से हर घंटे 6.63 करोड़ रुपए का टैक्स चुकाया है।वैसे अडानी ग्रुप की कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 में 46,610 करोड़ रुपये का टैक्स कर्ज चुकाया था।इसका मतलब है कि उससे पहले वर्ष में अडानी ग्रुप की ओर से हर घंटे 5.32 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाया था आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अडानी ग्रुप की ओर से किस तरह की रिपोर्ट जारी की गई है।अडानी ग्रुप ने बताया कि भुगतान किए गए टैक्स में ग्लोबल टैक्स, शुल्क और अडानी पोर्टफोलियो की कंपनियों द्वारा वहन किए गए अन्य शुल्क, अन्य हितधारकों की ओर से जुटाए और भुगतान किया गया अप्रत्यक्ष कर योगदान और शुल्क और कर्मचारियों के लाभ के लिए सामाजिक सुरक्षा योगदान शामिल हैं।अरबपति गौतम अडानी की अगुवाई वाले ग्रुप ने वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024) के लिए अपनी टैक्स पारदर्शिता रिपोर्ट जारी की है।ग्रुप ने अपने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अडानी ग्रुप का कुल ग्लोबल टैक्स और राजकोष में अन्य योगदान 58,104.4 करोड़ रुपए था, जो लिस्टेड यूनिट्स के अपने पोर्टफोलियो के माध्यम से इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 46,610.2 करोड़ रुपए की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।ग्रुप की सात लिस्टेड कंपनियों – अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस और अंबुजा सीमेंट्स द्वारा प्रकाशित स्वतंत्र रिपोर्टों में इसका विवरण दिया गया है। इस आंकड़े में तीन अन्य लिस्टेड कंपनियों – एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज द्वारा चुकाया गया टैक्स भी शामिल है, जो सात कंपनियों के पास है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि भारत के खजाने में हम खुद को सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक मानते हैं कि हमारी ज़िम्मेदारी अनुपालन से कहीं बढ़कर है।यह ईमानदारी और जवाबदेही के साथ काम करने के बारे में भी है।हमारे देश के वित्त में हमारा हर एक रुपया पारदर्शिता और सुशासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि इन रिपोर्ट को स्वेच्छा से जनता के साथ साझा करके, हमारा उद्देश्य हितधारकों का भरोसा बढ़ाना और जिम्मेदार कॉरपोरेट आचरण के लिए नए मानक स्थापित करना है।

बर्कशायर की चौथी तिमाही में ऑपरेटिंग इनकम 71% बढ़ी

वॉरेन बफे का कैश-स्टॉक बढ़कर रिकॉर्ड 28.95 लाख करोड़ हुआ, दुनिया के 7वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी अरबपति और निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे आईएनसी की चौथी तिमाही में ऑपरेटिंग इनकम 71% बढ़ गई है। हाई इंटरेस्ट रेट्स की वजह से ग्रुप की इन्वेस्टमेंट इनकम बढ़ी है। कंपनी के इंश्योरेंस बिजनेस में भी सुधार हुआ है। साथ ही वॉरेन बफे का कैश स्टॉक यानी नकद भंडार लगातार 10वीं तिमाही में बढ़कर 2024 के आखिरी में रिकॉर्ड 334.2 बिलियन डॉलर यानी 28.95 लाख करोड़ रुपए हो गया है। बफे की कंपनी ने चौथी तिमाही में 6.7 बिलियन डॉलर (58,054 करोड़ रुपए) वैल्यू के शेयर्स बेचे थे।

दिसंबर तक बर्कशायर की ऑपरेटिंग इनकम 1.25 लाख करोड़ रही

ग्रुप ने शनिवार को एक स्टेटमेंट में कहा कि दिसंबर तक तीन महीनों में बर्कशायर की ऑपरेटिंग इनकम 14.53 बिलियन डॉलर यानी 1.25 लाख करोड़ रुपए हो गई। ऑपरेटिंग इनकम में यह ग्रोथ हाई इंटरेस्ट रेट्स के बीच इंश्योरेंस इन्वेस्टमेंट्स इनकम में 48% की बढ़ोतरी की वजह से हुई है। कंपनी की इंश्योरेंस इन्वेस्टमेंट्स इनकम 4.1 बिलियन डॉलर रही है।

कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2024 में 27% बढ़कर 4.11 लाख करोड़

वहीं कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2024 में 27% बढ़कर 47.44 बिलियन डॉलर यानी 4.11 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 37.35 बिलियन डॉलर (3.23 लाख करोड़ रुपए) था। चौथी तिमाही के ऑपरेटिंग प्रॉफिट ने भी एक रिकॉर्ड बनाया है। यह 71% बढ़कर 14.53 बिलियन डॉलर (1.25 लाख करोड़ रुपए) हो गया, जो एक साल पहले 8.48 बिलियन डॉलर (73,478 करोड़ रुपए) था।

2024 में कंपनी की नेट इनकम टोटल 7.71 लाख करोड़ रुपए रही

कंपनी की तिमाही में नेट इनकम टोटल 19.69 बिलियन डॉलर यानी 1.70 लाख करोड़ रुपए रही। वहीं बर्कशायर की एपल, अमेरिकन एक्सप्रेस और अन्य कंपनियों के शेयरों में हिस्सेदारी की वैल्यू भी बढ़ी है। 2024 में कंपनी की नेट इनकम टोटल 89 बिलियन डॉलर (7.71 लाख करोड़ रुपए) रही थी। वहीं इस दौरान कंपनी के इंश्योरेंस अंडरराइटिंग बिजनेस की ऑपरेटिंग इनकम 3.4 बिलियन डॉलर (29,460 करोड़ रुपए) हो गई। जीईआईसीओ बर्कशायर के इंश्योरेंस रिजल्ट्स में मैन कंट्रीब्यूटर था। जिसकी प्री-टैक्स अंडरराइटिंग इनकम 2024 में दोगुनी से ज्यादा बढ़कर 7.8 बिलियन डॉलर (67,586 करोड़ रुपए) हो गई। बर्कशायर ने कहा कि उसे पिछले महीने लॉस एंजिल्स के कई हिस्सों में लगी जंगल की आग से लगभग 1.3 बिलियन डॉलर (11,264 करोड़ रुपए) का प्री-टैक्स लॉस होने की उम्मीद है।

दुनिया के 7वें सबसे अमीर हैं वॉरेन बफे

फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के मुताबिक, वॉरेन बफे 13.03 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 7वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

एसईबीआई ने एक्सिस सिक्योरिटीज पर 10 लाख का जुर्माना लगाया

45 दिन के अंदर जुर्माना भरने का आदेश, स्टॉक ब्रोकर रूल्स और रेगुलेटरी नॉर्म्स का उल्लंघन किया था

मुंबई,23 फरवरी (एजेंसियां)। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी एसईबीआई ने एक्सिस सिक्योरिटीज लिमिटेड पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एक्सिस सिक्योरिटीज पर यह जुर्माना स्टॉक ब्रोकर रूल्स के साथ-साथ अन्य रेगुलेटरी नॉर्म्स का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है।कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी ने 82-पेज के एक आदेश में कहा कि ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज को 45 दिनों के अंदर जुर्माना भरना होगा। एसईबीआई ने कहा कि एक्सिस सिक्योरिटीज कई एरियाज में रेगुलेटरी नियमों का पालन करने में विफल रही। इनमें डिसक्रिपेंसीज को रिपोर्ट करना और क्लाइंट फंड को सही तरीके से हैंडल नहीं किया जाना शामिल है। एसईबीआई ने पाया कि एक्सिस सिक्योरिटीज के पास स्टॉक एचेंजों को रिपोर्ट किए जाने वाले एन्हांस्ड सुपरविजन और स्टॉक स्टेटमेंट्स में डिपॉजिटरी अकाउंट्स में वास्तवकि होल्डिंग्स की तुलना में इनकंसिस्टेंसीज थीं।एसईबीआई ने यह भी पाया कि एक्सिस सिक्योरिटीज ने क्लाइंट से हासिल प्रिफरेंस के अनुसार क्लाइंट के फंड और सिक्योरिटीज का सेटलमेंट नहीं किया। साथ ही अकाउंट डिटेल्स के साथ रिटेंशन स्टेटमेंट अवेलेबल कराने में भी विफल रही।इसके अलावा ब्रोकरेज फर्म ने अपफ्रंट/नॉन अपफ्रंट मार्जिन के कम कलेक्शन के लिए उस पर स्टॉक एचेंजों द्वारा लगाए गए जुर्माने को अपने क्लाइंट को पास कर दिया। एसईबीआई ने पाया कि ब्रोकरेज फर्म ने क्रेडिट बैलेंस वाले ग्राहकों की सिक्योरिटीज को क्लाइंट अनपेड सिक्योरिटीज अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया था। साथ ही ग्राहकों की शिकायतों का उचित तरीके से समाधान नहीं किया।

इन सभी कारणों के चलते एसईबीआई ने एक्सिस सिक्योरिटीज पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। यह आदेश एसईबीआई की ओर से अप्रैल 2021 से लेकर नवंबर 2022 तक की अवधि के लिए एक्सिस सिक्योरिटीज का इंस्पेक्शन करने के बाद आया है।

जनवरी में घरेलू एयरलाइंस में बढ़ गए करोड़ों यात्री

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में घरेलू हवाई यात्रा में वृद्धि जारी है, जनवरी 2025 में यात्री यातायात लगभग 1.5 करोड़ तक गया।आईसीआरए की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दिसंबर 2024 में यात्रियों की संख्या में आई 0.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और साल दर साल जनवरी 2024 से 14.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।घरेलू हवाई सेक्टर के लिए यह एक अच्छी खबर है।इसके अलावा, जनवरी 2025 के आंकड़े जनवरी 2020 के पूर्व-कोविड स्तर से 17.9% अधिक हैं।वित्त वर्ष 25 के पहले 10 महीनों (अप्रैल 2024 से जनवरी 2025) में घरेलू हवाई यात्री यातायात 1,372.1 लाख रहा, जो वार्षिक वृद्धि में 7.5% और वित्त वर्ष 20 की तुलना में 13% की वृद्धि है।पिछले कुछ सालों अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में भी मजबूत वृद्धि देखी गई है, जिसमें खासतौर पर जिसमें भारतीय एयरलाइंस ने वित्त वर्ष 25 के पहले नौ महीनों में 248.9 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया है।यह वार्षिक वृद्धि में 14.5% और पूर्व-कोविड के पहले के डेटा से 41.7% की बढ़ोतरी है.एयरलाइंस ने जनवरी 2025 में जनवरी 2024 के मुकाबले अपनी क्षमताओं में बढ़ोतरी की है।एयरलाइंस ने इस दौरान 10.8% की है।हालांकि, यह दिसंबर 2024 की तुलना में 1.2% कम था।घरेलू विमानन क्षेत्र ने जनवरी 2025 में 92.1% का यात्री लोड फैक्टर दर्ज किया, जो जनवरी 2024 में 89.2% और जनवरी 2020 में 85% था।

फ्यूल की कीमतों का एयरलाइंस पर असर

रिपोर्ट में भारत के विमानन सेक्टर में बढ़ोतरी का जिक्र किया गया है, जिसमें फ्यूल की कीमतों को भी एक अहम फैक्टर माना गया है।फ्यूल की कीमतें एयरलाइंस के लिए कुछ राहत प्रदान करती हैं।एविएशन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतें, अप्रैल-जुलाई 2024 के दौरान वार्षिक वृद्धि में 5.3% अधिक थी, लेकिन अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक वार्षिक वृद्धि में 14.7% कम थी।अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 की अवधि के लिए, एटीएफ की कीमतें पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.1% कम थी।

काम का हिसाब 48 घंटे में दीजिए

नहीं तो नौकरी से छुट्टी... मस्क ने सरकारी कर्मचारियों को दी चेतावनी

वाशिंगटन,23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी कारोबारी और डीओजीई डिपार्टमेंट प्रमुख एलन मस्क ने सरकारी कर्मचारियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कर्मचारियों से उनके काम का हिसाब-किताब मांगा है। इसके लिए उन्होंने दो दिन का समय दिया है। इस दौरान उन्हें बताना होगा कि उन्होंने पिछले हफ्ते क्या काम किया। हिसाब न देने वाले की नौकरी से छुट्टी कर दी जाएगी।

डीओजीई का काम सरकारी खर्चे में कटौती करना है।मस्क के आदेश के बाद लाखों संघीय कर्मचारियों के पास सिर्फ 48 घंटे हैं। उन्हें बताना है कि पिछले हफ्ते उन्होंने क्या काम किया। ये सब मस्क की उस मुहिम का हिस्सा है जिसमें वो सरकारी खर्च में कटौती करना चाहते हैं। मस्क इसे 'हर जगह बर्बादी' बताते हैं। मस्क ने हिसाब-किताब की जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की थी।मस्क ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देशों के अनुसार सभी संघीय कर्मचारियों को जल्द ही एक ईमेल मिलेगा। इसमें उनसे पूछा जाएगा कि उन्होंने पिछले हफ्ते क्या काम किया।' उन्होंने आगे लिखा, 'जवाब ना देने को इस्तीफा माना जाएगा।' इसके कुछ देर बाद ही कर्मचारियों को तीन लाइन का एक ईमेल मिला। इसमें लिखा था, 'कृपया इस ईमेल का जवाब देते हुए लगभग 5 बिंदुओं में बताएं कि आपने पिछले हफ्ते क्या काम किया। अपने मैनेजर को भी सीसी करें।' जवाब देने की आखिरी तारीख सोमवार रात 11:59 बजे है।ट्रंप प्रशासन के पहले महीने में ही हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। कुछ को बर्खास्त कर दिया गया है तो कुछ को रिटायरमेंट का प्रस्ताव दिया गया।

स्विगी के निवेशकों को लगी 50000 करोड़ की चपत

आईपीओ प्राइस से भी नीचे फिसला स्टॉक

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। देश की दिग्गज फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी के वैल्यूएशन में बड़ी गिरावट देखने को मिली है और यह अपने उच्चतम स्तर से 50 प्रतिशत कम हो गया है. इससे निवेशकों के 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गए हैं. नवंबर 2024 में आईपीओ आने के बाद स्विगी का वैल्यूएशन दिसंबर 2024 तक बढ़कर 1,32,800 करोड़ रुपये (16 अरब डॉलर) हो गया था. इसके बाद 21 फरवरी, 2025 तक यह गिरकर 81,527 करोड़ रुपये (9.82 अरब डॉलर) रह गया है, जो वैल्यूएशन में 51,273 करोड़ रुपये की गिरावट के दर्शाता है. कंपनी का वैल्यूएशन शेयर बाजार में लिस्टिंग के समय 12.7 अरब डॉलर था. स्विगी के शेयर की लिस्टिंग नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 420 रुपये और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 412 रुपये पर हुई थी. हालांकि, गिरावट के कारण अब शेयर 360 रुपये पर आ गया है. इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक स्विगी के शेयर में 33 प्रतिशत से अधिक की गिरावट हो चुकी है. वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में उम्मीद से कमजोर नतीजे पेश करने के कारण स्विगी के शेयर में गिरावट देखी जा रही है. कंपनी ने अक्टूबर-दिसंबर अवधि में 799.08 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था, जबकि पिछली तिमाही में यह 625.53 करोड़ रुपये पर था. शेयर में गिरावट की वजह आईपीओ के बाद शेयर पर लगने वाले लॉक-इन पीरियड का खत्म होना भी है. 29 जनवरी को 2.9 मिलियन शेयरों का अनलॉक खत्म हुआ था।इसके बाद 31 जनवरी को 300,000 शेयर और बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए थे. वहीं, सबसे अधिक 65 मिलियन शेयर 10 फरवरी को अनलॉक हुए थे. इसके अतिरिक्त 100,000 शेयर 19 फरवरी को अनलॉक हो गए. कोई बल्क डील नहीं होने के कारण 14 फरवरी को स्विगी का शेयर अपने ऑल-टाइम लो 323 रुपये पर पहुंच गया था. नवंबर 2024 में स्विगी अपना आईपीओ लेकर आई थी. कंपनी ने 390 रुपये के इश्यू प्राइस पर बाजार से पैसे जुटाये थे. लेकिन शेयर बाजार में गिरावट का असर स्विगी के स्टॉक पर पड़ा है तो साथ में फूड डिलिवरी और क्विक कॉमर्स में बढ़ते प्रतिस्पर्धा का भी कंपनी को सामना करना पड़ रहा है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	कुंभ मे
चंद्र-	धनु मे
मंगल	मिथुन मे
बुध-	कुंभ मे
गुरु-	वृष मे
शुक्र-	मीन मे
शनि-	कुंभ मे
राहु-	मीन मे
केतु-	कन्या मे

लग्नारंभ समय	
कुंभ....	06-01 बजे
मीन.....	07-40 बजे
मेष---	09-16 बजे
वृष---	11-00 बजे
मिथुन..	13-01 बजे
कर्क....	14-53 बजे
सिंह---	17-26 बजे
कन्या...	19-32 बजे
तुला....	21-38 बजे
वृश्चिक..	23-48 बजे
धनु......	02-01 बजे
मकर...	04-21 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत •2051, हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-41
सूर्यास्त - 18-18
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल •• पूर्व • कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- एकादशी . 13-45 तक उपरान्त द्वादशी
मास • फाल्गुन कृष्ण , सोमवार 24 February
नक्षत्र • पूर्वाषाढा 18-59 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग • सिद्धि 10-05 तक उप व्यतिपात
करण- बालव 13-45 तक उप कौलव
विशेष:- विजया एकादशी व्रत सर्वे
व्रत •त्योहार • मार्गी भौम

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
08:06 से 09:34 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:41 - 08:06	शुभ	चंचल	18:18 - 19:52	शुभ
काल	08:06 - 09:34	अशुभ	रोग	19:52 - 21:24	अशुभ
शुभ	09:34 - 11:02	शुभ	काल	21:24 - 22:57	अशुभ
रोग	11:02 - 12:29	अशुभ	लाभ	22:57 - 00:29	शुभ
उत्पात	12:29 - 13:57	अशुभ	उत्पात	00:29 - 02:01	अशुभ
चंचल.	13:57 - 15:25	शुभ	शुभ	02:01 - 03:34	शुभ
लाभ	15:25 - 16:52	शुभ	अमृत	03:34 - 05:06	शुभ
अमृत	16:52 - 18:18	शुभ	चंचल	05:06 - 06:41	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें । आप काफी उर्जान्वित महसूस हो रहे हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है । अपना काम कुशलता से पूरा करें और आपको भविष्य में इसका फल अवश्य मिलेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं । खुद को और अपने रवैये में बदलाव लायें फिर बेहतर नतीजे मिलेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं । आप अपने जीवन की कुछ विशेष घटनाओं के कारण निराश से हो गए हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा । आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिल पायेंगे जिसके विचार आपसे मिलते हों ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आरबीआई के पूर्व गवर्नर पीएमओ में क्या करेंगे?

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क))। भारत के केंद्रीय बैंक- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर पद से पिछले साल रिटायर हुए शक्तिकांत दास अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव-2 नियुक्त किए गए हैं। शनिवार को केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने इस पद के लिए उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। 11 सितंबर 2019 से लेकर अब तक पीके मिश्र इस पद पर बने हुए हैं। यानी अब शक्तिकांत दास और पीके मिश्र मिलकर प्रधानमंत्री कार्यालय में कई अहम जिम्मेदारियां निभाएंगे। ताजा आदेश के मुताबिक, शक्तिकांत दास की नियुक्ति पीएम मोदी के कार्यकाल या फिर अगले आदेश तक रहेगी।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर शक्तिकांत दास कौन हैं? उनका क्या अनुभव रहा है? रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर रहते हुए, उनके कौन से फैसलों ने आर्थिक स्तर पर भारत का परिदृश्य बदलने का काम किया? इसके अलावा प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के तौर पर अब उनकी क्या जिम्मेदारियां होंगी?

कौन हैं शक्तिकांत दास?

शक्तिकांत दास का जन्म 26 फरवरी 1957 को ओडिशा के भुवनेश्वर में हुआ था। उनकी पढ़ाई दिल्ली यूनिवर्सिटी से लेकर यूके की बर्मिंघम यूनिवर्सिटी तक में हो चुकी है। बाद में दास ने सिविल सेवा परीक्षा पास की और आईएएस बने। नौकरशाही में अपने 40 साल से भी लंबे करियर में शक्तिकांत दास ने तमिलनाडु सरकार से लेकर केंद्रीय सरकार में अहम जिम्मेदारियां निभाईं।

तमिलनाडु कैडर के 1980 बैच के आईएएस अफसर शक्तिकांत दास, दिसंबर 2018 में केंद्रीय बैंक के गवर्नर बने थे। वह पिछले साल दिसंबर में रिटायर हुए। वित्त मंत्रालय में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान, वह आठ केंद्रीय बजटों की तैयारी से सीधे तौर पर जुड़े रहे। कोरोनाकाल में देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने के बाद रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भी दास ने आरबीआई का नेतृत्व करते हुए मौद्रिक नीति को लेकर कई कड़े फैसले लिए, जिनके चलते भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में रही।

आरबीआई गवर्नर के तौर पर अपनी इन्हीं उपलब्धियों के चलते अमेरिकी मैगजीन ग्लोबल फाइनेंस ने शक्तिकांत दास को तीन बार दुनिया का सर्वश्रेष्ठ केंद्रीय बैंकर चुना गया। इनमें से दो बार उन्हें यह सम्मान लगातार मिला। 2024 के ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स में उन्हें A+ रेटिंग दी गई।

आरबीआई गवर्नर के तौर पर क्या रहीं उपलब्धियां?

नोटबंदी और जीएसटी को जमीन पर उतारने का श्रेय

नवंबर 2016 में जब सरकार ने अचानक 500 और 1000 के करेंसी नोटों को बंद कर दिया था, तब शक्तिकांत दास आर्थिक मामलों के सचिव थे। ऐसे में नोटबंदी की पूरी प्रक्रिया के दौरान उनकी अहम भूमिका रही। उस समय सरकार ने इस कदम को काले धन, भ्रष्टाचार और आतंकवाद के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उचित ठहराया। लेकिन कई लोगों ने आम आदमी को होने वाली परेशानी के लिए इस फैसले की आलोचना की। हालांकि, दास ने इस फैसले का बचाव किया और धीरे-धीरे हालात सामान्य करने का अभियान जारी रखा। शक्तिकांत दास ने अलग-अलग अप्रत्यक्ष करों का एक जीएसटी में विलय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह फैसला 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया। जीएसटी के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के साथ समन्वय बिठाने में दास की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटे

अधिशेष हस्तांतरण के मुद्दे पर आरबीआई और सरकार के बीच टकराव के बाद तत्कालीन गवर्नर उर्जित पटेल के अचानक इस्तीफे से बाजार हिल गया था। मिंट स्ट्रीट कार्यालय का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, दास ने अपनी कोशिशों से बाजार का भरोसा लौटाया। उन्होंने न केवल बाजार की चिंताओं को दूर किया, बल्कि सरकार के साथ अधिशेष हस्तांतरण से जुड़े मुद्दों को भी कुशलतापूर्वक सुलझाया। दास के आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालने के बमुश्किल एक साल बाद, कोविड ने दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया। एक प्रमुख आर्थिक नीति निर्माता के रूप में, दास को लॉकडाउन के कारण होने वाले व्यवधानों को प्रबंधित करने में चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ा। उन्होंने नीतिगत रेपो दर को 4 प्रतिशत के ऐतिहासिक निम्न स्तर पर लाने का विकल्प चुना, जिससे लगभग दो वर्षों तक कम ब्याज दर व्यवस्था जारी रही, ताकि लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित अर्थव्यवस्था को मदद मिल सके।

टकराव दूर कर सर्वाधिक लाभांश दिया

शक्तिकांत दास के आरबीआई का गवर्नर पद संभालने के बाद से आरबीआई की स्वायत्तता का मुद्दा फिर समाचारों की सुर्खियों में नहीं आया। दास अपने सहकर्मियों और मीडिया के साथ भी स्पष्ट और मिलनसार रहे हैं। वे एक आम सहमति वाले व्यक्ति हैं जिन्होंने दिल्ली के साथ अपने संचार माध्यमों को जीवंत बनाए रखा। इसी साल की शुरुआत में केंद्रीय बैंक ने सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक लाभांश दिया था।

पीएम मोदी के प्रधान सचिव-2 के रूप में क्या जिम्मेदारी निभाएंगे?

शक्तिकांत दास को जो पद सौंपा गया है, उसके तहत वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ सीधे तौर पर जुड़े रहेंगे। यह पद पीएम के निजी सचिव की तरह का पद है। यानी शक्तिकांत दास अब पीके मिश्र के साथ प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होंगे। आमतौर पर इस पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अफसर को ही नियुक्ति मिलती है। 2019 के बाद से पीएम के प्रधान सचिव को कैबिनेट मंत्री के बराबर का दर्जा हासिल है।

बताया जाता है कि लाल बहादुर शास्त्री ने प्रधानमंत्री के लिए निजी सचिव की नियुक्ति की शुरुआत की थी। बाद में इंदिरा गांधी ने इसे आधिकारिक तौर पर प्रधान सचिव का पद बना दिया। इस तरह पीएन हक्सर प्रधानमंत्री के पहले प्रधान सचिव बने। प्रधान सचिव आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रशासनिक प्रमुख की जिम्मेदारी निभाता है। हालांकि, उनकी जिम्मेदारी सिर्फ पीएमओ के कामों के प्रबंधन तक ही सीमित नहीं है। प्रधान सचिव घरेलू मामलों से लेकर विदेश नीति के मसलों पर प्रधानमंत्री को सलाह देने का काम करते हैं। इसके अलावा वे प्रधानमंत्री के निर्देश पर अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों के कामों की भी निगरानी करते हैं। प्रधान सचिव पीएमओ में आने वाले दस्तावेजी कार्यक्रमों से लेकर अधिकारियों के कामों का भी रिकॉर्ड रखते हैं। इसके अलावा वे प्रधानमंत्री को भेजे जाने वाली अलग-अलग मंत्रालयों की फाइल्स और निर्देशों को सीधा पीएम तक पहुंचाने का काम भी करते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गृहग्राम में किया मतदान
बोले- जनता का विश्वास हमारी सरकार पर

जशपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अपने गृहग्राम बगिया के बूथ क्रमांक 45 में माता जसमनी देवी और परिवार के साथ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में मतदान किया। उन्होंने जनता से भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। सीएम साय सुबह 11:35 बजे हेलीकॉप्टर से बगिया हेलीपैड पहुंचे। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय और बेटी भी मौजूद थीं।

मतदान के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश में सभी चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हो रहे हैं और जनता का भरोसा उनकी सरकार पर लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, "महिलाओं का हमें लगातार आशीर्वाद मिल रहा है। लोकसभा, विधानसभा, नगरीय निकाय और अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी जनता ने भारतीय जनता पार्टी को भरपूर समर्थन दिया है।"

मतदान के बाद मुख्यमंत्री साय अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोगड़ा आश्रम के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वे जशपुर के रणजीता स्टेडियम में स्व. दिलीप सिंह जूदेव मेमोरियल ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला देखने पहुंचे। यहां से वे हेलीकॉप्टर से रायपुर के लिए रवाना होंगे। प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतिम चरण का मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो रहा है, जिसमें मतदाता बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

जैक मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक केस
क्यों उलझ गया है मामला ? देवघर से पॉल्ट्री फार्म संचालक पुलिस हिरासत में

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मैट्रिक परीक्षा का हिंदी और विज्ञान विषय का पेपर लीक होने का मामला जल्द सुलझता नहीं दिख रहा है. पेपर लीक होने के मामले का खुलासा प्रभात खबर द्वारा किये जाने के बाद पुलिस प्रशासन की टीम रेस तो हुई है, पर पेपर कहां से और कैसे लीक हुआ, इसका पता नहीं चल पा रहा है. पुलिस इसका पता लगाने का प्रयास कर रही है. इस बीच पुलिस ने देवघर के मधुपुर से कथित प्रिंस नामक युवक को हिरासत में लिया है.

प्रिंस की भूमिका सामने आने से मामला उलझा

हिरासत में लिया गया शख्स मूल रूप से चतरा का रहने वाला है. वह मूल रूप से चतरा का

रहने वाला है और देवघर में अपने मामा के यहां रहकर पॉल्ट्री फार्म चलाता है. हालांकि, उसके पकड़े जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है. फिलहाल पुलिस प्रिंस से पूछताछ की जा रही है. जैक पेपर लीक होने के मामले में अब तक तीन कथित प्रिंस की भूमिका सामने आने से मामला और उलझ गया है.

कोडरमा पुलिस ने दो आरोपियों को किया है गिरफ्तार

पुलिस कथित प्रिंस सर कौन है इसका पता लगाने का भी प्रयास कर रही है. बता दें कि कोडरमा पुलिस ने अब तक इस मामले में ऑन रिकार्ड दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इसमें मरकच्चों के जम्मू निवासी प्रशांत कुमार शाह उर्फ प्रिंस और हरलाडीह निवासी आशीष साव शामिल है. पुलिस इस मामले में मरकच्चो निवासी मूक बिधर युवक जो फिलहाल कर्नाटक में है, उसकी भी भूमिका संदिग्ध मानकर चल रही है. इस युवक का नाम भी प्रिंस है. ऐसे में इस मामले में तीन प्रिंस की भूमिका आने से मामला उलझ गया है. देवघर से पकड़ाया कथित प्रिंस पहले से गिरफ्तार प्रशांत का मौसेरा भाई है.

अंतिम चरण के चुनाव से पहले सरपंच पद के प्रत्याशी की मौत
उपचार के दौरान अस्पताल में गई जान

रायगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तीसरे और अंतिम चरण के चुनाव से पहले तमनार क्षेत्र के एक गांव से सरपंच पद के लिए चुनावी मैदान में उतरे एक प्रत्याशी की आज उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक रायगढ़ जिले में 23 फरवरी को पंचायत चुनाव के आखरी चरण का मतदान होना हैं जिसमे लैलूंगा, तमनार और घरघोड़ा ब्लॉक के 175 ग्राम पंचायतों के 2.18 लाख मतदाता इस चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों को वोट देंगे।

इसके लिए जिला प्रशासन के द्वारा पूरी तैयारी करते हुए 435

मतदान केंद्र बनाया गया हैं। आज होने वाले चुनाव से पहले ही कल तमनार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गारे पंचायत से सरपंच पद के प्रत्याशी चतुर सिंह सिदार का एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

बताया जा रहा हैं की चतुर सिंह सिदार दो बार गारे पंचायत के सरपंच रह चुके थे और इस बार भी वे चुनावी मैदान उतरे थे, और स्थित भी मजबूत मानी जा रही थी। बताया यह भी जा रहा है कि पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में कल 23 फरवरी को गारे पंचायत में सरपंच पद के लिए मतदान होना है।

अभी तक तमनार जनपद के 61 ग्राम पंचायतों के 2 ग्राम पंचायतों में निर्विरोध सरपंच का चुनाव हो चुका है ! शेष बचे 59 ग्राम पंचायतों में सरपंच और पंच पद के लिए आज मतदान होने वाला है। चतुर सिंह सिदार पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

छत्तीसगढ़ की सियासत से दूर होंगे भूपेश बघेल?
अटकलों के बीच पूर्व सीएम ने दे दिया जवाब

रायपुर23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। भूपेश बघेल को कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है इसके साथ ही उन्हें पंजाब का प्रभार भी सौंपा गया है। भूपेश बघेल के राष्ट्रीय राजनीति में जाने से छत्तीसगढ़ की सियासत में अटकलों का दौर शुरू हो गया है। यह अटकलें लगाई जा रही है कि भूपेश बघेल पर अब राज्य की राजनीति से हट जाएंगे। इसके साथ यह भी अटकलें लगाई जा रही हैं कि अब वह छत्तीसगढ़ से ज्यादा पंजाब और दिल्ली में एक्टिव रहेंगे।

भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सीनियर नेता हैं। वह राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। भूपेश बघेल इस समय दुर्ग जिले की पाटन विधानसभा सीट से विधायक हैं।

कांग्रेस ने उनकी लोकप्रियता को भुनाने के लिए उन्हें राजनांदगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाया था हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी मिलने के बाद सियासी गलियारों में यह चर्चा है कि क्या भूपेश बघेल अब राष्ट्रीय राजनीति पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे और छत्तीसगढ़ को कम समय देंगे।

भूपेश बघेल को क्यों मिली है जिम्मेदारी

भूपेश बघेल ओबीसी वर्ग से आते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना को लेकर लगातार बयान दे रहे हैं। ऐसे में ओबीसी चेहरे को राष्ट्रीय राजनीति में लगाकर कांग्रेस ने ओबीसी वोटर्स को साधने की कोशिश की है। ओबीसी चेहरे को केंद्र में लागातर कांग्रेस पूरे देश में जातिगत समीकरण साधने की कोशिश में लगी है।

प्रदेश संगठन में हो सकता है बदलाव

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव में हार के बाद यह अटकलें लग रही हैं कि शीर्ष नेतृत्व जल्द ही राज्य के संगठन में बदलाव कर सकता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को हटाकर टीएस सिंहदेव को पीसीसी चीफ बनाया जा सकता है। इसके अलावा कई सीनियर नेताओं ने शीर्ष नेतृत्व के सामने यह मांग की है कि राज्य में जागतिगत समीकरण को साधने के लिए आदिवासी नेता को छत्तीसगढ़ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया जाए।

प्रदेश में सक्रियता को लेकर क्या बोले भूपेश बघेल

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनने और छत्तीसगढ़ की सियासत में सक्रियता को लेकर भूपेश बघेल ने जवाब दिया था। भूपेश बघेल ने कहा था कि 'मैं छत्तीसगढ़

नहीं छोड़ रहा हूं, किसी को खुश होने की जरूरत नहीं है। मेरी राष्ट्रीय राजनीति में सक्रियता का असर छत्तीसगढ़ की राजनीति पर नहीं पड़ेगा।'

बीजेपी ने जारी किया था पोस्टर

भूपेश बघेल को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी मिलने पर बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया था। बीजेपी ने इस पोस्टर में दिखाया था कि भूपेश बघेल अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर छत्तीसगढ़ से बाहर जा रहे हैं।

भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत, कुंभ से लौट रहे सात लोग
एनएच पर ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो

कैमूर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के कैमूर जिले में भीषण सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोगों की हालत गंभीर है। सभी लोग कुंभ स्नान कर प्रयागराज से लौट रहे थे। कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली के पास एनएच 19 पर खड़े कंटेनर ट्रक में इनकी स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीन लोगों की मौके पर ही मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चार लोगों की हालत गंभीर है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर,

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

चार लोग घायल हो गए

पुलिस और एनएचएआई की टीम सभी घायलों को उपचार कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरा पहुंचाया जहां से सभी को सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया गया। कैमूर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली से कोलकाता जोड़ने वाली एनएच दो पर सड़क हादसे में तीन की मौत जबकि चार घायल हुए हैं। वहीं सभी शव पोस्टमार्टम के लिए भभुआ भेज दिया गया घायल व्यक्ति को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दो की पहचान नहीं हुई

मरने वालों में एक की पहचान लखीसराय जिले के एटा गांव निवासी नारायण मंडल की पत्नी मीरा देवी (50) के रूप में हुई। दो अन्य मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

घायलों में धनबाद के सीकरी गांव निवासी सुभाष कुमार की पत्नी सूची देवी (55), स्कॉर्पियो चालक जमुई निवासी मोहम्मद कौशल (52), धनबाद के सीकरी गांव के रंजीत पासवान की पत्नी सुधा देवी (35) और लखीसराय के एटा गांव निवासी नारायण मंडल की बेटी सोनी कुमारी (22) शामिल है। घटना के बाद पुलिस ने मरने वाले के परिजनों को सूचना दे दी है। आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

शिव बारात पर सीएम सोरेन ने दिया सुरक्षा इंतजामों पर जोर

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड स्थित उनके आवासीय कार्यालय में श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी 26 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाली भव्य शिव बारात में सम्मिलित होने का सादर आमंत्रण दिया।

महाशिवरात्रि की तैयारियों पर हुई चर्चा

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महासमिति के सदस्यों से शिव बारात के आयोजन को लेकर हो रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने शिव बारात के सफल आयोजन के लिए जरूरी व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही।

मुख्यमंत्री को सपरिवार आमंत्रण

महासमिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से सपरिवार शिव बारात में शामिल होने का विनम्र आग्रह किया। उन्होंने बताया कि हर साल पहाड़ी मंदिर में आयोजित यह शिव बारात भक्ति और उत्साह का अनोखा संगम होती है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस अवसर पर श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष राजेश साहू सहित दयाशंकर शर्मा, राजकुमार तनेजा, दीपक नंदा, राजीव वर्मा, शुभाशीष चटर्जी, राम सिंह, बादल सिंह और अन्य लोग मौजूद रहे।

पेरू में भरभराकर ढह गई शॉपिंग मॉल की छत

6 की मौत घायल हुए 78 लोग

लीमा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पेरू में एक शॉपिंग मॉल के फूड कोर्ट की छत गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 78 अन्य लोग घायल हो गए। देश के रक्षा मंत्री ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। फूड कोर्ट मॉल में वह जगह होती है जहां विभिन्न रेस्तरां एवं भोजनालय होते हैं। ढही हुई छत का एरिया 700 से 800 वर्ग मीटर था। हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रजिलो शहर में स्थित 'रियल प्लाजा ट्रूजिलो' शॉपिंग मॉल में लोहे से बनी भारी छत वहां मौजूद लोगों पर गिर गई। रक्षा मंत्री वाल्टर एस्टुडिलो ने संवाददाताओं को बताया कि स्थानीय अग्निशमन कर्मियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इमारत ढहने के बाद पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एस्टुडिलो ने बताया कि 30 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है और 48 अब भी अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। मंत्री ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। स्थानीय अग्निशमन विभाग के प्रमुख लुइस रोन्कल ने बताया कि बचाव एवं राहत कार्य जारी है। इस बीच, ट्रजिलो के मेयर मारियो रेयना ने जोखिम को देखते हुए मॉल को बंद करने का ऐलान किया है। इस घटना के बाद से पूरे देश में शोक की लहर है।

हस्तशिल्प की दुकान में लगी आग लाखों का सामान जलकर खाक

हरिद्वार, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नगर कोतवाली क्षेत्र में हैंडीक्राफ्ट की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार, घटना देर रात की है। जब अपर रोड पर एक हैंडीक्राफ्ट की दुकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते अग्रल रूप लिखो और अंदर रखा सामान जल उठा। आग की लफ्ट देखकर आसपास के लोगों में भी अपरा तफरी की स्थिति मच गई। सूचना पर नगर कोतवाल कुंदन सिंह राणा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के साथ आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए गए। इसके बाद अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाना शुरू किया। देर रात तक आग पर काबू पाने की कोशिश जारी थी। बताया जा रहा है कि आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। अग्निशमन अधिकारी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि टीम मौके पर भेजी गई है। आग लगने का कारणों की जांच की जा रही है।

फ्रांस में 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाते हुए चाकू से हमला, एक की मौत

मुलहाउस, 23 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के मुलहाउस शहर में एक प्रदर्शन के दौरान हुए चाकू हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए, जिनमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस हमले को इस्लामी आतंकवादी कृत्य करार दिया है। यह घटना फ्रांस में आतंकवाद से जुड़े हालिया हमलों से जुड़ी नई घटना है। 'द एसोसिएट प्रेस' के मुताबिक, यह हमला उस समय हुआ जब मुलहाउस में कांगो के समर्थन में एक प्रदर्शन हो रहा था। फ्रांस के अभियोजक निकोलस हेइट्ज ने बताया कि हमलावर ने अल्लाहु-अकबर का नारा लगाते हुए चाकू से हमला किया। 37 वर्षीय संदिग्ध आतंकवादी निगरानी सूची (एफएसपीआरटी) में था। एफएसपीआरटी) सूची 2015 में चार्ली हेब्दो और एक यहूदी सुपरमार्केट पर हुए हमलों के बाद बनाई गई थी। इसका मकसद उन व्यक्तियों की निगरानी करना है जिनके कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल होने की आशंका होती है।

हमलावर को मिला था फ्रांस से निष्कासन का आदेश

अल्जीरिया में जन्मे इस संदिग्ध को न्यायिक निगरानी में रखा गया था और उसे फ्रांस से निष्कासन का आदेश मिला हुआ था। घटना के बाद, पुलिस ने तुरंत सुरक्षा घेरा बनाया और स्थिति को कंट्रोल में लिया। अभियोजक हेइट्ज ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी को गंभीर रूप से गर्दन की धमनी (कैरोटिड धमनी) में चोट लगी है, जबकि दूसरे को छाती में घाव आए हैं।

फ्रेंच एजेंसी ने की आतंकवादी हमले की पुष्टि

फ्रांस की राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी अभियोजक इकाई (पीएनएटी) ने इस हमले की जांच अपने हाथ में ले ली है। मुलहाउस की मेयर मिशेल लुत्ज़ ने इस घटना को डरावना करार दिया और बताया कि अब जांच के बाद ही इस घटना के आतंकवादी कृत्य होने की आधिकारिक पुष्टि की जाएगी।

कौन हैं नताली हार्प जो ट्रंप के लिए जेल भी जाने को तैयार थीं

राष्ट्रपति के लिए दीवानगी बनी सीक्रेट सर्विस की चिंता

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी न किसी वजह से हमेशा चर्चा में रहते हैं। अब अमेरिकी पत्रकार माइकल वोल्फ की नई किताब 'सब कुछ या कुछ भी नहीं: ट्रम्प ने अमेरिका पर कैसे पुनः कब्ज़ा किया में उनको लेकर एक खुलासा हुआ है। उनकी किताब में 33 साल की नताली हार्प का जिक्र किया गया है, जिन्हें ट्रम्प की करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। बता दें कि नताली हार्प' चार्लीज एंजेल्स' नामक महिला सहयोगियों के समूह का हिस्सा थीं, जिनके साथ ट्रम्प का व्यवहार 'फ्लर्टिंग से भरा' था।

सीक्रेट सर्विस को ट्रंप की चिंता

नताली हार्प की उनके प्रति दीवानगी इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि इसको लेकर सीक्रेट सर्विस को चिंता सताने लगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हार्प ने ट्रंप को कई पत्र लिखे हैं, जिनमें से एक में उन्होंने लिखा था- 'आप ही मेरे लिए सब कुछ हैं।' वोल्फ के मुताबिक, हार्प का ट्रम्प के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि जब उन्हें ट्रंप से मिलने नहीं दिया जाता, तो वह गुस्से में आ जाती थीं। इस वजह से सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें ट्रंप की सुरक्षा में जोखिम माना। हालांकि, ट्रंप ने उनकी इन सब बातों को खारिज कर दिया है और ट्रंप ने कहा,'यह बकवास है।।। वह बस अपने राष्ट्रपति से प्यार करती हैं।'

कोर्ट में ट्रम्प के पीछे ही बैठती थीं हार्प

यहां तक कि हार्प, ट्रंप के मुकदमे के दौरान कोर्ट में उनके पीछे बैठती थीं। उन्होंने ट्रम्प के लिए एक पोर्टेबल प्रिंटर भी रखा था, जिससे वह लगातार उनकी तारीफ में छपी खबरें निकालकर उन्हें सौंपती थीं। जब एक बार ट्रंप पर जज ने मीडिया में बयानबाजी पर रोक लगा दी थी तो, तब हार्प ने कहा था, 'मैं उनके बयान अपने नाम से पोस्ट कर दूंगी। मुझे जेल भी जाना पड़े तो मैं जाऊंगी।' वहीं ट्रम्प के बेटे एरिक ट्रम्प ने भी इस मुद्दे पर संदेह जताया है और उन्होंने इस समस्या का समाधान करने के लिए कानूनी टीम से सवाल-जवाब भी किए। वोल्फ ने इस मामले में कहा, सीक्रेट सर्विस ने इस मामले में हस्तक्षेप किया , लेकिन कोई भी ट्रंप को यह बताने की हिम्मत नहीं कर पाया है।

ट्रंप का जवाब?

रिपोर्ट के अनुसार, हार्प ने वॉर्डरोब पर ज्यादा से ज्यादा से खर्च किया, क्योंकि ट्रंप ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा कैमरे के सामने आने के लिए कहा था। साथ ही वह ट्रंप के ट्रूथ सोशल मीडिया पोस्ट भी लिखने लगी थीं। इस किताब में किए गए कई बड़े खुलासों को ट्रंप कैंप ने नकार दिया है।

हिमाचल के मंडी में भूकंप के झटके, दहशत में घरों से निकले लोग; रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी तीव्रता

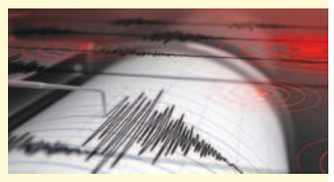

मंडी, 23 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई। जमीन के अंदर इसकी गहराई 5 किलोमीटर रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, सुबह 8:42 बजे हल्के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र सुंदरनगर का किआरगी रहा। जिन लोगों को झटके महसूस हुए वे अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, तीव्रता कम होने की वजह से ज्यादातर लोग इन्हें महसूस नहीं कर पाए। बता दें कि चंबा, शिमला, कुल्लू, लाहौल स्पीति, कांगड़ा, किन्नौर व मंडी के कई क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील जोन-5 में आते है। इसलिए यहां बार-बार भूकंप आता रहता है।

वैज्ञानिकों से भी आगे निकला एआई! 48 घंटे में कर दिया सालों से लटका काम

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आज के समय में आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस लोगों के काफी काम आ रहा है और उसकी मदद से लोग अपना काम काफी हद तक आसान भी कर रहे हैं। इस तरह एक नए एआई टूल ने महज 48 घंटों में सुपरबग के रहस्य को सुलझाकर वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रोबायोलॉजिस्ट इस जटिल मुद्दे को करीब एक दशक से भी ज्यादा समय से समझने की कोशिश में लगे थे। इंपीरियल कॉलेज लंदन के प्रोफेसर जोस पेनाडेस और उनकी टीम ने कई साल इस बात की जांच में लगाए कि सुपरबग एंटीबायोटिक दवाओं से क्यों प्रतिरक्षित है। इसके बाद पेनाडेस ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए गूगल के एआई टूल को-साइंटिस्ट को देने का फैसला किया।

इस एआई ने सिर्फ 48 घंटों में ही निष्कर्ष पर पहुंचा दिया जो काफी ज्यादा आश्चर्यचकित करने वाली चीज है। इस मामले में सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह थी कि, यह शोध अभी प्रकाशित नहीं हुआ था, जिसका मतलब एआई इसे सार्वजनिक डोमेन से एक्सेस नहीं कर सकता था। पेनाडेस और उनके शोधकर्ताओं की टीम कुछ सुपरबग, हानिकारक बैक्टीरिया के निर्माण पर विचार कर रही थी जो एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हैं। यह शोध पेनाडेस की टीम के लिए काफी आश्चर्यचकित करने वाला था। जब टीम ने गूगल के एआई टूल से इसका परिक्षण किया तो सिर्फ दो दिनों में उनके शोध की पुष्टि हो गई, जो उनके निष्कर्षों से पूरी तरह मेल खाता था।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया के अस्पताल में फायरिंग कई लोग घायल, पुलिस ने गनमैन को मार गिराया

पेंसिल्वेनिया, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के सेंट्रल पेंसिल्वेनिया के एक अस्पताल में कई राउंड फायरिंग हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। हालांकि पुलिस ने मुठभेड़ में हमलावर को मार गिराया। ये यह घटना यूपीएमसी मेमोरियल अस्पताल में हुई है। इस घटना की जानकारी पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर दुख भी जताया है।

सोशल मीडिया पर कही ये बात

पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने कहा, मुझे यॉर्क काउंटी के यूपीएमसी मेमोरियल अस्पताल में हुई दुखद गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है और मैं घटनास्थल की ओर जा रहा हूं। अस्पताल अब सुरक्षित है और पुलिस के सदस्य हमारे स्थानीय और संघीय सहयोगियों के साथ मिलकर घटनास्थल पर मौजूद हैं। उन्होंने आगे कहा, स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और उस क्षेत्र से दूर रहें। जैसे ही अधिक जानकारी उपलब्ध होगी, हम उसे साझा करेंगे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में पुलिस की गाड़ी अस्पताल के पास आती दिखाई दे रही है और लोग परिसर से भाग रहे हैं। गोली चलने के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी में दो कानून प्रवर्तन अधिकारी और एक नर्स घायल हो गए। अस्पताल के एक अधिकारी के हवाले से कहा, एक बंदूकधारी अस्पताल में था और उसने गोलियां चलाईं। अस्पताल प्रशासन ने कहा, अस्पताल अब सुरक्षित है और खतरा समाप्त हो गया है। यॉर्क स्थित यूपीएमसी मेमोरियल के अधिकारियों ने बताया कि कोई भी मरीज घायल नहीं हुआ है और बंदूकधारी मारा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं तथा स्थिति को नियंत्रित कर रही हैं।

चीन के वैज्ञानिकों ने नए कोरोना वायरस का पता लगाया, जानें यह वाला कितना खतरनाक है

बीजिंग, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कोरोना वायरस के प्रकोप से दुनिया अभी पूरी तरह उबर भी नहीं पाई है कि चीन से एक और परेशान करने वाली खबर आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन के विषाणु विज्ञानियों की एक टीम ने चमगादड़ों में होने वाले एक नए कोरोना वायरस का पता लगाया है। मीडिया में आई एक खबर के मुताबिक, खतरनाक बात यह है कि ये वायरस मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकता है। इस अध्ययन का नेतृत्व विवादास्पद 'वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी' यानी कि डब्लूआईवी के चीनी विषाणु विज्ञानी शी झेंगली ने किया था। कहा जाता है कि डब्लूआईवी से ही कोविड-19 दुनियाभर में फैला था। चमगादड़ों से पैदा होने वाले वायरस पर अपने रिसर्च के लिए 'बैट वूमन' के नाम से मशहूर शी और चीन की सरकार भी इस बात से इनकार करती है कि वायरस डब्लूआईवी से फैलना शुरू हुआ था। सबसे नया वायरस 'एचकेयू5' कोरोना वायरस का नया रूप है, जो पहली बार हांगकांग में जापानी पिपिस्ट्रेल चमगादड़ में पहचाना गया था। हांगकांग में स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के मुताबिक, यह नया वायरस 'मेरबेकोवायरस' उपस्वरूपों से निकला है, जिसमें मध्य पूर्व श्वसन सिंड्रोम (मर्स) का कारण बनने वाला वायरस भी शामिल है। खबर के मुताबिक, मंगलवार को 'सेल' नाम की मैगजीन में छपी एक स्टडी में शी की अध्यक्षता वाली विषाणु विज्ञानियों की टीम ने लिखा, 'हमें एचकेयू5-सीओवी की एक अलग वंशावली (वंश 2) की पहचान की है,

'शांति स्थापना का आधार बन रहा भारत', जीन-पियरे बोले- संयुक्त राष्ट्र के लिए भारतीय महिला सैनिक बेहद जरूरी

संयुक्त राष्ट्र, 23 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुख जीन-पियरे लैक्रोइक्स ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना का आधार बना हुआ है। भारत की महिला शांति सैनिकों ने यह साबित किया है कि महिलाओं की अधिक भागीदारी वाले मिशन बेहतर परिणाम देते हैं और स्थायी शांति में मदद करते हैं। लैक्रोइक्स इस सप्ताह भारत में आयोजित 'शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका को बढ़ानाः एक वैश्विक दक्षिण अनुभव' सम्मेलन में भाग लेने के लिए आएंगे। यह सम्मेलन 24-25 फरवरी को आयोजित होगा। लैक्रोइक्स ने एक साक्षात्कार में कहा, 'भारत शांति स्थापना की आधारशिला बना हुआ है और भारतीय महिला शांति सैनिक शांति स्थापना को नए तरीके से परिभाषित कर रही हैं।' उन्होंने कहा कि भारत में सम्मेलन में भाग लेना एक 'विशेषाधिकार' है। लैक्रोइक्स ने कहा कि इस सम्मेलन में लगभग 50 देशों की महिला अधिकारी एकत्र होंगी, जो शांति स्थापना में चुनौतियों और महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'शांति स्थापना में अधिक महिलाओं का होना, अधिक प्रभावी शांति स्थापना का मतलब है।' भारत हमेशा से शांति स्थापना मिशनों में महिलाओं, शांति और सुरक्षा को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है। भारत ने न केवल शीर्ष सैन्य और पुलिस योगदानकर्ता के रूप में, बल्कि लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने में भी अग्रणी रहा है। लैक्रोइक्स ने यह भी बताया कि भारतीय महिला शांति सैनिकों की मौजूदगी से मिशन की सफलता में मदद मिलती है। वे स्थानीय महिलाओं के साथ मजबूत संबंध बनाती हैं, जिससे सामुदायिक विश्वास बढ़ता है। उदाहरण के लिए, अबेई में, भारतीय महिला शांति सैनिकों ने सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण

ट्रंप-मेलोनी-मोदी बोलते हैं तो लोकतंत्र को खतरा कहा जाता है वामपंथियों पर जमकर बरसीं इटली पीएम मेलोनी

वाशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। डीसी में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी वामपंथियों पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि आज, जब ट्रंप, मेलोनी, मिल्ले और मोदी बोलते हैं, तो वामपंथी विचारधारा के लोगों और उनके लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह वाकई में दोहरा मापदंड है। लेकिन, हम इसके आदी हो चुके हैं और अच्छी बात यह है कि लोग अब उनके झूठ पर विश्वास भी नहीं करते हैं। भले ही वे हम पर कितना ही कीचड़ क्यों न उछालें। हमारे देश के नागरिक हमें ही वोट देते हैं। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीत से वामपंथी घबरा गए हैं। उन्होंने उदारवादियों पर पाखंड करने का आरोप लगाया। मेलोनी ने कहा कि उदारवादी संगठन के लोग वैश्विक रूढ़िवादियों पर गलत तरीके से लोकतंत्र के लिए खतरा बता रहे हैं। वीडियो क्रॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मेलोनी ने ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की सराहना भी। वहीं सत्ताधारी और वामपंथी राजनेताओं की कड़ी आलोचना की।

हम लोगों की सेवा करते हैं उनपर शासन नहीं

मेलोनी ने जेडी वेंस का भी बचाव किया, जिन्हें म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में अपने भाषण के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा था कि यूरोप का सबसे बड़ा खतरा अंदर से है। मेलोनी ने इस प्रतिक्रिया को खारिज करते कहा कि उदार अभिजात वर्ग रूढ़िवादियों को पहचानने और लोकतंत्र के बारे में खुलकर बोलने से असहज थे। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति वेंस कुछ गहरी बात पर चर्चा कर रहे थे। ये गहरी बातें पहचान, लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ी हुई थीं। सीपीएसी में मेलोनी की भागीदारी इटली के विपक्षी नेताओं की ओर से उनकी उपस्थिति को रद्द करने के बीच हुई। यह विवाद ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन के कार्यक्रम में दिए गए भाषण के बाद हुआ। इसके दौरान वे नाजी शैली की सलामी देते दिखाई दिए। डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता एली श्लेन ने सीपीएसी की नव-फासीवादी सभा के रूप में निंदा की और मेलोनी से इससे अलग होने का आग्रह किया।

ओडिशा विश्वविद्यालय में छात्रा की मौत पर नेपाल सख्त

विदेश मंत्री ने सीएम मोहन मांझी से की बात, की बड़ी मांग

काठमांडू, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने ओडिशा विश्वविद्यालय में एक नेपाली छात्रा की मौत से संबंधित मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया। उन्होंने कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) के निलंबित कर्मचारियों को बर्खास्त करने की भी मांग की, जिन्होंने 16 फरवरी को 20 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा की कथित आत्महत्या के बाद नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया था।

नेपाली विदेश मंत्री ने क्या कहा

देउबा ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से टेलीफोन पर बातचीत के दौरान ये अनुरोध किए। देउबा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आज मैंने ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, जिसमें केआईआईटी, ओडिशा में नेपाली छात्रा प्रकृति लाम्साल की मौत और उसके बाद की स्थिति से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

नेपाली विदेश मंत्री ने क्या डिमांड की

मंत्री ने कहा कि उन्होंने माझी से मौत से संबंधित मामले की निष्पक्ष जांच करने, दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और नेपाली छात्रों की कक्षाएं फिर से शुरू कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, हालांकि नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले केआईआईटी के कुछ कर्मचारियों और शिक्षकों को निलंबित करने की कार्रवाई की गई है, लेकिन मैंने उनसे उन्हें स्थायी रूप से नौकरी से हटाने का अनुरोध किया है।

नेपाली अधिकारी कर रहे मामले की निगरानी

देउबा ने मुख्यमंत्री से कॉलेज द्वारा गठित जांच समिति और जांच की निगरानी के लिए नयी दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास द्वारा नियुक्त राजनयिकों के साथ समन्वय करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री माझी ने मुझे आश्वासन दिया है कि ओडिशा सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है और घटना की जांच के लिए गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने प्रकृति को न्याय दिलाने और अपराधी को दंडित करने के उद्देश्य से अपना काम शुरू कर दिया है।

मोहन मांझी ने नेपाली विदेश मंत्री को किया आश्वस्त

देउबा ने कहा कि माझी ने उन्हें सूचित किया कि ओडिशा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी कि नेपाली छात्र सुरक्षित वातावरण में अपनी कक्षाएं फिर से शुरू कर सकें। उन्होंने कहा, नेपाली विदेश मंत्रालय और नयी दिल्ली में स्थित नेपाली दूतावास इस मामले में ओडिशा सरकार, विश्वविद्यालय प्रशासन और भारतीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

ट्रंप ने फोन पर ट्रूडो से की बात

आगामी जी7 बैठक पर चर्चा; रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर दिया जोर

वाशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इस दौरान दोनों नेताओं ने सोमवार को होने वाली जी7 बैठक पर चर्चा की। इस दौरान दोनों ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि बातचीत के दौरान दोनों ने हॉकी चैंपियनशिप में दोनों देशों की टीमों के बीच हुए कड़े मुकाबले की भी सराहना की। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप और ट्रूडो की बातचीत सोमवार को होने वाली जी7 कॉल पर केंद्रित रही, जो यूक्रेन पर आक्रमण और युद्ध की तीसरी वर्षगांठ को चिह्नित करेगी।

नेतन्याहू पर हमास ने फिर लगाए गंभीर आरोप, डील तोड़ने के लिए खेल रहे 'डर्टी गेम'

गाजा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गाजा सीजफायर के पहला चरण लगभग पूरा हो चुका और दूसरे चरण की वार्ता शुरू होनी है, लेकिन इस पूरे सीजफायर पर तलवार लटकी हुई है। हमास ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर गाजा युद्ध विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया है और कहा है कि इजराइल सरकार 1 मार्च को खत्म होने वाले समझौते के दूसरे चरण के लिए वार्ता में शामिल नहीं हो रही है। समझौते के दूसरे और तीसरे चरण के डिटेल्स के बारे में छह हफ्ते के पहले चरण के दौरान बातचीत की जानी थी, जिसमें फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजराइली बंदियों की रिहाई, गाजा से इजराइली सैनिकों की आंशिक वापसी और 15 महीने तक लगातार इजराइली बमबारी से तबाह हुए एन्क्लेव में मदद पहुंचाना शामिल है। 19 जनवरी को शुरू हुए इस समझौते के मुताबिक यदि दूसरे चरण अंतिम रूप ले लेता है, तो सभी इजराइली बंदियों की रिहाई और स्थायी युद्ध विराम होगा। हालांकि अभी तक दूसरे चरण की वार्ता शुरू नहीं हो पाई है और शनिवार को रिहा होने वाले फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई भी नेतन्याहू सरकार ने रोक दी है।

हमास का आरोप

हमास के सीनियर अधिकारी बासेम नईम ने कहा कि इजराइल लगातार समझौता का उल्लंघन कर रहा है। सीजफायर के पहले चरण के दौरान इजराइली सेना ने 100 फिलिस्तीनियों की हत्या कि है। बासम नईम ने शनिवार को अल जजीरा से कहा, "हमारा मानना है कि यह दक्षिणपंथी सरकार की ओर से समझौते को विफल और कमजोर करने की गंदी चाल है, साथ ही ये युद्ध में वापसी की इच्छा का संदेश देने वाला है।"

युद्ध से गाजा में नुकसान

युद्ध विराम समझौते के तहत इजराइल ने गाजा में 60 हजार मोबाइल घर और 2 लाख टेंट लगाने की अनुमति देने पर सहमति जताई थी, लेकिन इसको पूरी नहीं किया जा सका है। गाजा के 2.4 मिलियन फिलिस्तीनियों में से 90 पीसद से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं और एन्क्लेव का बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो चुका है। 7 अक्टूबर 2023 को अपना आक्रमण शुरू करने के बाद से इजराइल ने 48,319 से ज्यादा फिलिस्तीनियों को मार डाला है। गाजा में सरकारी मीडिया कार्यालय का कहना है कि मलबे के नीचे लापता 13 हजार से ज्यादा लोगों के मृत होने की आशंका है। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और लगभग 240 लोगों को बंदी बना लिया गया था।

एनएलयू में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा
कानून के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण

जोधपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। वे यहां राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 17 वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सीएम सुबह जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पाली सांसद पीपी चौधरी, भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल समेत अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। इसके बाद वे सीधे राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए।

181 उपाधियां दी गई

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संदीप मेहता व संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल मौजूद थे। अध्यक्षता राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं कुलपति न्यायमूर्ति एमएम श्रीवास्तव ने की। समारोह के दौरान कुल 181 उपाधियां दी गईं। इनमें स्नातक के 118, स्नात्कोत्तर के 45, एमबीए के 11 व 9 शोधार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इस दौरान विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए।

सीएम ने छात्रों को किया प्रेरित

दीक्षांत समारोह में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि कानून के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और वे समाज में न्याय और समानता की स्थापना में योगदान दें।

उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज और देश की सेवा के लिए करें। बता दें कि इससे पहले फरवरी माह के शुरुआती सप्ताह में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जोधपुर गए थे। यहां उन्होंने कलक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह से शहर में चल रहे विकास कार्य के साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में फीडबैक लिया था।

इससे पहले एयरपोर्ट पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, नगर निगम दक्षिण की महापौर वनिता सेठ, पाली संसद पीपी चौधरी, बिलाड़ा विधायक अर्जुन लाल गर्ग, विधायक सूरसागर देवेंद्र जोशी, विधायक ओसियां भैराराम सियोल, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़, राजेंद्र पालीवाल, त्रिभुवन सिंह भाटी, संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. सुनीता पंकज सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगणों ने मुख्यमंत्री की आगवानी की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी मौजूद थे। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर आए थे। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि विपक्ष अपनी बात रखेगा, आलोचना भी करेगा, लेकिन सरकार को सुनने की क्षमता रखनी चाहिए। सरकार का कर्तव्य भी है कि वह विपक्ष की बात सुने। गहलोत ने कहा था कि भाजपा सरकार ने निकम्मापन दिखाया है। कोई काम किया नहीं। सिर्फ ध्यान भटकाने का काम किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार पर साधा निशाना, बोले- 'अनुभव का कोई विकल्प नहीं'

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में मीडिया से वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें एक बड़ा अवसर मिला है, क्योंकि वे पहली बार विधायक बने और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऐसा बहुत कम लोगों के साथ होता है, ऐसे में उन्हें अनुभवी सलाहकारों की जरूरत है।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान में भाजपा के कई अनुभवी नेता हैं, जिनका उपयोग सरकार को सुशासन देने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रशासनिक फैसलों में अनुभवहीनता दिखा रही है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

जिलों के पुनर्गठन पर आपत्ति गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासनिक सुविधा के लिए नए जिले बनाए थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने उन्हें समाप्त कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि कई राज्यों में राजस्थान से कम आबादी के बावजूद अधिक जिले हैं, जिससे जनता को सरकारी सुविधाएं आसानी से मिलती हैं। उन्होंने कहा कि जनता को अपने कामों के लिए 100-250 किलोमीटर तक का सफर करना पड़ता है, जो अनुचित है।

उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगमों का विस्तार और सुदृढ़ीकरण आवश्यक था, लेकिन सरकार ने उल्टा कदम उठाते हुए नगर निगमों का एकीकरण कर दिया। उन्होंने इसे जनता के हितों के विरुद्ध बताया और कहा कि सुशासन के लिए इन इकाइयों को मजबूत करना चाहिए था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्दशा पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने जोधपुर के एमडीएम अस्पताल का जिक्र करते हुए कहा कि वहां करोड़ों रुपये का कर्ज हो चुका है, जिससे दवा और उपकरणों की आपूर्ति बाधित हो रही है। डॉक्टर भी इस स्थिति से दुखी हैं, क्योंकि वे मरीजों को अन्य राज्यों में रैफर करने को मजबूर हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चिरंजीवी योजना को लेकर भ्रम की स्थिति बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में इस योजना के तहत इलाज बंद हो चुका है, क्योंकि उन्हें समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा। सरकारी अस्पतालों में भी दवाओं और टेस्ट की सुविधा नहीं मिल रही है, जिससे जनता परेशान हो रही है।

विपक्ष की आवाज दबाने के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को केवल यह स्पष्ट करना था कि किसी मंत्री का फोन टैप नहीं हुआ लेकिन इसके बजाय विपक्ष को बोलने से रोका गया और खुद मुख्यमंत्री ने दो घंटे तक भाषण दिया। कांग्रेस सरकार ने अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलकर क्रांतिकारी कदम उठाया था, जिससे गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल रही थी लेकिन अब सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए कमेटी बना रही है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह इस योजना को कमजोर करना चाहती है।

भजनलाल शर्मा को सुशासन देना है तो उन्हें अनुभवी सलाहकारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में कई पूर्व मंत्री और विधायक हैं, जिनका अनुभव सरकार को सही दिशा में ले जा सकता है। उन्होंने अपनी सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भी सलाहकार नियुक्त किए थे, जबकि वे तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके थे।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह जल्द से जल्द अनुभवी लोगों को अपने प्रशासन का हिस्सा बनाएं ताकि राजस्थान में सुशासन और विकास संभव हो सके।

मुख्यमंत्री को जेल से मिली जान से मारने की धमकी मामले में हुआ खुलासा
पुलिस जिसके नाम से मोबाइल सिम थी, उसके पास पहुंची

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की जेलों में मोबाइल मिलना आम बात है, लेकिन जेल सुरक्षा की धज्जियां उड़ाते हुए या फिर सुरक्षा में तैनात कर्मियों की मदद से कैदियों के पास मोबाइल पहुंच रहे हैं, अब ये मोबाइल खुद जेल प्रशासन के लिए गले की फांस बन रहे हैं। पहले आम लोगों से वसूली और अपराध के लिए मोबाइल का उपयोग हो रहा था, लेकिन अब सीधे मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी जा रही हैं।

दौसा जेल से जयपुर पुलिस कन्ट्रोल रूम में फोन करने वाले कैदी रिंकू की जेल प्रशासन ने बैरक बदल दी थी। बताया जाता है कि जेल प्रशासन को सबक सीखाने के लिए उनकी मिलीभगत से अंदर लाए गए मोबाइल से उसने फोन किया। हालांकि पुलिस जांच में सामने आएगा कि मोबाइल किसकी मिलीभगत से जेल में पहुंचा।

अलवर से उदयपुर, फिर दौसा जेल पहुंचा

आरोपी रिंकू अलवर जेल में बंद था। अलवर जेल से एक बार भागने का प्रयास भी किया और उसका आचरण सही नहीं होने पर उसे उदयपुर जेल में शिफ्ट किया गया था। बाद में गंभीर बीमारी होने पर उसे जयपुर के आसपास रखकर इलाज करवाने के निर्देश दिए गए। तब उसको दौसा जेल में रखा गया। दौसा जेल में भी उसका आचरण सही नहीं रहा। बैरक में शुक्रवार रात को उसका अन्य बंदियों से झगड़ा हो गया। बंदियों ने उसकी पिटाई कर दी, तब जेल प्रशासन ने रात को ही उसकी बैरक बदल दी थी।

जिसके नाम सिम, उसने कहा भांजे ने ली थी

पुलिस जिसके नाम से मोबाइल सिम थी, उसके पास पहुंची, तब उसने बताया कि सिम उसके नाम से उसके भांजे ने ली थी। सिम कैदी तक कैसे पहुंची, इसकी उसको जानकारी नहीं। पुलिस भांजे की तलाश में उसके ठिकानों पर दबिश दे रही है। भांजे के पकड़े जाने के बाद पता चलेगा कि जेल के अंदर किसकी मदद से कैदी तक मोबाइल व सिम पहुंचाए। जेल प्रशासन की मिलीभगत सामने आने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर जेल से भी दी थी धमकी

गत वर्ष जयपुर केन्द्रीय कारागार से भी एक बंदी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दी थी। तब भी बंदी ने जेल में से पुलिस कन्ट्रोल रूम में फोन कर धमकी दी थी। तब एक्शन में आई पुलिस ने बंदी और उसको मोबाइल देने वाले को गिरफ्तार किया। गौर करने वाली बात है कि बंदियों के पास आए दिन मोबाइल मिलने की घटनाओं में पुलिस भी तह तक जांच नहीं करती या फिर करना नहीं चाहती। इसके चलते जेल में मोबाइल पहुंचाने वाले बेखौफ हैं।

दौसा जेल में मोबाइल मिलने का मुकदमा दर्ज हो गया है। आईजी कारागार विक्रम सिंह को मौके पर भेजा है। पुलिस जांच कर रही है। कैदी के पास मोबाइल मिलना गंभीर लापरवाही है। मोबाइल पहुंचाने में जिसकी भी मिलीभगत सामने आएगी, उसके खिलाफ कठोत्म कार्रवाई की जाएगी।

एसएम व महात्मा गांधी अस्पताल को बम से उड़ाने की मिली धमकी, इधर अस्पतालों ने की बड़ी लापरवाही

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में सवाई मानसिंह व महात्मा गांधी अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। एसएमएस अस्पताल प्रशासन को 20 फरवरी को ई-मेल भेजा गया था। लेकिन अस्पताल प्रशासन ने 22 फरवरी को ई-मेल देखा, तब पुलिस को सूचना दी। अस्पताल की ई-मेल पर महात्मा गांधी अस्पताल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। गौर करने वाली बात है कि अस्पताल प्रशासन ने दो दिन तक इसे देखा ही नहीं। शनिवार शाम सूचना पर जयपुर कमिश्नरेट पुलिस का बम निरोधक दस्ता व पुलिस

बल अस्पताल पहुंचे। दोनों अस्पताल परिसर में संदिग्ध वस्तुओं की जांच की। हालांकि रात तक पुलिस को दोनों ही जगह कुछ नहीं मिला।

तनाव फैलाने के लिए भेजा गया था ई-मेल – पुलिस

पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ई-मेल तनाव फैलाने के लिए भेजा गया था। ई-मेल कहां से भेजी गई है, इसकी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी शहर के नामी स्कूलों सहित कई अस्पतालों को ई-मेल मिल चुकी है। पुलिस ने तब भी सभी स्कूल व अस्पताल परिसर को खंगाला था, लेकिन कुछ नहीं मिला था। वहीं जयपुर एयरपोर्ट को भी कई बार इस तरह की ई-मेल मिल चुकी है।

अस्पताल प्रशासन की सूचना पर दोनों हॉस्पिटल में सर्च करवाया गया है। ई-मेल भेजने वाले की तस्दीक की जा रही है। अस्पताल को 20 फरवरी को ई-मेल मिली थी। 22 फरवरी को ई-मेल देखकर पुलिस को सूचना दी।

हाईकोर्ट से जगन गुर्जर सहित छह को सशर्त जमानत, हर महीने थाने में देनी होगी हाजिरी

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के मुरलीपुरा व चित्रकूट क्षेत्र में पुलिस ने पिछले वर्ष संगठित गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी जेल में थे, इनमें से जगन गुर्जर सहित छह जनों को हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत पर छोड़ने के आदेश दिए हैं।

जमानत पर बाहर रहने के दौरान जगन गुर्जर सहित तीन आरोपियों को हर माह 25 तारीख को और अन्य तीन आरोपियों को हर माह की एक तारीख को स्थानीय थाने में हाजिरी देनी होगी। इन सभी को पाबंद किया है कि इस दौरान किसी भी प्रकार का अपराध नहीं करेंगे। दोनों ही आदेशों का

उल्लघंन करने पर जमानत खारिज हो जाएगी।

हत्या की रच रहे थे साजिश

अलग-अलग टीमों ने दोनों संगठित गिरोह को पकड़ा था। पहली गैंग में जयपुर की मुरलीपुरा थाना पुलिस ने अनूपगढ़ के घडसाना हाल झोटवाड़ा निवासी रवि बिश्नोई और उसके साथियों को गिरफ्तार किया। आरोपी दो लोगों की हत्या की साजिश रच रहे थे, जबकि चित्रकूट थाना पुलिस ने जेल में साजिश रचने के मामले में जगन गुर्जर के साथियों को गिरफ्तार किया था और बाद में जगन गुर्जर को भी गिरफ्तार किया।

इनको मिली जमानत

जगन गुर्जर, रामनिवास पलसानिया, हंसराज, दीपक कुमार रावत, अभिषेक बटार और रवि बिश्नोई को 50-50 हजार रुपए के बॉन्ड और 25-25 हजार रुपए की जमानत पर छोड़ा गया है।

हाईकोर्ट के आदेश की पालना के लिए संबंधित थानाधिकारियों से कहा है कि इन आरोपियों की हाजिरी के लिए अलग से रजिस्टर रखा जाए और हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना होने पर तुरंत संबंधित न्यायालय को अवगत करवाएं। ताकि आरोपियों पर सख्ती से नजर रखी जा सके।

140 बीघा जमीन घोटाला : मौलाना आजाद विवि के चेयरपर्सन,रजिस्ट्रार सहित तीन गिरफ्तार

जोधपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर की बोरानाडा थाना पुलिस ने बुझावड़ गांव की 140 बीघा जमीन घोटाले के मामले में मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक गौरी, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी विवि के रजिस्ट्रार अनवर अली व निसार अहमद खिलजी को गिरफ्तार किया। इन्हें मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी को राज्य सरकार से निशुल्क आवंटित 140 बीघा जमीन फर्जी तरीके व कूटरचित दस्तावेज से मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी को हस्तांतरित करने का आरोपी माना गया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) निशांत भारद्वाज ने बताया कि गत 9 अप्रेल को

कमला नेहरू नगर निवासी अब्दुल नजीम बेलीम ने बोरानाडा थाने में मामला दर्ज कराया था। आरोप प्रमाणित माने जाने पर मेड़ती गेट निवासी मोहम्मद अतीक गौरी, चौहाबो में नंदनवन स्कीम निवासी सेवानिवृत्त आरएएस अनवर अली और निसार अहमद खिलजी को गिरफ्तार किया गया है। अन्य की भूमिका के संबंध में जांच की जा रही है।

मामले की हुई थी फिर से जांच

अतीक मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी के पूर्व उपाध्यक्ष व वर्तमान में मौलाना अबुल कलाम विवि के चेयरपर्सन हैं। वहीं, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी अनवर अली सोसायटी के रजिस्ट्रार और निसार अहमद खिलजी सोसायटी के पूर्व महासचिव रहे हैं। इस मामले में थानाधिकारी ने एफआर लगाई थी। दोबारा जांच एसीपी बोरानाडा को सौंपी गई तो जांच में आरोप सही पाए गए। अंत में एडीसीपी निशान भारद्वाज ने पत्रावली का अवलोकन कर आरोप प्रमाणित माने।

जांच में सामने आई ये गड़बड़ियां

24 अप्रेल 2022 को गवर्निंग काउंसिल की बैठक में 25 सदस्यों की मौजूदगी दिखाई गई थी। तत्कालीन सदस्य रिडमल खां व अब्दुल अजीज को सूचना नहीं दी गई थी। जमीन को विवि को आवंटित करने के लिए निसार अहमद खिलजी को अधिकृत करने का प्रस्ताव रखा गया था।

सोसायटी के सचिव खिलजी ने शाम को जनरल कौंसिल की मीटिंग आयोजित की थी। 16 सदस्य शामिल होना बताया था। नियम के तहत दो सप्ताह पहले नोटिस दिए जाने थे। सूचना व एजेंडा बिंदुओं से भी अवगत करवाया जाना था। मीटिंग में 13 सदस्यों के शामिल होना पाया गया। यह सदस्य भी खिलजी व अतीक के परिवार के सदस्य थे। मीटिंग का कोरम पूरा नहीं हो पाया था।

14 दिसबर 22 को जमीन का निमित-मर्ज दस्तावेज के नाम से सेलडीड करना पाया गया। निसार अहमद को जिस मीटिंग में बेचान के लिए अधिकृत करना व उसी अधिकार से जमीन निहित-मर्ज नामा कराना गलत व अवैधानिक माना गया।

महिला ने जहर पिया, अस्पताल ले जाते समय कंटेनर से आमने-सामने की भिड़ंत में चार की मौत

खंडवा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मप्र के खंडवा जिले के ग्राम सक्तापुर में एक युवती ने आत्महत्या का प्रयास करते हुए जहर गटक लिया। जिस पर परिजन इलाज के लिए उसे बोलेरो वाहन से खरगोन जिले के सनावद स्थित शासकीय अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन इस दौरान रास्ते में ग्राम सुलगांव पेट्रोल पंप के पास, सामने से तेज गति से आ रहे एक कंटेनर से इस बोलेरो वाहन की सीधी भिड़ंत हो गई, जिसमें बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों और पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को सनावद के अस्पताल भिजवाया गया। हालांकि वहां से प्राथमिक उपचार देकर तीन घायलों को बेहतर इलाज के लिए खंडवा रैफर किया गया है, जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वाली युवती शिव कन्या सहित एक अन्य व्यक्ति की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। फिलहाल धनगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है । सक्तापुर में शनिवार देर रात शिव कन्या बाई ने जहर पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, जिस पर परिवार वाले उसे बोलेरो अस्पताल ले जाने के लिए निकले। रास्ते में तेज गति से आ रहे कंटेनर से आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई
हेरोइन और पोस्त सहित तीन आरोपी हिरासत में

श्री गंगानगर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के रावला मंडी इलाके के वार्ड नंबर 15 में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 2 किलो 80 ग्राम पोस्त और 80.56 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

थाना अधिकारी नवनीत सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपी रामचंद्र उर्फ रामा पुत्र रामकुमार बिश्नोई को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार रामचंद्र फिरोजपुर से पोस्त और हेरोइन लाकर कस्बे और आसपास के गांवों में नशेड़ियों को सप्लाई करता था। पुलिस लंबे समय से उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी। मामले की जांच अब घड़साना थाना अधिकारी महावीर बिश्नोई को सौंपी गई है। इस कार्रवाई में कांस्टेबल राजेंद्र कुमार, ओमप्रकाश, हरिराम, और मुकेश कुमार शामिल रहे।

इधर एक अन्य मामले में चुनावड़ थाना पुलिस की कार्रवाई में दो युवकों को प्रतिबंधित कैप्सूल सहित गिरफ्तार किया है। चुनावड़ थाना पुलिस ने युवकों के पास से 1,780 प्रतिबंधित कैप्सूल और एक बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में मनोज और देवेंद्र सिंह (निवासी गांव शामिल हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। श्री गंगानगर जिले में नशे के खिलाफ पुलिस की यह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार में लगी आग, जलकर हो गई खाक, दहशत में लोग

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। टोंक रोड स्थित नेहरू उद्यान गेट के बाहर आज सुबह करीब 9 बजे एक कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही देर में कार जलकर खाक हो गई। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा हो गए। आग को देखकर लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार में पहले धुआं उठा और फिर कुछ ही पलों में उसमें आग लग गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

मां और बेटे का डैम में मिला शव
परिजन बोले- दोनों को एक साथ बांधकर पानी में फेंका गया

डीडवाना-कुचामन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। डीडवाना कुचामन जिले में मौलासर थाना इलाके के सरदारपुरा खुर्द गांव में एक विवाहित महिला और 16 महीने के मासूम बेटे का पानी में उतराता हुआ शव मिला। सूचना मिलते ही मौलासर थाना पुलिस और विवाहित महिला के परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों के शव एक दूसरे से बंधे हुए थे।पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों शव को बाहर निकलवाकर डीडवाना के राजकीय बांगड़ चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। वहीं, परिजनों का आरोप है कि जब वह मौके पर पहुंचे और जो घटनाक्रम देखा, वह पूरा ही हत्या का है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मृतक विवाहिता के चाचा कमल बिजारणियां ने आरोप लगाया कि उसकी भतीजी प्रियंका पत्नी दीपक गोदारा की साथ शादी आज से ठीक पांच वर्ष पहले हुई थी। आज मेरे को करीब दोपहर दो बजे सूचना मिली कि आपकी भतीजी प्रियंका और उसका 16 वर्षीय बेटा दियांशु दोनों पानी के डेम में उतरा रहे हैं। जब हम पहुंचे तो देखे कि दोनों का शव एक साथ बंधा हुआ था। डैम में जो पानी का भराव मात्र दो फीट भी नहीं था। ऐसे में यदि यह खुद आत्महत्या करने की कोशिश करती तो इस पानी में डूबने से मौत नहीं होती। स्थानीय किसानों की मदद से डैम को पानी से भरने की कोशिश की गई। पुलिस मौके पर पहुंची और पानी को बंद करवाकर स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया।

फाल्गुण मास के उपलक्ष्य में श्री श्याम रथ शोभायात्रा भव्य रुप से निकाली गई

हैदराबाद, 22 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर में पहली बार फाल्गुण मास के उपलक्ष्य में श्री श्याम रथ शोभा यात्रा भव्य रुप से आयोजित की गई। इस संदर्भ में, श्री कांची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मंदिर सेवा समिति ने बताया कि, श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा, हैदराबाद के तत्वावधान में, रविवार 23 फरवरी को, भाग्यनगर में पहली बार फाल्गुण मास के उपलक्ष्य में श्री श्याम रथ शोभा यात्रा भव्य रुप से आयोजित हुई।

इस शुभावसर पर यात्रा चेयरमैन इंद्रकरण अग्रवाल ने सभी से निवेदन किया गया था कि, इस यात्रा में पुरुष सफेद कुर्ता पजामा एवं महिलाएं लाल सूट पहनकर पधारें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि, इस रथ यात्रा में नगरव्दय हैदराबाद-सिकंदराबाद की सभी श्याम प्रेमी संस्थाएं एवं श्याम प्रेमी सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर कार्यक्रम में भाग लें।

जिसमें फाल्गुण मास के उपलक्ष्य में श्री श्याम रथ शोभा यात्रा, रविवार 23 फरवरी को, प्रातः %.01 बजे माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार से विशेष रथ शुरू हुई। शोभायात्रा में श्री श्याम बाबा एवं मंदिर के लड्डू गोपाल को विराजमान कर, चांदी की छत्तर, बाबा की अर्जी, मोर छडी से सुशोभित निशान के साथ गाजे-बाजे के साथ निकाला गया। अवसर पर भाग्यनगर के प्रसिध्द भजन गायकों द्वारा भजन-कीर्तन करते हुए, नाचते -गाते निर्धारित मार्गों से होते हुए यह श्री श्याम रथ शोभा बेगम बाजार छत्री, किराणा मार्केट लेन, सिध्दअंबर बाजार,शंकरशेर होटल रोड, गौलीगुडा राम मंदिर, एम.जी. बस स्टैण्ड रोड़, चादरघाट, निंबोली अड्डा होते हुए श्री श्याम मंदिर काचीगुडा पहुची।

श्री श्याम मंदिर काचीगुडा में श्री श्याम रथ शोभा यात्रा के पहुंचने पर सभी भक्तों में श्याम चालीसा पुस्तिका वितरित की गयी। इस भव्य कार्यक्रम में निशान धारकों को लक्की द्वारा प्रथम पुरस्कार, व्दितीय पुरस्कार रुप में श्याम प्रेमी दंपति एवं एक श्याम प्रेमी प्रदान किया गया। यही नहीं हैदराबाद से जयपुर तथा जयपुर से हैदराबाद आने-जाने के लिए हवाई टिकट्स, जयपुर से खाटू श्यामजी तक कार द्वारा खाटू श्यामजी के दर्शन, रहने एवं रुचिकर भोजन की खास व्यवस्था की गयी है।

इस शुभावसर पर, विभिन्न श्याम मंडलों एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा यात्रा मार्ग में श्री श्याम रथ शोभा यात्रा का भव्य स्वागत जिन प्रमुखों व्यक्तियों, व्यापारियों ने किया, उनमें मंगला आरती वाले-माहेश्वरी भवन में श्याम प्रेमियों के लिए अल्पाहार व्यवस्था, श्री श्याम भरोसे समिति-कोटा साड़ी बेगम बाजार, सात युवा समिति-बेगम बाजार किराणा मार्केट श्री कंपनी के सामने हम तो बाबा के भरोसे चलते हैं-कोलसावाडी चौराहा, बेगम बाजार, मोर छडी श्याम के दिवान, लंगरहौज-स्वास्तिक मिर्च स्टोर, बेगम बाजार, जय श्री श्याम मित्र मंडल, लंगरहोज-सत्यनारायण प्लास्टिक स्टोर, बेगम बाजार श्री श्याम प्रेमी -सिध्दीअंबर बाजार माताजी मंदिर के पास, श्री श्याम सत्संग समिति- प्रह्लाद टिफिन सेंटर के पास, शंकरशेर होटल चौरस्ता, श्री श्याम के लाडले-गौलीगुडा चमन, आप और हम, हैदराबाद, गोल्डन प्रेस, गौलीगुडा श्री सांवरिया परिवार-चादरघाट, बाहेती स्टील के पास, श्री श्याम मित्र मंडल, साईबाबा मंदिर, चादरघाट, श्री श्याम डालिया-ट्रैफिक पुलिस स्टेशन, निंबोलीअड्डा में स्वागत किया गया। इसके अलावा हम सेवक हैं बाबा के-तुम श्याम रिझाले बंदे-श्याम के प्यारे - हनुमान मंदिर निंबोलीअड्डा, पंकज अग्रवाल-भाजपा आफिस के पास, निम्बोलीअड्डा आदि जगह पर भी शोभायात्रा का स्वागत किया गया है।

इस भव्य शोभा यात्रा के सफल आयोजन में जिन प्रमुख व्यक्तियों का अभूतपूर्व योगदान रहा उनमें, यात्रा चेयरमैन इंद्रकरण अग्रवाल, यात्रा वाइस चेयरमैन अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तम दास गोयल एवं रामदेव अग्रवाल सहित नगरव्दय की प्रमुख श्याम संस्थाएं शामिल हैं।

साहस और हौसला खो चुके हैं रेवंत रेड्डी - बंडी संजय

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने टिप्पणी की कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपना साहस और हौसला खो दिया है। मंचेरियल जिले के चेन्नूर में एक का कार्यक्रम में बंडी संजय ने सवाल किया, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, क्या आपने अपना साहस खो दिया है? क्या आपमें कोई हौसला नहीं बचा है? अपने बच्चे की शादी के दिन, क्या आपने यह नहीं कहा था कि केसीआर सरकार ने आपको अवैध रूप से गिरफ्तार किया और जेल में डाल दिया? क्या आपने यह घोषणा नहीं की थी कि आप बदला लेंगे? अब, आप मुख्यमंत्री हैं। आपने दावा किया कि केसीआर के परिवार के कालेश्वरम, फोन टैपिंग, ड्रग्स और फॉर्मूला ई रेस घोटालों में शामिल होने के सबूत हैं। आपने 14 महीने बाद भी किसी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया? क्या इसका कारण यह है कि आपने वाकई अपना साहस खो दिया है? या फिर केसीआर ने दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान के साथ मिलकर तेलंगाना में बढ़ती भाजपा को कमजोर करने के लिए गुप्त रूप से बीआरएस के साथ सहयोग करके और मामलों को कमजोर करके कोई सौदा किया है?। उन्होंने ने चेन्नूर में मंचेरियल जिले के भाजपा प्रभारियों के साथ आयोजित बैठक की ।

भारत से हारा पाकिस्तान

कोहली का 51वां वनडे शतक, इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे टॉप स्कोरर

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकता है

दुबई , 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में मिली 180 रन की हार का हिसाब बराबर कर दिया। दुबई में रविवार को पाकिस्तान ने 241 रन बनाए। भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

भारत से विराट कोहली ने नाबाद 100, श्रेयस अय्यर ने 56 और शुभमन गिल ने 46 रन बनाए। कुलदीप यादव को 3 और हार्दिक पंड्या को 2 विकेट मिले। पाकिस्तान से सऊद शकील ने 62 और मोहम्मद रिजवान ने 46 रन बनाए। शाहीन शाह अफरीदी को 2 विकेट मिले। अबरार अहमद और खुशदिल शाह को 1-1 विकेट मिला।

विराट वनडे में सबसे ज्यादा 158 कैच पकड़ने वाले भारतीय बने। उन्होंने पारी में 15वां रन बनाते ही सबसे तेज 14 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट के तीसरे टॉप स्कोरर भी बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 27,483 रन हैं।

भारत की जीत के 2 हीरो

विराट कोहली : 100 रन की पारी खेली विराट कोहली ने 111 बॉल पर 100 रन की पारी खेली। वे रोहित शर्मा के आउट होने के बाद खेलने उतरे और भारतीय पारी को बांधे रखा। विराट ने अबरार के ओवर्स को संयम से निकाला, फिर तेजी से रन बनाए।

कुलदीप यादव : 3 विकेट झटके, डेथ ओवर्स में रन बनाने से रोका कुलदीप ने 3 विकेट झटके। उन्होंने डेथ ओवर्स में सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए। इससे पाकिस्तान की टीम डेथ ओवर्स में ज्यादा रन नहीं बना सकी।

पाकिस्तान की हार के 2 कारण

धीमी बैटिंग: पावरप्ले में 2 विकेट गंवाने के बाद पाकिस्तान ने मिडिल ओवर्स में बेहद धीमे बैटिंग की। मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील ने 144 गेंद पर 104 रन की पार्टनरशिप की। टीम 11 से 40 ओवर के बीच 180 गेंद पर 131 रन ही बना सकी।

स्पिनर्स की कमी: पाकिस्तान ने प्लेइंग-11 में एक ही फुल टाइम स्पिनर अबरार अहमद को मौका दिया। जिन्होंने 10 ओवर में 28 रन देकर 1 विकेट लिया। बाकी स्पिनर्स उनका साथ नहीं दे सके। टीम ने स्क्वॉड में लेग स्पिन ऑलराउंडर शादाब खान को भी नहीं रखा।

श्री आईमाताजी बडेर में ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित शहर के हृदयस्थल मे बसी सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाताजी मंदिर मे हर वर्ष की भाँति श्री आईमाताजी के प्रमुख मंदिर व श्री शीतलामाताजी मंदिर पर बाबूलाल चोयल, हुक्माराम सोलंकी परिवार एवं समाज बन्धुओं के सानिध्य में गाजे-भाजे के साथ भव्य शोभा यात्रा, पूजा-अर्चना के पश्चात् पंडित बालराज के मंत्रोच्चारण से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति मेनारायणलाल वरपा ने बताया कि हर वर्ष की भांति 23 फरवरी रविवार को प्रात: 9.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर गाजे-बाजे के साथ नाचते गाते हुए भव्य शोभा यात्रा, पूजा-अर्चना, आरती के पश्चात् प्रात: 10.15 बजे श्री आईमाताजी मंदिर पर बाबूलाल, सुनिल, संतोष चोयल परिवार व श्री शीतलामाताजी मंदिर पर हुक्माराम, राकेश, राजेश सोलंकी परिवार द्वारा ध्वजा रोहण समारोह मे नई ध्वजा लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। लाभार्थी परिवार के बाबुलाल चोयल व हुक्माराम सोलंकी परिवार का समाज के पदाधिकारी मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, नारायणलाल वरपा, भंवरलाल काग, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, रावतराम बर्फा, मंगलराम पंवार, चुतराराम सानपुरा, पूर्व अध्यक्ष चेनाराम चोयल, व समाज बन्धुओं ने राजस्थानी परम्परा साफे से विशेष सम्मान किया। लाभार्थी परिवार ने किये गये सम्मान के लिए सभी का तहदिल से आभार प्रकट किया। समाज बंधुओ व महिलाओं ने राजस्थानी वेष-भूषा मे नाचते-गाते हुए महोत्सव का लाभ लिया। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया। ध्वजा रोहण महोत्सव पर समाज को सम्बोधित करते हुए मांगीलाल काग ने बताया कि सपरिवार समाज बंधुओ द्वारा सम्मलित होकर ध्वजा रोहण कार्यक्रम मनाना समाज के लिए बडे गर्व की बात है। उन्होने पधारे सभी समाज बंधुओ का तहदिल से आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन सोहनलाल परिहार ने किया।

बिजनेस नेटवर्किंग कुबेर संगम आयोजित

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग कुबेर ने 100 से अधिक सनातनी हिंदुओं के लिए कुबेर संगम (मेगा बिजनेस डे) मीट का आयोजन किया, यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

बैठक का आयोजन होटल डेक्कन सराय हाई टेक सिटी में किया गया।

बैठक की मुख्य अतिथि श्रीमती मौनिका रेड्डी सुनकारा और उद्योगपति एवं सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदावा थे। अध्यक्ष रागिनी रविकिरण के साथ-साथ नवीन शेखर, अखिल सक्सेना, श्रीनिवास पोला, वीरा रेड्डी, संतोष जैसे अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक का नेतृत्व संस्थापक गीतेश काटे ने की।

एक शाम अनाथ एवं दिव्यांग छात्र - छात्राओं के नाम से जागरण

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुकमाराम भाटी ने बताया कि बिरमगुड़ा स्थित सीरवी समाज आईमाता जी मंदिर (बडेर) आईलापुर में एक शाम अनाथ एवं दिव्यांग छात्र - छात्राओं के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। राजस्थान के भजन गायक मुकेश डांगी एण्ड पार्टी, बाल कलाकार राकेश वैष्णव ने मारवाड़ी भजनों की प्रस्तुतियां दी। वहीं मंच का संचालन जेठूसिंह राजपुरोहित द्वारा किया गया। इस अवसर पर भामाशाहों को संस्थापक हुक्माराम भाटी द्वारा सम्मानित किया गया। हैदराबाद सर्व समाज द्वारा विशाल जागरण सफल बनाने में भामाशाहों ने चढ़ बढ़कर भाग लिया। भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी कार्य स्थल पर रखी गई।

सरकार का प्राथमिक लक्ष्य मिर्च किसानों को बचाना -चंद्रबाबू

अमरावती, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि आंध्र प्रदेश सरकार का प्राथमिक लक्ष्य राज्य के मिर्च किसानों को बचाना है, जो फसल की कीमतों में गिरावट के कारण परेशान हैं। उन्होंने सचिवालय में मिर्च किसानों, विक्रेताओं, निर्यातकों और अन्य हितधारकों के साथ समीक्षा बैठक के बाद यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों को बचाने के लिए निर्यातकों, व्यापारियों और कमीशन एजेंटों को सहयोग करना होगा। केंद्र आंध्र प्रदेश में लाल मिर्च की खेती करने वाले किसानों को एमआईएस के तहत मदद करेगा; आईसीएआर फसल नुकसान का आकलन करेगा। बैठक में किसानों ने नायडू को बताया कि मिर्च की खेती में किए गए निवेश की भरपाई नहीं हो पा रही है, जो प्रति एकड़ करीब 3.5 लाख रुपये है। उन्होंने नायडू को मजदूरों की कमी और इसकी महंगी प्रकृति के बारे में भी बताया, जबकि सुबह के समय मंडी में मिर्च के लिए जो कीमत तय की गई थी, वह दिन के अंत में स्थिर नहीं रह गई थी, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि व्यापारी प्रति क्विंटल 500 रुपये तक की कटौती कर रहे हैं। निर्यातकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि चीन, श्रीलंका, बांग्लादेश और इंडोनेशिया कुछ प्रमुख आयात बाजार हैं, जहां इस वर्ष मांग कमजोर रही, जिसके कारण निर्यात कम हुआ और किसानों को कम कीमत मिली। निर्यातकों ने बताया कि राज्य में उत्पादित मिर्च का 60 प्रतिशत निर्यात किया जाता है, क्योंकि उन्होंने शिकायत की है कि कृष्णापटनम कंटेनर टर्मिनल से मिर्च निर्यात की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप निर्यातकों को अतिरिक्त माल ढुलाई लागत पर मिर्च को चेन्नई बंदरगाह तक ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने बताया कि गुंटूर में मसाला पार्क में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। नायडू ने कहा कि अगर एक क्विंटल मिर्च की कीमत 11,781 रुपये से कम है तो केंद्र सरकार बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत मिर्च खरीदने के लिए आगे आई है।

अग्रसेन बैंक जल्द ही चार नई शाखा खोलेगा: प्रमोद केडिया

हैदराबाद, , 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड ने केएलएन प्रसाद सभागार, एफटीसीसीआई, रेड हिल्स, हैदराबाद में अपनी दूसरी आम सभा की बैठक हुई। इस कार्यक्रम में शेयरधारकों, खाताधारकों, ग्राहकों ने भाग लिया। बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया और बैंक के अन्य सभी निदेशकों ने बैठक का संचालन किया। अवसर पर प्रमोद कुमार केडिया ने देश में व्याप्त आर्थिक परिदृश्य के बारे में बात की। उन्होंने पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष तक बैंक के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित लोगों को जल्द ही खोली जाने वाली नई चार शाखाओं के बारे में बताया और संकेत दिया कि आने वाले वर्षों में बैंक किस तरह प्रगति करने जा रहा है।

उन्होंने बैंक में हो रहे डिजिटलीकरण की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ बैंक में कॉर्पोरेट प्रशासन का सख्ती से पालन किए जाने के बारे में भी बात की। उन्होंने सभी शेयरधारकों से बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों आदि के लाभ के लिए जल्द ही पेश किए जाने वाले सभी प्रकार के नए बैंकिंग उत्पादों का आनंद लेने का आग्रह किया। बैंक के सीईओ सीवी राव ने शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए एजेंडा मदों पर विचार-विमर्श किया। अंत में, सीए नवीन कुमार अग्रवाल, सीनियर वाइस चेयरमैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शेयरधारकों, खाताधारकों, ग्राहकों, स्टाफ सदस्यों, आरबीआई और आरसीएस के अधिकारियों, सभी निदेशकों और अन्य समिति सदस्यों, पूर्व निदेशकों, विशेष आमंत्रितों, लेखा परीक्षकों, कानूनी सलाहकारों, मूल्यांकनकर्ताओं को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का आयोजन डीजीएम आनंद अग्रवाल, श्रीमती संतोष शर्मा, गोपाल तिवारी और प्रबंधक श्री प्रसाद ने किया।

पूर्व मंत्री ने नीरा कैफे के निजीकरण की निंदा की, विरोध की चेतावनी दी

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने नेकलेस रोड स्थित नीरा कैफे के कथित निजीकरण पर गंभीर चिंता जताई है तथा चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर निर्णय वापस नहीं लिया गया तो कड़े विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। रविवार को कैफे के दौरे के दौरान उन्होंने सरकार पर एक निजी व्यक्ति को कैफे पट्टे पर देकर गौड़ समुदाय के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कैफे की स्थापना मूल रूप से बीआरएस सरकार के तहत नीरा उद्योग को पुनर्जीवित करने और समुदाय को सहायता देने के लिए की गई थी, लेकिन इसकी हालत इतनी खराब हो गई है कि इसकी पहचान ही नहीं रह गई है। पूर्व मंत्री ने कहा कि तेलंगाना बीसी कॉरपोरेशन के माध्यम से 20 करोड़ रुपये के निवेश के साथ शुरू की गई नीरा नीति, गौड़ समुदाय को नीरा कैफे संचालित करने के लिए विशेष अधिकार देने के अलावा उन्हें शराब की दुकानों के आवंटन में आरक्षण प्रदान करने के लिए तैयार की गई थी। उन्होंने पिछली सरकार के दौरान स्थापित बुनियादी ढांचे को हटाने की आलोचना की और कैफे के परिवर्तन की तुलना एक नियमित स्ट्रीट फूड जॉइंट से की। निजीकरण को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कुछ नेता विदेशी...

दिल्ली में आपका बेटा बैठा है। इसके लिए आपको आयुष्मान कार्ड बनवाना है। जिनका नहीं बना है वो जल्दी बनवा लें। दवाओं का खर्च कम करने के लिए 14 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र खोले हैं। जो दवाई बाजार में 100 रुपए में मिलती है, जन औषधि केंद्र में वहीं दवाई 15-20 रुपए में मिलती है।

बागेश्वर धाम में कैंसर मरीजों के लिए इतना बड़ा अस्पताल खुलने जा रहा है, क्योंकि कैंसर अब हर जगह बड़ी परेशानी बन रहा है। इसलिए आज सरकार, समाज, संत सब कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। गांव में अगर किसी को कैंसर हो जाए तो उससे लड़ना कितना मुश्किल होता है। बहुत दिनों तक पता ही नहीं चलता कि कैंसर हुआ है। बुखार और दर्द की दवाई लोग लेते रहते हैं। लोग तांत्रिक के पास चले जाते हैं। जब गांठ दिखती है तब पता चलता है कि कैंसर हुआ है। पता चलते ही घर में मातम छा जाता है।

सात परियोजनाओं ...

हम मुश्किल से उनके बाजार में अपना सामान भेज पा रहे हैं क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। मैं भारत और उनके प्रधानमंत्री का सम्मान करता हूं, लेकिन भारत के चुनाव में 2.1 करोड़ की फंडिंग देने का क्या मतलब है? यहां के मतदान प्रतिशत का क्या? इसके बाद भारत में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

हाल ही में एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने खुलासा किया है कि अमेरिका द्वारा दुनियाभर के देशों को फंडिंग देने वाली एजेंसी यूएसएड के जरिए भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया गया। सरकारी दक्षता विभाग ने फिलहाल यूएसएआईडी द्वारा की जाने वाली अधिकतर फंडिंग पर रोक लगा दी है।

तमिलनाडु में...

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अपनी रिपोर्ट में तमिलनाडु की उपलब्धियों को माना किया है। केंद्र सरकार की इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में तमिलनाडु की शिक्षा की गुणवत्ता को खुलकर प्रशंसा की गई है। लेकिन एक तरफ वे हमारी प्रशंसा करते हैं, वहीं दूसरी तरफ तमिलनाडु को फंड देने से इनकार करते हैं।

केंद्र सरकार ने 2,152 करोड़ रुपए रोक रखे हैं, जो तमिलनाडु को दिए जाने चाहिए थे। यह राशि 43 लाख स्कूली बच्चों के भलाई के लिए है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

लाहौर में भारत का राष्ट्रगान बजाने को लेकर आईसीसी पर भड़का पीसीबी, मांगा जवाब

लाहौर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत हो चुकी है. 4 मैच भी खेले जा चुके हैं लेकिन विवाद है कि थमने का नाम ही नहीं ले रहा है. 23 फरवरी को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच से ठीक पहले एक नया विवाद खड़ा हो गया है. दरअसल, लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच खेला गया. इस दौरान एक-एक कर दोनों टीमों का राष्ट्रगान स्टेडियम में चलाया जाना था. लेकिन तभी ऑस्ट्रेलिया के नेशनल एंथम से पहले भारत के राष्ट्रगान जन गण मन के बोल गूंजने लगे. अब इसे लेकर बवाल मच गया है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस ब्लंडर से आईसीसी पर भड़क उठा है और उससे जवाब भी मांगा है.

पीसीबी ने विवाद पर क्या कहा?

भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मेजबान देश पाकिस्तान का दौरान नहीं किया है. वो अपने सभी मुकाबले दुबई में खेल रही है. इसलिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में भारत का राष्ट्रगान बजने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड काफी नाराज है. उसने इसके लिए क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था और इस टूर्नामेंट का आयोजन कराने वाली आईसीसी को दोषी ठहराया है. पीसीबी का कहना है कि टीम इंडिया के पाकिस्तान नहीं आने के बावजूद भारत के नेशनल एंथम को शामिल किया. वहीं मेजबानी भले की पाकिस्तान के हाथों में है लेकिन इसकी हर एक चीज की देखरेख और अंजाम देने का काम आईसीसी के ऑफिशियल्स के हाथों में है. इसलिए इस गलती की जिम्मेदारी आईसीसी पर है.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं. उसने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम समेत कराची और रावलपिंडी के स्टेडियम को भी अपग्रेड किया है. लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी मैच में इस ब्लंडर से उसकी जमकर फजीहत हुई है. जैसे ही स्टेडियम के डीजे ने भारतीय राष्ट्रगान बजाया, वैसे ही स्टेडियम में बैठे दर्शकों का शोर गूंज उठा. हालांकि तुरंत ही राष्ट्रगान रोका गया और कुछ सेकेंड के बाद ऑस्ट्रेलिया का एंथम शुरू हुआ. मगर ये कुछ सेकेंड की गलती ही पाकिस्तान का मजाक बनाने के लिए काफी थी और सोशल मीडिया पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को काफी ट्रोल किया जाने लगा. इसके वीडियो भी काफी वायरल हो गए.

लोगो पर हुआ था विवाद

हाल ही में हुए भारत-बांग्लादेश मैच के लाइव ब्रॉडकास्टिंग के दौरान चैंपियंस ट्रॉफी के लोगो के साथ पाकिस्तान का नाम नहीं होने को लेकर भी बवाल मचा था. दरअसल, टीम इंडिया के मैच के लाइव ब्रॉडकास्टिंग में स्क्रीन पर चैंपियंस ट्रॉफी का लोगो तो दिखा, लेकिन उस पर मेजबान देश पाकिस्तान का नाम नहीं था. इससे पीसीबी काफी नाराज हुई थी और उसने इस गलती के लिए भी आईसीसी से सफाई मांगी थी.

टॉप्स खिलाड़ियों को ओलंपिक सत्र में भत्ते में बढ़ोतरी, लेकिन हर छह महीने पर समीक्षा होगी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के लिए चुने गए खिलाड़ियों को इस ओलंपिक चक्र में अभ्यास और विदेश में स्पर्धाओं के दौरान मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी की जाएगी, लेकिन उन्हें हर छह महीने में समीक्षा की प्रक्रिया के तहत शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट देने होंगे। टॉप्स का कोर समूह 179 से घटाकर 94 कर दिया गया है और डेवलपमेंटल सूची में 112 खिलाड़ी हैं। एक ओलंपिक चक्र पूरा होने के बाद यह आम रूटीन होता है लेकिन तैराकी, स्क्वॉश, गोल्फ और टेनिस जैसे खेलों का कोर सूची में नाम नहीं है ।

कोर समूह में 52 पैरा एथलीट और 42 सामान्य एथलीट हैं। पेरिस पैरालम्पिक में भारत ने सात स्वर्ण समेत 29 पदक जीतकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। सूची में शामिल खिलाड़ियों को विदेश में अभ्यास या स्पर्धा के दौरान 25 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन और 50000 रूपये (कोर समूह) और 25000 रूपये (डेवलपमेंटल समूह) महीना दिया जाएगा।

भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक सदस्य ने बताया, 'कोर समूह अगले ओलंपिक यानी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का अल्पकालिन लक्ष्य लेकर बनाया गया है जबकि डेवलपमेंटल समूह 2032 ओलंपिक और शायद 2036 को ध्यान में रखकर बनाया गया है।'

सूत्र ने कहा, 'हम यह भी कोशिश कर रहे हैं कि चोटों में कमी आए। इसके लिए नियमित तौर पर शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट होंगे। पहले भी टेस्ट होते थे, लेकिन अब हमने अवधि तय कर दी है और ये टेस्ट अनिवार्य होंगे।' कोर सूची में कोई पुरूष मुक्केबाज नहीं है और एथलेटिक्स में भी तीन (पिछली बार से 27 कम) ही जगह बना सके हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे बैडमिंटन खिलाड़ी के श्रीकांत और अश्विनी पोनप्पा के अलावा भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी इससे बाहर हो गए हैं।

रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी और भारोत्तोलक मीराबाई चानू इसमें जगह बनाने में कामयाब रही हैं जो हैरानी की बात है। दीपिका कई बार ओलंपिक में नाकाम रह चुकी हैं, जबकि टोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद मीराबाई पेरिस में चौथे स्थान पर रही। दोनों 30 पार की हैं। दीपिका का ओलंपिक में भविष्य अनिश्चित है जबकि मीराबाई लगातार चोटों से जूझती रही हैं। सूत्र ने कहा, 'हमें ऐसा कोई नहीं मिला जो दीपिका को हरा सके तो उसे कैसे हटायें । उसने पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था और नॉकआउट तक पहुंची थी। मीराबाई की फिटनेस पर नजर रखी जाएगी।'

एक से बढ़कर एक कैच, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने तो फील्डिंग में हैट्रिक ही लगा दी

लाहौर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया के ऑल राउंडर अक्षर पटेल बांग्लादेश के खिलाफ मैच में हैट्रिक लेने से चूक गए थे लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी एलेक्स कैरी ने हैट्रिक पूरी कर ली. बस फर्क ये है कि कैरी ने ये हैट्रिक गेंदबाजी नहीं बल्कि फील्डिंग में लगाई है. टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के पहले मैच में ही एलेक्स कैरी ने एक के बाद एक तीन कैच लपक कर कमाल कर दिया है. पहले उन्होंने फिल सॉल्ट का कैच लपका. इसके बाद गेंद लपक कर जेमी स्मिथ और हैरी ब्रूक की पारी का अंत कर दिया.

कैरी ने पकड़ा सॉल्ट का करिश्माई कैच

चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप बी का दूसरा मैच इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जा रहा है. इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी की और ओपनिंग में फिल सॉल्ट के साथ बेन डकेट उतरे. दूसरे ओवर में ही बेन ड्वार्शुइस की चौथी गेंद पर एलेक्स कैरी ने एक हाथ से करिश्माई कैच पकड़ लिया. फिल सॉल्ट ने एक शॉट मिड ऑन की तरफ खेला लेकिन हवा में पीछे की ओर छलांग लगाते हुए कैरी ने सॉल्ट का अद्भुत कैच लिया. इस कैच को देखने के बाद आप भी उनकी तारीफ किए बिना रह नहीं पाएंगे. सॉल्ट ने 6 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से सिर्फ 10 रन बनाए.

फिर जेमी स्मिथ की पारी का किया खात्मा

सॉल्ट का विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ को पैवेलियन भेजा. इस बार भी गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस और फील्डर भी कैरी ही थे. जेमी ने भी लगभग उसी दिशा में शॉट खेला था जिधर सॉल्ट ने शॉट लगाया था. इसे एलेक्स कैरी ने आसानी से पकड़ लिया. जेमी 13 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए.

हैरी ब्रूक की पारी पर भी लगाई रोक

सॉल्ट और स्मिथ को पवेलियन भेजने के बाद एलेक्स कैरी ने इंग्लैंड के उभरते हुए बल्लेबाज हैरी ब्रूक का भी कैच पकड़ा. ये उनका इस मैच में लगारा तीसरा कैच रहा. सॉल्ट और स्मिथ की तरह ब्रूक भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे. ब्रूक ने 6 गेंदों में सिर्फ तीन रन बनाए. स्पिनर एडम जैम्पा की गेंद पर ब्रूक ने एलेक्स कैरी को कैच थमा दिया. कैरी का ये कैच भी लाजवाब था, जिसे कैरी ने शॉर्ट थर्डमैन की पोजिशन पर पीछे की ओर दौड़ते हुए डाइव लगाकर पकड़ा.

दुबई में दर्शक बने जसप्रीत बुमराह

दुबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले पर पूरी दुनिया की नजरें बनी हुई हैं। मैच से पहले टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दुबई पहुंच चुके हैं। बुमराह इंजरी के चलते इस टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुके हैं लेकिन वो इस हाई वोल्टेज मुकाबले को देखने के लिए दुबई पहुंचे हैं। इस मैच में बुमराह को लोग स्टेडियम में देख तो पाएंगे लेकिन वो पाकिस्तान के खिलाफ खेल नहीं पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के दौरे बॉर्डर गावस्कर सीरीज के आखिरी मैच में उनके बैक इंजरी हो गई थी जिसके बाद से ही वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं।

दर्शक बने जसप्रीत बुमराह

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच में जसप्रीत बुमराह दर्शक के तौर पर शामिल होंगे। इसके लिए वो दुबई पहुंच चुके हैं। आखिरी मौके पर टीम मैनेजमेंट ने उनको स्क्वाड से बाहर किया था। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर बुमराह को लेकर किसी भी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते थे जिसके चलते उन्हें इस टूर्नामेंट से बाहर करने का फैसला किया गया।

टीम इंडिया को खलेगी बुमराह की कमी

जसप्रीत बुमराह के टूर्नामेंट से बाहर होने का असर टीम इंडिया पर जरूर नजर आएगा। बीते सालों में बुमराह टीम इंडिया के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। आईसीसी टूर्नामेंट में उन्होंने भारत के लिए 43 मैच खेले हैं जिसमें 68 विकेट हासिल किए हैं। हाल ही में हुए टी20 विश्व कप को जीतने में बुमराह ने अहम भूमिका निभाई थी और टूर्नामेंट में 15 विकेट झटके थे।

कैच जो ना कराए, सचिन तेंदुलकर की हुई भिड़ंत, युवराज सिंह ने किया हैरान

खेल डेस्क, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कैच, मैच तो जिताता ही है. मगर उससे पहले उसे लपकने को लेकर जो जद्दोजहद होती है, उसमें भी काफी कुछ हो जाता है. फील्ड पर घटनाएं तक घट जाती है. मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर भी 22 फरवरी की शाम कुछ ऐसा ही हुआ. कैच के चक्कर में मैच में सचिन तेंदुलकर की भिड़ंत हो गई तो वहीं युवराज सिंह सबको हैरान करते दिखे. युवराज सिंह ने दुनिया को बताया कि उन्होंने खेल भले ही छोड़ दिया है मगर उनका अंदाज अब भी वैसा ही है. उनकी फुर्ती अब भी वैसी ही हैं. वो इस खेल में अपनी उपस्थिति को बनाए रखना नहीं भूले हैं.

सचिन की हुई भिड़ंत, युवराज ने किया हैरान

मौका था मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 2025 के पहले मैच का, जिसमें इंडिया मास्टर्स की टक्कर श्रीलंका मास्टर्स से थी. इस मुकाबले में इंडिया मास्टर्स ने पहले खेलकर 20 ओवर में 222 रन बनाए थे. जवाब में 223 रन के लक्ष्य का पीछा करने श्रीलंका मास्टर्स जब उतरी तो मैदान पर सचिन की सूझबूझ और युवराज की फुर्ती से रूबरू होना पड़ा.

युवराज सिंह ने पकड़ा ऐसा कैच, सब रह गए हैरान

श्रीलंका मास्टर्स की इनिंग के 8वें ओवर में युवराज सिंह की फुर्ती देखने को मिली. हुआ ये कि लाहिरू थिरामने भारतीय मास्टर्स के लिए खतरा बन रहे थे. इरफान पठान जब इनिंग का 8वां ओवर डाल रहे थे तो उसकी तीसरी गेंद पर थिरामने ने एक बड़ा शॉट लगाया, एक वक्त के लिए लगा कि गेंद सीमा रेखा पार कर जाएगी. मगर बाउंड्री पर खड़े युवराज सिंह दीवार बनकर उसके आड़े आ गए. उन्होंने हवा में छलांग लगाते हुए वो कैच लपक लिया. उम्र में 40 की दहलीज लांघ चुके युवराज को जिसने भी ऐसा करते देखा, वो सब हैरान रह गए.

कैच के चक्कर में अंबाती रायडू और सचिन की भिड़ंत

युवराज सिंह के हैरतअंगेज कारनामें के बाद एक कैच के चक्कर में सचिन तेंदुलकर की भिड़ंत हो गई. ऐसा श्रीलंका मास्टर्स की इनिंग के 13वें ओवर में हुआ. विनय कुमार की गेंद पर श्रीलंकाई बल्लेबाज प्रियंजन का कैच उठा, जिसे लपकने के चक्कर में सचिन की अंबाती रायडू के साथ भिड़ंत हो गई. हालांकि, उन दोनों के टक्कर में कैच नहीं छूटा. वो कैच सचिन तेंदुलकर ने पकड़ा.

कैसे ऑस्ट्रेलिया ने बरपाया लाहौर में कहर? जोस बटलर ने दिया जवाब

लाहौर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। लाहौर में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 5 विकेट से रौंद दिया। पहली पारी में 351 रन बनाने के बाद भी इंग्लैंड की सेना इस मैच को नहीं बचा सकी और ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी इवेंट का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड का गेंदबाजी विभाग विशाल लक्ष्य को डिफेंड करने में बुरी तरह असफल रहा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने बड़ा बयान दिया है।

जोस बटलर ने दिया बड़ा बयान

हार के बाद कप्तान जोस बटलर ने ओस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि 350 को आप स्कोर के तौर पर ले सकते हैं। ओस चिंता का विषय थी और मौसम काफी गीला था। 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए परिस्थितियां उनके लिए शानदार प्रयास थी। उन्होंने शानदार खेल दिखाया। सभी प्रारूपों में उन्होंने अपने खेल में सुधार किया है। खुद से ध्यान हटाकर साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करें। रूट और डकेट ने यही किया। इंग्लिस और कैरी के बीच साझेदारी को तोड़ना जरूरी था। खिलाड़ियों में बहुत अधिक भरोसा है।

इंग्लिस ने इस मैच में बरपाया कहर

352 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जोश इंग्लिस ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से इस मैच में कहर बरपा दिया। उन्होंने 86 गेंदों में 120 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा एलेक्स कैरी ने 63 गेंदों में 69 रनों का योगदान दिया। अंत में ग्लेन मैक्सवेल ने 15 गेंदों में 32 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को 47.3 ओवर में ही मुकाबला जीता दिया। इंग्लैंड की ओर से बेन डकेट की 165 रनों की पारी नाकाम रही।

क्रिकेट मैदान पर फिर दिखी पिता-पुत्र की जोड़ी

पहले कितनी बार हुआ ये कारनामा

बेंगलुरु, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीता था। इसके बाद राहुल द्रविड़ ने कोच का पद छोड़ दिया था। इसके बाद राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 से पहले राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ गए हैं। वहीं, अब पूर्व भारतीय दिग्गज को क्रिकेट मैदान पर खेलते हुए देखा गया। इस बार द्रविड़ अपने बेटे के साथ मैदान पर खेलने उतरे।

थर्ड डिवीजन मैच में खेले राहुल द्रविड़

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और हेड कोच रहे राहुल द्रविड़ को एक थर्ड डिवीजन मैच में खेलते हुए देखा गया। ये मैच कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के थर्ड जिवीजन में विजया क्रिकेट क्लब के लिए नासूर मेमोरियल शील्ड का मैच था। इस मैच में विजया क्रिकेट क्लब ने यंग लायंस क्लब के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 345 रन बनाए थे। इस मैच में राहुल द्रविड़ को बल्लेबाजी करते हुए देखा गया।

राहुल ने बनाए थे 10 रन

राहुल द्रविड़ को इस मैच में नंबर-6 पर बल्लेबाजी करते हुए देखा गया था। जिसमें राहुल ने 8 गेंदों पर 10 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से एक चौका भी निकला था। वहीं, राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय ने कमाल की बल्लेबाजी का नजारा पेश किया था। अन्वय ने बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंदों पर 58 रन बनाए थे। अपनी पारी के दौरान अन्वय ने 8 चौके भी लगाए थे।

पहले भी मैदान पर एकसाथ खेल चुकी है पिता-पुत्र की जोड़ी

क्रिकेट इतिहास में इससे पहले भी पिता-पुत्र की जोड़ियों मैदान पर एकसाथ खेलते हुए देखा जा चुका है। जिसमें लाला- सुरिंदर अमरनाथ, डेनिस- एडम लिली, शिवनारायण-तगेनारायण चंद्रपॉल जैसे दिग्गजों के नाम शामिल है।

पाकिस्तान के 10 सबसे अमीर क्रिकेटर, किसके पास है अकूत संपत्ति?

इस्लामाबाद,23 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट ने दुनिया को कई शानदार खिलाड़ी दिए हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनमें से कुछ खिलाड़ी करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं? क्रिकेट के मैदान पर छक्के-चौकों की बरसात करने वाले ये सितारे अपनी कमाई के मामले में भी किसी से पीछे नहीं हैं। क्रिकेट के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट, बिजनेस और कोचिंग के जरिए भी इन्होंने करोड़ों रुपये कमाए हैं। इस लिस्ट में बाबर आजम से लेकर इमरान खान तक कई बड़े नाम शामिल हैं। आइए जानते हैं पाकिस्तान के 10 सबसे अमीर क्रिकेटरों के बारे में और देखते हैं कि किसकी संपत्ति सबसे ज्यादा है।

इमरान खान

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सबसे अमीर पाकिस्तानी क्रिकेटर हैं। उनकी कुल संपत्ति 433 करोड़ रुपये बताई जाती है। क्रिकेट से रिटायर होने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और कई बड़े प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े रहे।

शाहिद अफरीदी

'बूम बूम' के नाम से मशहूर शाहिद अफरीदी पाकिस्तान के दूसरे सबसे अमीर क्रिकेटर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति 390 करोड़ रुपये है। क्रिकेट के अलावा वह बिजनेस, ब्रांड एंडोर्समेंट और अपनी फाउंडेशन के जरिए भी कमाई करते हैं।

शोएब मलिक

पाकिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर शोएब मलिक की कुल संपत्ति 211 करोड़ बताई जाती है। वह कई T20 लीग में खेल चुके हैं और उनकी कमाई ब्रांड एंडोर्समेंट से भी होती है।

मोहम्मद हफीज

पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज की कुल संपत्ति लगभग 199 करोड़ रुपये है। वह पाकिस्तान के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों और गेंदबाजों में से एक रहे हैं और फ्रेंचाइजी क्रिकेट से भी अच्छी कमाई की है।

शोएब अख्तर

'रावलपिंडी एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर की कुल संपत्ति 173 करोड़ बताई जाती है। क्रिकेट के अलावा वह कमेंट्री और यूट्यूब चैनल के जरिए भी अच्छी इनकम करते हैं।

अजहर अली

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली की कुल संपत्ति लगभग 130 करोड़ रुपये है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और कई लीगों में भी खेलकर अच्छी कमाई की है।

सईद अनवर

पाकिस्तान के दिग्गज ओपनर सईद अनवर की कुल संपत्ति 102 करोड़ रुपये बताई जाती है। अपने समय में वे दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाते थे और क्रिकेट के अलावा व्यापार से भी उन्होंने काफी कमाई की है।

मिस्बाह-उल-हक

रिपोर्ट के मुताबित, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक की कुल संपत्ति 81 करोड़ रुपये है। उन्होंने अपने करियर में पाकिस्तान को कई अहम जीत दिलाई और कोचिंग के जरिए भी अच्छी कमाई की है।

फवाद आलम

पाकिस्तान के ऑलराउंडर फवाद आलम की कुल संपत्ति करीब 50 करोड़ रुपये बताई जाती है। लंबे समय तक टीम से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने घरेलू क्रिकेट और लीग क्रिकेट के जरिए अच्छी कमाई की है।

बाबर आजम

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान बाबर आजम की कुल संपत्ति लगभग 41 करोड़ रुपये है। वह पाकिस्तान के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं और उनकी कमाई क्रिकेट के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी होती है।

सीएम ने यादगिरिगुट्टा मंदिर का विमान गोपुरम भगवान को समर्पित किया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्रि-भोंनगिर जिले के यादगिरिगुट्टा में स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर की प्रमुख संरचना, स्वर्ण विमान गोपुरम का उद्घाटन रविवार को महत्वपूर्ण भव्यता के साथ हुआ।

वृषभ लग्न के शुभ पुष्करांश और मूल नक्षत्र के संयोग में सुबह 11:54 बजे गोपुरम को श्री सुदर्शन लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी को प्रतिष्ठित किया गया। आगम शास्त्र के अनुसार आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ-साथ मुख्य सचिव शांति कुमारी, सरकारी सलाहकार नरेंद्र रेड्डी, सचेतक बिरला इलैया, साथ ही विभिन्न सांसद, विधायक, धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख, यादाद्री जिला कलेक्टर हनुमंत राव और कार्यकारी अधिकारी भास्कर राव सहित कई अन्य प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

स्वर्ण विमान गोपुरम ने देश का सबसे ऊंचा होने का गौरव प्राप्त किया है, जो 50.5 फीट ऊंचा है और 10,759 वर्ग फीट क्षेत्र में फैला हुआ है। इस पर सोने की परत चढ़ाने के लिए कुल 68 किलोग्राम सोने का इस्तेमाल किया गया, जिसकी लागत 3.90 करोड़ रुपये आई। यह समारोह वनमलाई मठ के 31वें पीठाधिपति रामानुज जीयर स्वामी के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनकी पत्नी ने यदाद्री उत्तर राजगोपुरम से मुख्य मंदिर में प्रवेश किया, जहाँ मंदिर के विद्वानों ने पूर्ण कुंभम के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद वे स्वर्ण विमान गोपुरम की ओर बढ़े।

एसएलबीसी सुरंग बचाव अभियान जोरों पर

मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने अभियान की निगरानी की

नागरकर्नूल, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सरकार नगर कर्नूल जिले में ढही श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) सुरंग के अंदर फंसे आठ श्रमिकों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, सेना, नौसेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं ताकि तेजी से और सुरक्षित बचाव सुनिश्चित किया जा सके। सुरंग से पानी निकालने का काम शुरू हो गया है और फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए लगातार ऑक्सीजन पंप की जा रही है। "हमने सेना, नौसेना और एनडीआरएफ के प्रतिनिधियों के साथ राहत अभियान की समीक्षा की है। सरकार सुरंग के अंदर फंसे आठ लोगों की जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और पूरा प्रशासन हाई अलर्ट पर है," उत्तम कुमार रेड्डी ने बचाव अभियान का निरीक्षण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री से बात की और बचाव प्रयासों के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया। राहुल गांधी ने आज व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री को फोन करके अपडेट लिया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने भी पहले उनसे बात की थी और सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया था। मंत्री उत्तम ने कहा कि दुर्घटना स्थल पर स्थिति गंभीर है और पानी के बहाव से बचाव अभियान में बाधा आ रही है। जलभराव को रोकने के उपाय किए जा रहे हैं और सुरंग के अंदर कीचड़ और मलबे को साफ करने के लिए वैकल्पिक उपाय तलाशे जा रहे हैं। उन्होंने बताया, "सुरंग में प्राकृतिक चट्टानें ढीली हो गईं, जिससे अचानक पानी और कीचड़ का बहाव हुआ और सुरंग का लगभग 12-13 फीट हिस्सा भर गया। यह एक बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है और तकनीकी विशेषज्ञ इस संकट को हल करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।"

सुरंग में फंसे लोगों को बचाने के प्रयासों में शामिल हुई सेना

बाइसन डिवीजन के इंजीनियर टास्क फोर्स ने मोर्चा संभाला

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागरकर्नूल जिले में डोमलपेंटा के पास निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग की छत का लगभग 3 मीटर लंबा हिस्सा आज ढह गया। इस घटना में 6-8 श्रमिकों के अंदर फंसे होने की आशंका है।तेजी से बचाव अभियान जारी है। तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र बचाव कार्यों का समन्वय कर रहे हैं। सिकंदराबाद से बाइसन डिवीजन के इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) को तैनात किया गया है।उच्च क्षमता वाले पंपिंग सेट, बख्तरबंद होज़, उत्खननकर्ता, जेसीबी और बुलडोज़र से लैस सेना की मेडिकल टीमें और इंजीनियर मलबा हटाने और सुरक्षित निकासी की सुविधा के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। नागरिक प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और सुरंग निर्माण ठेकेदारों के साथ संयुक्त बैठक चल रही है। भारतीय सेना बचाव प्रयासों में तेज़ी लाने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है। भारतीय सेना की प्राथमिकता अंदर फंसे लोगों को तेज़ी से और सुरक्षित बाहर निकालना है। ऑपरेशन आगे बढ़ने पर आगे की जानकारी दी जाएगी।

सुरंग में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करें: राज्यपाल

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने नागरकर्नूल के जिला कलेक्टर से टेलीफोन पर बात की और चल रहे बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल को नागरकर्नूल जिले में सुरंग ढहने के बाद फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई है। जिला कलेक्टर ने बचाव कार्यों पर अपडेट प्रदान करते हुए बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और सेना, विशेषज्ञों के साथ, घटनास्थल पर सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। जिष्णु देव वर्मा ने अधिकारियों को सुरंग में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बचाव कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है और अधिकारियों को नियमित रूप से घटनाक्रम से अवगत कराने का निर्देश दिया है।

एसएलबीसी घटना में सरकार की लापरवाही नहीं : जूपल्ली

नगर कर्नूल, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि एसएलबीसी में हुई दुर्घटना में कोई मानवीय भूल नहीं थी, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की कोई लापरवाही नहीं थी और यह घटना सुरंग में मिट्टी और पानी के अप्रत्याशित जमाव के कारण हुई। उन्होंने कहा कि भूस्खलन और पानी की मौजूदगी बचाव प्रयासों में बाधा बन रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि वैकल्पिक उपाय लागू किए जा रहे हैं और एनडीआरएफ और आपदा प्रबंधन सेना की टीमों के मार्गदर्शन में व्यापक राहत अभियान सक्रिय रूप से चल रहे है। "यह एक चुनौतीपूर्ण समय है; हालांकि, विपक्षी दल, विशेष रूप से बीआरएस और भाजपा, राज्य सरकार के खिलाफ आरोपों का अभियान चला रहे हैं," जुपल्ली कृष्ण राव ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि घटना के बाद राज्य सरकार को तुरंत सूचित कर दिया गया था, और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी लगातार स्थिति का आकलन कर रहे हैं। जुपल्ली कृष्ण राव ने बताया कि वह सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जमीनी हालात पर नजर रखी। गौरतलब है कि एसएलबीसी सुरंग के अंदर मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और जुपल्ली कृष्ण राव की राज्य सरकार के राहत और बचाव प्रयासों का समन्वय कर रहे हैं।

कूणामनेनी ने श्रीशैलम में फंसे लोगों के सुरक्षित बाहर आने की कामना की

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव कूणामनेनी संबाशिव राव ने आज श्रीशैलम लेफ्ट बैंक सुरंग में फंसे आठ लोगों के सुरक्षित बाहर आने की कामना की। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों से उपेक्षित श्रीशैलम सुरंग के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने का राज्य सरकार का निर्णय उत्साहजनक है।

उन्होंने कहा, "ऐसा पता चला है कि यह घटना तार्किक सर्वेक्षण अधिकारियों की लापरवाही के कारण हुई है, जिन्हें सुरंग का काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र का निरीक्षण करना था, जहा सुरंग बोर मिशन (टीबीएम) स्थित था। चूंकि श्रीशैलम जलाशय में पानी सुरंग के समोच्च स्तर से अधिक है, इसलिए यह 14 किमी तक पहुंच सकता है।"

उन्होंने कहा कि झरने का पानी क्षेत्र से 19.500 किलोमीटर की दूरी पर आता है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना इसलिए हुई क्योंकि क्षेत्र की मिट्टी में ग्रेनाइट और चट्टानें अधिक थीं।

उन्होंने कहा कि झरने के पानी को जलाशय से आने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की सलाह लेने और जल्द से जल्द काम पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने मांग की कि सुरंग के अंदर ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराए जाने चाहिए और काम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि घटना की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की जानी चाहिए।

ट्रंप ने अवैध अप्रवासियों को जानवरों की तरह शिकार करना शुरू किया : नारायण

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के नारायण ने आज कहा कि अमेरिकी सरकार अवैध अप्रवासियों के नाम पर जानवरों और अपराधियों की तरह क्रूर तरीके से युवाओं का शिकार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन अप्रवासियों को वापस भेजने के नाम पर बहुत ही क्रूर तरीके से काम कर रहा है और उन्होंने कहा कि रविवार सुबह अमेरिकी कांग्रेस के सामने खड़े होकर उन्होंने एक वीडियो जारी किया। अपने वीडियो में नारायण ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन ने सत्ता में आते ही अवैध अप्रवासियों को जानवरों की तरह शिकार करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, "हम अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के

खिलाफ नहीं हैं। भारत सरकार ने भी घोषणा की है कि वह अमेरिका से भारतीय प्रवासियों को वापस ले जाएगी। मैं प्रवासियों को वापस भेजने के लिए ट्रंप प्रशासन द्वारा अपनाई गई नीति की कड़ी निंदा करता हूं।" उन्होंने कहा कि यह निंदनीय और कड़ी आपत्तिपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका पहुंचने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने के एक दिन बाद भी अमेरिकी सरकार द्वारा अवैध प्रवासियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में प्रवासियों ने अचानक कदम नहीं रखा है और वे एक दशक से अधिक समय से अमेरिका में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, "उन्हें उनके देशों में वापस भेजने के लिए उठाए जा रहे कदम आपत्तिजनक हैं। अमेरिकी सरकार का रवैया युवाओं के जीवन को परेशान कर रहा है। प्रवासियों को सम्मानजनक तरीके से उनके संसाधन देशों में वापस भेजा जाना चाहिए था।" उन्होंने कहा, "हम युवाओं को परेशान करने के तरीके की निंदा करते हैं।"

टीजीएसआरटीसी महाशिवरात्रि के लिए तीन हजार विशेष बसें चलाएगा

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) 26 फरवरी को पड़ने वाले महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए राज्य और पड़ोसी आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों से 3,000 विशेष बसें चलाएगा। 24 से 28 फरवरी तक चलने वाली विशेष बस सेवा राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 43 शैव क्षेत्रों तथा अन्य स्थानों तक चलाई जाएगी। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में 800 से अधिक विशेष बसें चलाई जा रही हैं।

आरटीसी अधिकारियों के अनुसार, श्रीशैलम के लिए कुल 800 सेवाएं , वेमुलावाड़ा के लिए 714 , कीसरगुट्टा के लिए 270 , एडुपाया के लिए 444, वेलाला के लिए 171, कालेश्वरम के लिए 80, कोमुरावेल्ली और अन्य स्थानों के लिए 51 सेवाएं संचालित की जाएंगी। हैदराबाद में एमजीबीएस, जेबीएस, दिलसुखनगर, आईएस सदन, केपीएचबी, बीएचईएल से श्रीशैलम मंदिर तक श्रद्धालुओं के लिए विशेष बसें उपलब्ध होंगी। अधिकारियों ने बताया कि टीजीएसआरटीसी इन विशेष सेवाओं में संशोधित विशेष किराया वसूलेगा तथा त्यौहारी सीजन के दौरान इन सेवाओं के लिए अग्रिम आरक्षण सुविधा भी उपलब्ध कराएगा। टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने कहा , "प्रबंधन यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठा रहा है कि महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्तों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।"

अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि वे इन विशेष सेवाओं का लाभ उठाएं और सुरक्षित रूप से शिव मंदिरों तक पहुंचकर पूजा-अर्चना करें।

तेलंगाना में जल्द ही उपचुनाव होंगे: तलसानी

सिद्दीपेट, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने तेलंगाना में पार्टी विधायकों के दलबदल पर दिलचस्प टिप्पणी की है। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार जिन विधायकों ने पाला बदला है, उनके स्थान पर उपचुनाव होने की संभावना है।

उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की है कि चुनाव में जीत उनकी पार्टी की होगी। तलसानी श्रीनिवास यादव अपने परिवार के साथ कोमुरवेली मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर गए और विशेष पूजा-अर्चना की। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान कोमुरवेली मल्लन्ना मंदिर में सभी व्यवस्थाएं की गई थीं। हमने मल्लन्ना मंदिर को पीने का पानी, शयनगृह और स्वर्ण मुकुट जैसी सुविधाएं प्रदान करके कई तरह से विकसित किया है। चूंकि मल्लन्ना मंदिर का विकास

केसीआर के कार्यकाल के दौरान हुआ था, इसलिए पहले राजस्व लगभग 5 करोड़ रुपये था। अब यह 20 करोड़ से अधिक की महत्वपूर्ण राशि तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के गठन के 14 महीने हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान और पिछड़ा वर्ग काफी कठिनाइयों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान छह गारंटी देने और 420 वादे करने वाली कांग्रेस सरकार ने किसी भी गारंटी को पूरी तरह लागू नहीं किया। उन्होंने कहा, "कांग्रेस सरकार का हनीमून पीरियड खत्म हो चुका है। हमें अब से लोगों की कठिनाइयों पर ध्यान देना होगा।" उन्होंने दावा किया कि किसी भी जाति संगठन के नेता जाति गणना से संतुष्ट नहीं हैं। "हालांकि कांग्रेस सरकार राज्य के लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन वे सरकार की सभी नीतियों को देख रहे थे। यदि राज्य की जनसंख्या चार करोड़ से अधिक है, तो सरकार ने इसे 3.70 करोड़ दिखाया है। "आखिर विधानसभा में जाति गणना पर प्रस्ताव जल्दबाजी में लाने की क्या जरूरत है? पूर्व सीएम केसीआर ने अतीत में विधानसभा में जाति गणना पर प्रस्ताव पेश किया था, "उन्होंने याद किया। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि एसएलबीसी सुरंग की घटना के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा?

उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के कुलपति की नियुक्ति

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के कुलपति पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक प्रमुख होने के कारण कुलपति से निम्नलिखित अपेक्षित है:

* सर्वोच्च स्तर की सक्षमता, सत्यनिष्ठा, नैतिकता और संस्था के प्रति प्रतिबध्दता संपन्न व्यक्ति।
* एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद, जो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में न्यूनतम 10 वर्ष या प्रतिष्ठित अनुसंधान और/या अकादमिक संगठन में प्रशासनिक नेतृत्व का प्रदर्शन करने के प्रमाण के साथ 10 वर्ष का अनुभव।
* इस विज्ञापन में आवेदन प्राप्ति की समापन तिथि पर 65 वर्ष की आयु से अधिक आयु का नहीं होना वांछनीय।

वेतन और सेवा शर्तें

* पद हेतु अन्य सामान्य भत्तों और 11250/- रुपए के विशेष भत्तों के साथ 2,10,000/- रुपए (नियत) प्रतिमाह का वेतन निर्धारित है।
* सेवाओं की निबंधन और शर्तें वह होंगी जो विश्वविद्यालय के अधिनियम एवं संविधियों तथा अध्यादेशों में दी गई हैं।

नियुक्ति हेतु प्रक्रिया

* कुलपति की नियुक्ति विश्वविद्यालय के अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत गठित एक समिति द्वारा
* सिफारिश किए गए नामों के एक पैनल में से की जाएगी।
* यह विज्ञापन वेबसाइट: http://www.education.gov.in
* **तथा** https://www.ctuap.ac.in / पर उपलब्ध है।

केवल ऑनलाइन आवेदन करें

* उम्मीदवारों को नीचे दिए गए लिंक के अनुसार केवल शिक्षा मंत्रालय समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा: https://vcrec.samarth.ac.in/index.php/
* उपरोक्त लिंक दिनांक **24-02-2025, सुबह 10.00 बजे से दिनांक 25-03-2025, सायं 17.00 बजे** तक सक्रिय होगा।

cbc21201/11/0008/2425

हैदराबाद के आनुवंशिक शोधकर्ताओं ने किया कमाल

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पहली बार, हैदराबाद के आनुवंशिक शोधकर्ताओं ने दुर्लभ बीमारियों के निदान के लिए एक नया और अधिक कुशल तरीका विकसित किया है ।पारंपरिक जीन मैपिंग के स्थान पर, वे ऑप्टिकल जीनोम मैपिंग (ओजीएम) का उपयोग कर रहे हैं, जो एक ऐसी तकनीक है जो संपूर्ण डीएनए संरचना को कैप्चर करती है और जीनोम का पूरा नक्शा (या चित्र) देती है, जिससे शोधकर्ताओं को जीनोम में संरचनात्मक विविधताओं की पहचान करने और दुर्लभ बीमारी के कारण का सटीक पता लगाने में मदद मिलती है। हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) की शोध टीम, जिसका अध्ययन नेचर साइंस जर्नल के यूरोपियन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स में (9 दिसंबर, 2024) प्रकाशित हुआ था, ने गंभीर हीमोफीलिया और ऑटिज्म सहित दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित दो बच्चों पर ओजीएम अध्ययन करके अपने शोध का प्रदर्शन किया।

सीसीएमबी के वरिष्ठ अनुसंधान फेलो और विज्ञान संचारक आदित्य उंद्रू ने एक रिपोर्ट (जैव प्रौद्योगिकी विभाग के भारत जैव विज्ञान) में ऑप्टिकल जीनोम मैपिंग पर अत्याधुनिक शोध का सटीक वर्णन करते हुए कहा, "यह एक द्वीप में खोजकर्ता को सक्षम करने जैसा है, जो दफन खजाने की खोज कर रहा है, उसे एक पूरा खजाना नक्शा और एक पक्षी की नज़र से देखने का दृश्य प्रदान किया जाता है। घने जंगल में, खजाने के नक्शे के टुकड़े बेकार हो जाते हैं। खोजकर्ता को एक पूरा नक्शा और एक पक्षी की नज़र से देखने की ज़रूरत होती है।" सीसीएमबी के शोधकर्ताओं ने बताया कि उनके अध्ययन में आनुवंशिक विकारों के अध्ययन और समझने के तरीके को नया रूप देने की क्षमता है, जिससे आनुवंशिक निदान और अनुसंधान का एक नया युग शुरू हो जाएगा। यह अध्ययन दुर्लभ बीमारियों से जुड़े नैदानिक प्रश्नों को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इंडियन बायोसाइंस रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने कहा कि ऑप्टिकल जीनोम मैपिंग का उपयोग करने का तरीका इस क्षेत्र में कुछ अंतरालों को भरने में मदद करता है, खासकर संरचनात्मक विविधताओं के बारे में जिन्हें पुरानी अनुक्रमण तकनीकों के साथ पूरी तरह से पकड़ना चुनौतीपूर्ण रहा है।

नई दिल्ली से प्रयाग के लिए 5 अनारक्षित ट्रेनें चलाईं

रेलवे की टिकट बिक्री पर प्रति घंटे निगरानी

नई दिल्ली/ हैदराबाद (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को शाम के समय, रेलवे ने सप्ताहांत में भीड़ बढ़ने के मद्देनजर नई दिल्ली स्टेशन से प्रयाग के लिए 5 अनारक्षित ट्रेनें चलाईं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधकों को भीड़ और टिकट बिक्री पर नज़र रखने के निर्देश दिए। वास्तविक समय की निगरानी के आधार पर, उत्तर रेलवे ने विशेष ट्रेनों की योजना बनाई। इसी तरह उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रयाग राज, झूसी और नैनी से विशेष ट्रेनों की योजना बनाई। टिकट बिक्री और भीड़ की लगातार निगरानी उच्चतम स्तर पर की जा रही है। शनिवार को शाम के समय प्रयागराज के लिए टिकट बिक्री सामान्य से अधिक रही। 6 बजे से 7 बजे तक प्रयागराज के लिए 2375 टिकटें बिकीं। मांग को देखते हुए प्रयाग के लिए अनारक्षित ट्रेनें प्रति घंटे के हिसाब से चलाई गईं। ट्रेन संख्या 0470 शाम 7 बजे रवाना हुई। शाम सात बजे से आठ बजे तक 2950 टिकटें बिकीं। ट्रेन संख्या 04074 रात 8 बजे रवाना हुई। रात 8 बजे से 9 बजे तक 3429 टिकटें बिकीं, ट्रेन 04080 रात 8.58 बजे रवाना हुई। रात 9 बजे से 10 बजे तक 2662 टिकटें बिकीं, ट्रेन 04082 2158 बजे रवाना हुई। 2200 बजे से 2300 बजे तक 1689 टिकटें बिकीं, ट्रेन 04084 रात 11.15 बजे रवाना हुई। महाकुंभ 2025 के लिए बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के प्रयाग जाने के मद्देनजर ट्रेन सेवा में वृद्धि की गई। दमरे के अनुसार भारतीय रेलवे महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.